THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 218 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.14 2082 मंगलवार, 4 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बेअदबी का मामला, मजदूर ने गुरु ग्रंथ साहिब जी की ओर फेंका चप्पल; चार गिरफ्तार

अमृतसर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमृतसर के गांव शहूरा में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी का मामला सामने आया है। गांव निवासी मेजर सिंह के घर में अखंड पाठ का आयोजन चल रहा था। जानकारी के अनुसार, सुबह तीन बजे पाठ कर रहे ग्रंथी सिंह के सामने बैठे एक प्रवासी मजदूर ने अचानक गुरु ग्रंथ साहिब जी की ओर चप्पल फेंक दी। इस हरकत से पाठ कर रहे ग्रंथी सिंह और मौजूद संगत स्तब्ध रह गई।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद मेजर सिंह के परिवार ने मामले को दबाने का प्रयास किया और आरोपी मजदूर को मौके से भगा दिया। हालांकि, ग्रंथी सिंह ने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कमेटी को दी। सूचना मिलते ही सत्कार कमेटी के प्रधान तरलोचन सिंह सोहल और बाबा सतनाम सिंह अपने साथियों सहित मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

तकिया मस्जिद विध्वंस पर हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

कई कानूनों के उल्लंघन का आरोप

उज्जैन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उज्जैन स्थित तकिया मस्जिद को गिराए जाने के मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के हालिया फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। मस्जिद में नमाज अदा करने वाले तेरह नमाजियों की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि मध्य प्रदेश सरकार ने महाकाल मंदिर की पार्किंग क्षेत्र का विस्तार करने के लिए 200 साल पुरानी मस्जिद को गिरा दिया।

याचिकाकर्ता के मुताबिक मस्जिद को 1985 में विधिवत वक्फ के रूप में दर्ज किया गया था और पिछले 200 सालों से इस साल जनवरी तक मस्जिद में नमाज पढ़ी जा रही थी, लेकिन जनवरी में प्रशासन और सरकार ने इसे अवैध रूप से और मनमाने ढंग से ध्वस्त कर दिया गया।

मस्जिद विध्वंस ने तोड़े कई कानून

याचिका में बताया गया है कि इस विध्वंस ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991, वक्फ अधिनियम, 1995 (अब एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995) और भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 का उल्लंघन किया है। याचिका में आगे दावा किया गया है कि विध्वंस से पहले राज्य की ओर से की गई भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया अनियमितताओं से ग्रसित थी।

तकिया मस्जिद विवाद क्या है?

उज्जैन में स्थित तकिया मस्जिद का विवाद मुख्य रूप से महाकालेश्वर मंदिर के विस्तारीकरण परियोजना से जुड़ा है। यह मस्जिद करीब 200 साल पुरानी बताई जाती है, जो निजामुद्दीन कॉलोनी में स्थित है। विस्तारीकरण परियोजना के तहत मंदिर परिसर का विस्तार 2.5 हेक्टेयर से 40 हेक्टेयर से ज्यादा किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य परिसर को 7 गुना बड़ा करना है।

इसमें मस्जिद भी आ गई, इस प्रक्रिया में मस्जिद और आसपास के 257 मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यह मस्जिद वक्फ संपत्ति है, जबकि प्रशासन अवैध अतिक्रमण बता रहा है।

15 लाख की ब्राउन शुगर जब्त

चार तस्कर गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पुरी पुलिस ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान 'ऑपरेशन चक्र' के तहत बड़ी सफलता हासिल की।पुलिस ने करीब 15 लाख रुपये मूल्य की ब्राउन शुगर जब्त की और चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया, जबकि एक आरोपी फरार हो जाने की जानकारी पुरी के पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह ने मीडिया को दी है।

पुरी एसपी सिंह ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर पिपिली पुलिस ने आरोपियों को उस समय पकड़ लिया जब वे निजीगड़ा कुरकी (पिपिली के पास) में ब्राउन शुगर की डील करने की योजना बना रहे थे। पुलिस टीम ने 151 ग्राम ब्राउन शुगर, 6,30,700 रुपये नकद, सात मोबाइल फोन, एक कार, एक बुलेट मोटरसाइकिल और दो अन्य बाइकें जब्त की हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जयंत कुमार स्वांई, कुलमणि खटई, उमेश कुमार स्वांई (सभी सत्यबादी इलाके के निवासी) और शशिकांत जेना (जटनी निवासी) के रूप में हुई है।पांचवां आरोपी मौके से फरार हो गया और जिसकी तलाश जारी है। एसपी सिंह ने कहा कि पुरी जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए कई सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। 'ऑपरेशन चक्र' के तहत पुलिस का लक्ष्य पूरे जिले को नशामुक्त बनाना है, जिसके लिए तस्करी नेटवर्क और आपूर्तिकर्ताओं पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि ब्राउन शुगर सप्लायरों पर पिपिली पुलिस की निगरानी चल रही थी।तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा रही थी।पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ सप्लायर पिपिली इलाके में सक्रिय हैं और बाहर से ब्राउन शुगर मंगाकर पुरी व आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई कर रहे हैं। विश्वसनीय स्रोत से जानकारी मिली कि वे कल इस माल की डील करने वाले हैं। सूचना मिलते ही पिपिली थाने की एक टीम ने छापा मारा और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

4 साल बाद फिर लगेगा 'दरबार मूव'

उमर अब्दुल्ला ने किया ऐलान, जानें क्यों है इतना खास?

जम्मू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज 3 नवंबर ऐतिहासिक 'दरबार मूव' परंपरा की बहाली का ऐलान किया है। करीब चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर सचिवालय का औपचारिक उद्घाटन जम्मू में हुआ। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सिविल सचिवालय पहुंचकर गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। इस मौके पर नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब दरबार मूव बंद किया गया था, तब जम्मू को बड़ा झटका लगा था। उन्होंने बताया कि जनता से किए वादे के मुताबिक उनकी सरकार ने इस परंपरा को पुनः शुरू किया है। उन्होंने कहा, "दरबार मूव केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जम्मू और श्रीनगर को जोड़ने वाला भावनात्मक सेतु है।" उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। लेकिन सवाल ये उठता है कि आखिर ये दरबार मूव है क्या और क्या खास है?

'दरबार मूव' क्या है और क्यों खास है?

दरअसल 'दरबार मूव' जम्मू-कश्मीर की 149 साल पुरानी वो परंपरा है, जिसके तहत प्रदेश सरकार छह माह श्रीनगर और छह माह जम्मू से काम करती है। यह व्यवस्था डोगरा शासक महाराजा रणबीर सिंह के समय से चली आ रही है। इससे न केवल दोनों क्षेत्रों के बीच प्रशासनिक संतुलन बना रहता है, बल्कि लोगों के बीच क्षेत्रीय एकता की भावना भी मजबूत होती है।

आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से फायदेमंद

विशेषज्ञों का मानना है कि दरबार मूव की बहाली से स्थानीय व्यापार, होटल और परिवहन क्षेत्र को बड़ा फायदा होगा। बता दें कि चार साल पहले जब यह परंपरा रुकी थी, तब शहर की आर्थिक गतिविधियों पर गहरा असर पड़ रहा था। अब सरकार की यह पहल न केवल भावनात्मक जुड़ाव को पुनर्जीवित करेगी, बल्कि जम्मू-कश्मीर की एकता और प्रगति की दिशा में एक सकारात्मक संदेश भी देगी।

12 स्कूली बच्चे खाना खाने से हुए बीमार अस्पताल में भर्ती

बेलगावी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक विद्यालय के बाहर कुछ बच्चे फूड प्वाइजनिंग के कारण बीमार पड़ गए। खाना खाने के कारण12 बच्चे बीमार हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, चिक्कोडी तालुका के हिरेकोडी गांव में मोरारजी देसाई रेजिडेंशियल स्कूल के छात्रों ने रविवार को रात के खाने के बाद उल्टी और पेट दर्द की शिकायत की और उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

फिलहाल सभी बच्चों की हालत स्थिर बताई जा रही है। कुछ सूत्रों ने दावा किया है कि यह घटना एक स्थानीय जज के उसी संस्थान का दौरा करने और साफ-सफाई और मैनेजमेंट के मुद्दों पर वार्डन और स्टाफ को फटकार लगाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। इस प्रकरण में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

लॉ स्टूडेंट्स के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

कम उपस्थिति पर भी दे सकेंगे एग्जाम, लाखों छात्रों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए लॉ के विद्यार्थियों के लिए बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि न्यूनतम उपस्थिति की कमी के आधार पर किसी भी लॉ स्टूडेंट्स को परीक्षा से नहीं रोका जाएगा। लॉ विद्यार्थियों के लिए आदेश काफी अहम माना जा रहा है।

इसको लागू करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को अनिवार्य उपस्थिति नियमों में संशोधन करने का निर्देश दिया है। बता दें कि लॉ छात्र सुषांत रोहिल्ला की आत्महत्या से जुड़े मामले में कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सख्त अटेंडेंस नियम छात्रों में मानसिक तनाव और आत्महत्या जैसी घटनाओं का कारण नहीं बनने चाहिए। कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी युवा जीवन की हानि अनिवार्य उपस्थिति नियमों की कीमत पर नहीं हो सकती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि छात्रों को रोकने की बजाय कम कठोर नियमों की तलाश जरूरी है। कहा कि अनिवार्य फिजिकल उपस्थिति की आवश्यकता पर पुनर्विचार और संशोधन जरूरी है। हालांकि कोर्ट ने सभी संस्थानों को यूजीसी नियमों के अनुसार शिकायत निवारण समिति बनाना अनिवार्य करने के लिए कहा है।

कोर्ट ने कहा देश के किसी भी मान्यता प्राप्त लॉ कॉलेज और विश्वविद्यालय में उपस्थिति की कमी के आधार पर किसी छात्र को परीक्षा या करियर प्रगति से नहीं रोका जाएगा। साथ ही कोई संस्थान बीसीआई द्वारा तय न्यूनतम सीमा से अधिक कठोर एटेंडेंस नियम नहीं बना सकेगा।

मणिपुर में एक्शन मोड में सुरक्षा बल

प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आठ उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सभी गिरफ्तारियां रविवार को की गईं हैं। प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (तैयबंगनबा) के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को थौबल जिले के खोंगजोम बाजार से गिरफ्तार किया गया, जबकि संगठन के एक अन्य सदस्य को इंफाल पूर्व के पुरीरोम्बा से गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पी) के दो सदस्यों को भी थौबल जिले के चोंगथम कोना इलाके से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम के वाहेंगबाम लेइकाई इलाके से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि उनके पास से राइफल, ग्रेनेड, कारतूस और पिस्तौल सहित हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। यूएनएलएफ (पी) ने 2023 में केंद्र के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि, पुलिस ने बताया कि संगठन के सदस्यों को जबरन वसूली और अवैध हथियारों की तस्करी में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया जाना जारी है।

बीजेपी का दावा- एसआईआर शुरू होने से घुसपैठिए भाग रहे

उनमें जेल का डर टीएमसी बचाने का नाटक कर रही है

कोलकाता, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर को लेकर बीजेपी नेता दिलीप घोष ने दावा किया कि एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेशी घुसपैठिए देश से भाग रहे हैं , जबकि टीएमसी इस पर नाटक कर रही है ताकि उन्हें बचाया जा सके। घोष ने कहा कि पिछले दो महीने से हम देख रहे हैं कि जैसे-जैसे एसआईआर की प्रक्रिया तेज हो रही है, बांग्लादेशी घुसपैठिए भागने लगे हैं। उन्हें डर है कि जेल में डाल दिया जाएगा। लेकिन यह प्रक्रिया शांति से पूरी होगी।

कुछ टीएमसी के गुंडे इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं, पर ऐसा नहीं हो पाएगा। जमालपुर में एसआईआर की वजह से प्रवासी मजदूरों की मौत की खबरों पर दिलीप घोष ने कहा कि यह सब टीएमसी का झूठा प्रचार है। एसआईआर की वजह से किसी की मौत नहीं हुई है। कुछ लोगों को पैसे देकर झूठ बुलवाया जा रहा है।

टीएमसी - डर और नफरत की राजनीति से हो रही मौतें

वहीं टीएमसी ने बीजेपी पर पलटवार करते हुए कहा कि एसआईआर की वजह से राज्य में डर और अफरा-तफरी का माहौल बना है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की पोस्ट में लिखा कि एक और बेशकीमती जान गई बीजेपी की डर और नफरत की राजनीति की भेंट चढ़कर।

नबाग्राम (जमालपुर) के प्रवासी मजदूर बिमल संत्रा की मौत इसका ताजा उदाहरण है। टीएमसी ने आगे कहा कि एसआईआर एक ऐसा हथियार बन गया है जो लोगों में डर पैदा कर रहा है, उन्हें उनकी नागरिकता और अपने वजूद पर शक करने पर मजबूर कर रहा है। बीजेपी के हाथ खून से सने हैं। बंगाल की जनता इंसाफ जरूर मांगेगी।

तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पूर्व मंत्री पर युवक ने घर में घुसकर हमला किया

नौकरी के लिए करना चाहता था बात

कोलकाता, 3 नवंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक पर एक युवक ने उनके घर में घुसकर हमला किया है। मामला रात का है। हमलावर युवक की पहचान कर ली गई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हैरानी की बात ये है कि हमला करने वाला युवक, विधायक से नौकरी के लिए बात करना चाहता था। कांग्रेस के विधायक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक पर उनके घर में ही हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि अभिषेक दास नाम का युवक, विधायक आवास में घुस गया और उसने विधायक पर अचानक हमला कर दिया।

अचानक हुए हमले में विधायक भी ये नहीं समझ पाए कि ये क्या हुआ। आरोपी युवक, विधायक के ऊपर पहले झपटा और फिर उसने विधायक के पेट के निचले हिस्से में घूंसा मारा। इसके बाद विधायक आवास में मौजूद लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ा और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की उम्र 30 साल बताई जा रही है। पुलिस से पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा इलाके का रहने वाला है और विधायक से नौकरी के लिए बात करने गया था। बता दें कि ज्योतिप्रिय मलिक, हाबरा के ही विधायक हैं।

कहा जा रहा है कि अचानक हुए हमले से मलिक अचेत भी हो गए। मलिक के शोर मचाने पर उनके सुरक्षाकर्मी और आस-पास मौजूद अन्य लोग दौड़कर आए और युवक को पकड़ लिया। बाद में आरोपी को विधाननगर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में पता चला कि युवक शहर के एक सरकारी अस्पताल में मानसिक उपचार ले रहा था और उसने दिन में पहले भी मलिक के साल्ट लेक स्थित घर की कई बार रेकी की थी।

14 लाख की ईनामी महिला नक्सली सुनीता ने किया सरेंडर

बालाघाट, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में महिला इनामी नक्सली सुनीता ने आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ की रहने वाली महिला नक्सली सुनीता बीजापुर जिले के ग्राम गोमवेटा की रहने वाली है। जिसने मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले की पितकोना पुलिस चौकी अंतर्गत चिलोरा कैंप में समर्पण किया। जिस पर 14 लाख का इनाम भी है। ईनामी महिला नक्सली के आत्मसमर्पण को लेकर पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार ने कहा कि सुनीता मध्य प्रदेश की हाल ही में नक्सली पॉलिसी और राज्य में बन रहे नक्सिलयों पर दबाव के चलते उसने समर्पण किया है।

मध्य प्रदेश में 1992 के बाद पहली बार किसी महिला नक्सली ने इस तरह से सरेंडर किया है। एम।एम।सी जोन की हार्डकोर सशस्त्र महिला नक्सली सुनीता माओवादी संगठन में साल 2022 में जुड़ी थी। छत्तीसगढ़ के माड क्षेत्र में 06 महीने का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उसने सीसी मेंबर रामदेर के गार्ड के रूप में काम किया। यह मध्य प्रदेश आत्मसमर्पण, पुनर्वास सह राहत नीति 2023 के अंतर्गत पहला आत्मसमर्पण है। 1992 के बाद से पहली बार अन्य राज्य के किसी सशस्त्र नक्सली कैडर ने मध्य प्रदेश शासन के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि सुनीता किन अपराधों में रही है। इसको लेकर पुछताछ की जाएगी। यदि कोई भी सशस्त्र आंदोलन छोड़ कर मुख्य धारा में लौटना चाहता है तो बालाघाट पुलिस से संपर्क कर सकता है।

शादी से लौटे 3 कैटरिंग स्टाफ की मौत, 6 जख्मी खड़े ट्रक में कार घुसाई

कुरुक्षेत्र, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में शादी समारोह से लौट रहे कैटरिंग स्टाफ की गाड़ी सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस टक्कर में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक्सीडेंट में 6 लोग घायल हुए, जिनमें से 4 को करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हादसा आज सुबह करीब साढ़े 4 बजे हुआ। मृतकों की पहचान संजीव कुमार, पवन कुमार और पवन के रूप में हुई है। ये सभी जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले की तहसील सुंदरबनी के गांव सैयानी के रहने वाले थे और कुरुक्षेत्र के पाल रिजोर्ट में कैटरिंग का काम करने आए थे।

दिन में यहीं भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल की शादी हुई थी। हादसे के बाद कार का ड्राइवर घायल का फोन लेकर मौके से भाग गया। रुक्का मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उनके परिजन को सूचना दी। ज्योतिसर चौकी के इंचार्ज संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस घायलों के बयान दर्ज कर रही है और जांच में जुटी है। मृतकों के परिजन के आने पर शवों का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

आतंकियों के 2 ठिकाने तबाह

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में जंगलों में छिपे थे टेररिस्ट, सुरक्षाबलों ने लिया एक्शन

जम्मू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों के 2 ठिकानों का पर्दाफाश हुआ है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद सेना की 9वीं राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के दमहाल हंजीपोरा के वन क्षेत्र में तलाशी के दौरान दोनों आतंकी ठिकाने मिले, जहां से खाने-पीने का सामान, गैस सिलेंडर और कपड़े बरामद हुए, जिन्हें सुरक्षाबलों ने कब्जे में लिया और फिर आतंकियों की तलाश में पूरे जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा जम्मू-कश्मीर हाई अलर्ट पर है और प्रदेश के कोने-कोने की तलाशी ली जा रही है। पुलिस और सेना के जवाब पैनी नजर बनाए हुए हैं। हर नाके चौराहे पर आने-जाने वालों की चेकिंग चल रही है। 3 महीने में करीब 100 आतंकी ठिकाने तबाह किए जा चुके हैं। कुलगाम के जंगलों में भी आतंकी छिपकर बैठे थे, जिन्हें ट्रेस करते हुए जवान और पुलिस उनके ठिकानों तक पहुंचे। अहमदाबाद और नेंगरीपोरा वन क्षेत्रों के बीच ठिकाने बनाकर आतंकी रह रहे थे।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में 1990 के दशक से लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और हिज्बुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन एक्टिव हैं और कश्मीर घाटी में कुलगाम, शोपियां, अनंतनाग में और जम्मू के ऊपरी इलाकों जैसे पुंछ, राजौरी, किश्तवाड़ में छिपकर आतंकी गतिविधियां संचालित करते हैं। तीनों आतंकी संगठनों के आतंकी जंगलों में और खाइयों में बंकर बनाकर रहते हैं। आतंकी हथियार, आईईडी, ग्रेनेड और रसद सामग्री लेकर चलते हैं और ठिकानें बदलते रहते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी) और सीआरपीएफ ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव चलाकर आतंकियों का खात्मा करने का बीड़ा उठाया है।

पिछले 3 महीने में चलाए गए ऑपरेशन

बता दें कि 9 और 10 अक्टूबर को कुपवाड़ा के बृजथोर जंगल में जॉइंट ऑपरेशन चलाकर आतंकी ठिकाने को तबाह किया गया था। 2 एके राइफल्स, 4 रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद बरामद हुए थे। 30 सितंबर के अनंतनाग के जंगल में आतंकी ठिकाना मिला था, जहां से पिस्टल और ग्रेनेड समेत कई हथियार बरामद हुए थे। 26 सितंबर को शोपियां के यारवान जंगल में आतंकी ठिकाना मिला था।

21 सितंबर को पुंछ के शाहपुर क्षेत्र में एलओसी से सटे इलाके में आतंकी ठिकाना तबाह किया गया था, जहां से एके -47, 20 ग्रेनेड और 4 मैगजीन बरामद हुई थीं। 23 अगस्त को श्रीनगर के दाचीगाम जंगल में ऑपरेशन महादेव के तहत आतंकी ठिकाना तबाह किया गया था। 13 और 14 अगस्त को कुपवाड़ा के गुलगाम जंगल में 30 फीट गहरी गुफा में आतंकी ठिकाना मिला था। 11 अगस्त को किश्तवाड़ के डूल इलाके में पहाड़ी गुफा में बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 10 से ज्यादा आतंकी मारे गए और वहां से रॉकेट लॉन्चर के साथ एके -47 बरामद हुई थीं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 218 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.14 2082 मंगलवार, 4 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बीरेन सिंह के ऑडियो क्लिप से छेड़छाड़ हुई

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट को बताया कि मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से जुड़े ऑडियो क्लिप से छेड़छाड़ की गई है। दावा किया गया था कि इस ऑडियो क्लिप में पूर्व सीएम ने मैतेई समुदाय को हिंसा भड़काने की इजाजत देने की बात कबूली थी।

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि गुजरात के गांधीनगर स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी की एक गोपनीय रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ऑडियो क्लिप की एडिटिंग की गई थी। वह आवाज की तुलना के लिए साइंटिफिक रूप से फिट नहीं थी।

ब्लैक मंडे

चेवेल्ला में भीषण सड़क हादसा

बस-ट्रक की टक्कर में 19 की मौत, 20 घायल

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा गाँव के पास सोमवार सुबह बजरी से लदे एक ट्रक और टीएसआरटीसी बस के बीच टक्कर में कम से कम 19 यात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इसी क्रम में तेलंगाना सरकार ने जांच के आदेश दिए है। बस दुर्घटना मृतकों के परिवारों के लिए 7 लाख रुपए और घायलों को 2 लाख रुपए अनुग्रह राशि की घोषणा की। यह घटना हैदराबाद–बीजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई जब बजरी से लदा एक ट्रक तांडूर डिपो की एक बस से टकरा गया। चूँकि यह बस का पहला चक्कर था, इसलिए कई यात्री उसमें सवार हो चुके थे। जैसे ही बस मिर्जागुडा के पास पहुँची, ककड़ से लदा एक तेज़ रफ़्तार टिपर ट्रक उससे टकरा गया, जिससे टिपर पलट गया और उसका पूरा कंकड बस पर गिर गया। यह दुर्घटना बेहद गंभीर थी, जिसके परिणामस्वरूप बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से कुचल गया और टनों ककड़(बजरी) बिखर गई, जिससे कई यात्री अंदर फंस गए और उनकी मौत हो गई। बस चालक और टिपर ट्रक चालक दोनों की तत्काल मृत्यु हो गई। अधिकारी और बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और व्यापक राहत कार्य शुरू किया। मलबा हटाने और बचे लोगों को बचाने के लिए तीन जेसीबी मशीनों का इस्तेमाल किया गया। कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए और उन्हें चेवेल्ला सरकारी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि पाँच पीड़ितों की हालत गंभीर है। बताया गया है कि दुर्घटना के समय बस में 72 यात्री सवार थे। इनमें से ज़्यादातर छात्र और मज़दूर थे। मृतकों में दस महिलाएँ, आठ पुरुष और एक बच्चा शामिल है। पुलिस ने 13 शवों की पहचान कर ली है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह दृश्य बेहद भयावह था, जहाँ मुड़ी हुई धातु के मलबे और बजरी के ढेर के बीच मदद की चीखें गूंज रही थीं।

हादसे में घायलों की हालत स्थिर :

पीएमआर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रामकृष्ण रेड्डी ने कहा सुबह लगभग 8.30 बजे हमें इस बड़ी दुर्घटना की खबर मिली। अब तक हमारे पास 14 मरीज आ चुके हैं। इनमें से 5 को फ्रैक्चर हैं, जिनमें पसलियों और कूल्हे का फ्रैक्चर शामिल है। एक मरीज की नाक से खून भी बह रहा है। हमने तुरंत उनका इलाज शुरू कर दिया है। अब लगभग सभी की हालत स्थिर है।

पीएम मोदी ने जताया दुख, मुआवजे का एलान :

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुए सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में कई लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुए हादसे में जान गंवाने वालों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने हादसे पर जताया शोक :

रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल में हुए सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, सीएम ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। रेवंत रेड्डी ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया है कि बस हादसे में घायल सभी लोगों को तुरंत हैदराबाद लाया जाए और उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि हादसे से जुड़ी पूरी जानकारी समय-समय पर उन्हें दी जाए। मुख्यमंत्री ने मौजूद मंत्रियों को भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचने के लिए कहा है ताकि राहत कार्यों की निगरानी की जा सके।

>14

1 लाख करोड़ की स्कीम लॉन्च

मोदी बोले- भारत तकनीक से बदलाव लाने का लीडर

हमारे पास सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के बने भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी) 2025 में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर&डी) इकोसिस्टम को बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपये की रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) स्कीम फंड लॉन्च किया।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का कन्ज्यूमर नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का पायोनियर बन गया है। दुनिया का सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रकचर भारत के पास है। ईएसटीआईसी 2025 कॉन्क्लेव 5 नवंबर तक चलेगा। इसमें एजुकेशन, रिसर्च, उद्योग से जुड़े 3,000 से ज्यादा प्रतिभागी, नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल हो रहे हैं।

जब विज्ञान का पैमाना मिलता है, जब नवाचार समावेशी हो जाता है, जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है। हम रिसर्च को आसान बनाने पर फोकस कर रहे हैं ताकि भारत में नवाचार का एक मॉडर्न इकोसिस्टम डेवलप हो सके। आज भारत के पास दुनिया का सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर है। भारत एथिकल और ह्यूमन सेंट्रिक एआई के लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क को आकार दे रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, विचार-विमर्श 11 प्रमुख सेक्टरों पर केंद्रित होगा। इसमें एडवांस मैटेरियल्स एंड मैन्युफैक्चरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायो-मैन्युफैक्चरिंग, ब्लू इकॉनमी, डिजिटल कम्युनिकेशन शामिल हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, उभरती एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी, एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट, हेल्थ एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी, क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी और स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी चर्चा की जाएगी।

ईएसटीआईसी 2025 में प्रमुख वैज्ञानिकों की पैनल चर्चाएं, प्रस्तुतियां और टेक्नोलॉजी प्रदर्शन होंगे, जो भारत के साइंस और टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए शोधकर्ताओं, उद्योग और युवा इनोवेटर्स के बीच सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बोले- नेतृत्व परिवर्तन पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम

बेंगलूरू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि राज्य के नेतृत्व में अगर कोई संभावित बदलाव होगा तो उसे लेकर आखिरी फैसला कांग्रेस आलाकमान लेगा। उन्होंने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में दूसरों की बात का तब तक कोई महत्व नहीं है जब तक पार्टी इस पर कुछ न कहे।

डीके शिवकुमार से जुड़े एक सवाल के जवाब में सिद्धारमैया ने कहा, लोग बातें कर सकते हैं, लेकिन आलाकमान कौन है? क्या सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बारे में कुछ कहा है? लोगों से ज्यादा, आप ही इस बारे में बात कर रहे हैं। आलाकमान को फैसला करना है। पार्टी आलाकमान के अलावा, इस मामले पर दूसरों के बोलने का कोई महत्व नहीं है। बिहार विधानसभा चुनावों पर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, बेंगलुरू में बहुत से बिहारी हैं। हम उनसे वोट देने का अनुरोध करेंगे। सत्ता विरोधी लहर के साथ-साथ भाजपा का कथित भ्रष्टाचार और कुशासन निर्णायक कारक होंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में अत्यधिक गरीबी और मज़बूत अल्पसंख्यक वोट बैंक आगामी चुनावों में गठबंधन के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करते हैं।

फैमिली बिजनेस बन गया है

राहुल, प्रियंका का नाम लेकर थरूर का परिवारवाद पर सीधा हमला

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और केरल के तिरुवनंतपुरम से पार्टी सांसद शशि थरूर ने देश में परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति पर जोरदार हमला बोल दिया है। उन्होंने कहा है कि भारतीय राजनीति को पारिवारिक व्यवसाय बनाकर रख दिया गया है। उन्होंने एक आर्टिकल लिखा है, जिसमें सीधे तौर पर गांधी-नेहरू परिवार का नाम भी लिया गया है। उन्होंने आर्टिकल में इस मामले को लेकर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और बीएसपी चीफ मायावती का भी जिक्र किया है और कहा है कि सीधा वारिस नहीं मिला तो इन नेताओं ने भतीजे को ही पार्टी की कमान सौंप दी है।

परिवारवाद भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा :

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 'इंडियन पॉलिटिक्स आर ए फैमिली बिजनेस' शीर्षक से एक आर्टिकल लिखा है, जिसमें देश की राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद को भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा बताया है। प्रोजेक्ट सिंडिकेट पर प्रकाशित इस आर्टिकल में थरूर ने कहा है कि वंशवाद की राजनीति ने इस विचार को पक्का कर दिया है कि नेतृत्व करना जन्मसिद्ध अधिकार हो सकता है।

पद को खानदानी विरासत समझ लिया जाता है :

थरूर ने लिखा है, यह विश्वास कि राजनीतिक परिवारों के लोग ही नेतृत्व करने के लिए सबसे सही हैं, यह बात गांव की पंचायतों से लेकर संसद के सबसे ऊंचे स्तर तक, भारत की शासन व्यवस्था में गहराई से शामिल है। लेकिन, जब चुने हुए पद को खानदानी विरासत समझ लिया जाता है, तो शासन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता ही है।

यही नहीं, उन्होंने इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस की राजनीति पर भी सीधा हमला बोल दिया है। उनका कहना है कि दशकों तक एक परिवार ने भारत की राजनीति पर हावी रहा है।

जरूरतमंद बच्चों को दिए जाएंगे जूते

सीजेआई पर अटैक के बाद शुरू हुआ अभियान

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अदालती कार्यवाही के दौरान पिछले महीने एक वकील ने कथित तौर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंक दिया था। इसके कुछ सप्ताह बाद, गुजरात के एक मानवाधिकार समूह ने 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक जूता दान अभियान की योजना बनाई है। अभियान के अनुसार, जिन लोगों को आरक्षण से लाभ हुआ है वे स्कूली छात्रों को जूते वितरित करेंगे।

पिछले महीने, राकेश किशोर नाम के एक वकील ने अदालती कार्यवाही के दौरान न्यायमूर्ति गवई पर कथित तौर पर जूता फेंका था। नवसर्जन समूह अपने सहयोगी संगठनों- दलित शक्ति केंद्र और दलित फाउंडेशन के साथ मिलकर गुजरात और अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जरूरतमंद छात्रों को लगभग 5000 जोड़ी जूते दान करने की योजना बना रहा है।

धोखाधड़ी वाले कॉल का खेल होगा खत्म

अब स्क्रीन पर दिखेगा कॉल करने वाले का नाम, 31 मार्च से शुरू होगी ये सेवा

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अब मोबाइल पर कॉल करने और रिसीव करने का अनुभव पूरी तरह बदलने जा रहा है। जल्द ही जब कोई आपको कॉल करेगा, तो उसके नंबर के साथ उसका नाम भी आपकी स्क्रीन पर नजर आएगा। टेलीकॉम कंपनियों ने इस नई सेवा का परीक्षण शुरू कर दिया है और उम्मीद है कि मार्च 2026 तक यह सुविधा देशभर में लागू हो जाएगी। विभाग द्वारा यह नई सुविधा उपभोक्ताओं की सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से लाई जा रही है।

दूरसंचार विभाग के सूत्रों के अनुसार, कुछ टेलीकॉम कंपनियों ने हरियाणा सर्किल में सीएनएपी सेवा का पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर दिया है। बाकी कंपनियां भी जल्द इसी सर्किल में परीक्षण करेंगी। विभाग ने सभी कंपनियों को इस सुविधा की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए हैं। पायलट प्रोजेक्ट के दौरान कंपनियों को हर हफ्ते इसकी प्रगति रिपोर्ट सरकार को भेजनी होगी। सरकार इन्हीं रिपोर्ट्स के आधार पर तकनीकी या नेटवर्क से जुड़ी समस्याओं को हल करेगी। नई सुविधा के तहत कॉल करने वाले का नाम रिसीवर के मोबाइल पर दिखाई देगा। इससे यूजर को कॉल उठाने से पहले ही पता चल जाएगा कि कौन कॉल कर रहा है। यह कदम फर्जी कॉल्स, स्पैम और ऑनलाइन धोखाधड़ी पर रोक लगाने में मदद करेगा।

दूरसंचार विभाग का कहना है कि सफल परीक्षण के बाद यह सेवा देशभर में चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी। लक्ष्य है कि 31 मार्च 2026 तक इसे पूरी तरह लागू किया जाए।

ट्राई ने फरवरी 2024 में सिफारिश की थी कि यह सेवा केवल इच्छुक उपभोक्ताओं को ही दी जाए। लेकिन अब ट्राई और विभाग दोनों इस बात पर सहमत हैं कि इसे सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। हालांकि, यह सुविधा सिर्फ 4जी और 5जी नेटवर्क वाले मोबाइल्स पर ही काम करेगी, क्योंकि 2जी और 3जी नेटवर्क में तकनीकी सीमाएं हैं। टेलीकॉम विभाग के सूत्रों का कहना है कि इस तकनीक से फर्जी कॉल्स, ठगी और साइबर अपराधों पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। अक्सर उपभोक्ताओं को अज्ञात नंबरों से कॉल आती हैं, जिनके जरिए बैंक फ्रॉड या निजी जानकारी चोरी की जाती है। सीएनएपी लागू होने के बाद ऐसे मामलों में कमी आने की उम्मीद है। यह सेवा मोबाइल उपयोगकर्ताओं के भरोसे को बढ़ाएगी और भारत के टेलीकॉम नेटवर्क को और अधिक सुरक्षित व पारदर्शी बनाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह फीचर मोबाइल यूजर्स की सुरक्षा और डिजिटल पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक अहम पहल है।

'फिर पेशी होगी, अगर...'

आवारा कुत्तों के मामले पर राज्यों के मुख्य सचिव को दी गई हिदायत, 7 नवंबर को फैसला

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई की। इस दौरान पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के मुख्य सचिवों को छोड़कर बाकी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव मौजूद रहे। कोर्ट ने इस दौरान कहा कि वह 7 नवंबर को मामले में फैसला देगा।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजनिया की तीन जजों वाली विशेष बेंच ने दर्ज किया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव अदालत में मौजूद हैं। हालांकि, केरल के मुख्य सचिव की जगह प्रधान सचिव पहुंचे थे, जिसे लेकर आवेदन को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इस दौरान बेंच ने आंध्र प्रदेश की ओर से पेश वकील से पूछा कि पिछली सुनवाई की तारीख पर अनुपालन हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया गया।

कोर्ट ने इस मामले में पशु कल्याण विभाग (एनिमल वेलफेयर बोर्ड) को भी वादी बनाए जाने को कहा। इस बीच सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि अधिकांश राज्यों ने अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल कर दिए हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में 7 नवंबर को फैसला सुनाने की बात कही और आदेश दिया कि इस तारीख को मुख्य सचिवों की सशरीर पेशी जरूरी नहीं होगी। हालांकि, कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि अगर उसके आदेश के अनुपालन में कोई कमी की जाती है तो वह फिर से मुख्य सचिवों को पेशी के लिए बुला सकता है।

3 हजार करोड़ की साइबर ठगी चौंकाने वाली : सुप्रीम कोर्ट

सख्त कार्रवाई जरूरी, सरकार ने कहा- गृह मंत्रालय की यूनिट इस पर काम कर रही

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देशभर में डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर नाराजगी जताई। सरकार ने कोर्ट में साइबर फ्रॉड से जुड़े आंकड़े पेश कर बताया कि देशभर में पीड़ितों से करीब तीन हजार करोड़ रुपये की ठगी हुई है।

जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि इस मामले में सख्ती से निपटाना होगा। यह बेहद चौंकाने वाला है कि देशभर में लोगों से 3 हजार करोड़ रुपये का साइबर फ्रॉड हुआ है। बेंच ने कहा कि मामले में जल्द दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। कोर्ट ने 27 अक्टूबर को हुई पिछली सुनवाई में सभी राज्यों से डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी एफआईआर की जानकारी मांगी थी। साथ ही कोर्ट ने पूछा था कि क्या सीबीआई के पास इन मामलों की जांच के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।

गृह मंत्रालय और सीबीआई ने इस पर सीलबंद रिपोर्ट पेश की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि मंत्रालय में एक अलग यूनिट इस मुद्दे पर काम कर रही है। कोर्ट ने कहा कि मामले में अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी।

दरअसल, हरियाणा के अंबाला जिले में बुजुर्ग दंपति से 3 से 16 सितंबर के बीच 1.05 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी। दंपती को सुप्रीम कोर्ट के जजों के फर्जी साइन और जांच एजेंसियों के नकली आदेश दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया गया था। पीड़ित ने 21 सितंबर को सीजेआई बीआर गवई को चिट्ठी लिखकर पूरी बात बताई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद मामले में एक्शन लिया था।

डिजिटल अरेस्ट मामले में सीबीआई जांच पर विचार :

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह इन मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को देने पर विचार कर रहा है। हालांकि, पूरा मामला सीबीआई को सौंपने से पहले कोर्ट राज्य सरकारों का पक्ष सुनेगी। सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया था कि इस तरह के कई साइबर अपराध म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों से चल रहे हैं, जहां से अपराधी भारतीयों को टारगेट करते हैं।

मेहता ने कहा था- कुछ लोगों को विदेश में नौकरी का लालच देकर ले जाया जाता है और वहां उनसे ऑनलाइन ठगी करवाकर पैसे कमाए जाते हैं। इन इलाकों को स्कैम कंपाउंड्स कहा जाता है, जहां लोग मानव दासों की तरह काम करने को मजबूर होते हैं।

बेंच ने कहा था कि सीबीआई पहले से ही कुछ ऐसे मामलों की जांच कर रही है और जल्द ही कोर्ट को अपनी जांच योजना सौंपेगी। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि क्या सीबीआई के पास पर्याप्त तकनीकी और मानव संसाधन हैं

'अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौता दर्दनाक अनुभव बना'

कांग्रेस ने ट्रंप का नाम लेकर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। दरअसल, ट्रंप ने एक बार फिर एक इंटरव्यू में दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को व्यापार के जरिए रोका था। पार्टी ने कहा कि अमेरिका के साथ होने वाला संभावित व्यापार समझौता अब भारत के लिए एक दर्दनाक अनुभव बन गया है।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा, एक समय कहा गया था कि भारत नवंबर 2025 में क्वॉड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत का समूह) के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, लेकिन अब वह नहीं हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, एक समय यह भी कहा गया था कि अमेरिका के साथ सबसे पहले व्यापार समझौता करने वालों में भारत होगा।

वाईएसआरसीपी नेता जोगी रमेश नकली शराब मामले में गिरफ्तार

जगन बोले- बदले की कार्रवाई कर रहे सीएम चंद्रबाबू

अमरावती, 3 नवंबर (एजेंसियां)। वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता जोगी रमेश और उनके भाई जोगी रामू को गिरफ्तार किया गया है। उन पर आंध्र प्रदेश में कथित तौर पर नकली शराब बनाने और उसे बेचने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को रविवार सुबह आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें देर रात स्थानीय अदालत में पेश किया गया।

रिमांड रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों को आंध्र प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1968 और आंध्र प्रदेश निषेध अधिनियम, 1995 तथा कई अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारियां राज्य में कई स्थानों पर सुव्यवस्थित नकली शराब निर्माण, वितरण और बिक्री की जब्ती के बाद की गईं। इस बीच, वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने रमेश की गिरफ्तारी को लेकर मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायुडू यह कदम अवैध तरीके से बदला लेने के लिए उठा रहे हैं।

जगन ने आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायुडू के लोगों को नकली शराब फैक्ट्रियों का पर्दाफाश होने के बाद रंगे हाथों पकड़ा गया।

ऐसे में अब वे सत्ता का दुरूपयोग करते हुए विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए बेशर्म साजिशों का सहारा ले रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा जब्त की गई नकली शराब नायुडू सरकार के करीबी लोगों की थी, जिनमें तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के विधायक उम्मीदवार भी शामिल थे। जगन ने कहा कि शराब निजी दुकानों, बेल्ट शॉप (अवैध शराब की दुकानों) और नायडू के संरक्षण में टीडीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित परमिट पर बेची जा रही थी।

उन्होंने आगे दावा किया कि शराब मामले की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) पूरी तरह से नायुडू के आदेश पर काम करता है और उससे आरोपों की निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं की जा सकती।

रेड्डी ने आरोप लगाया कि सरकार ने हाल ही में कासीबुग्गा मंदिर में हुई भगदड़ से ध्यान हटाने के लिए यह गिरफ्तारी की है, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी।

सीने में दो गोलियां मारकर युवक की हत्या

मेरठ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। गांव अगवानपुर में दो गोलियां मारकर युवक की हत्या कर दी गई। गांव के बाहर जंगल में शव पड़ा मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि शव के पास तड़के तीन युवक देखे गए थे। थाना परीक्षितगढ़ के गांव अगवानपुर निवासी राहुल (28) पुत्र टेकचंद 8 बजे अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने तलाश करने के बाद तड़के सुबह तीन बजे चितमान चौकी पर गुमशुदगी की तहरीर दी।

सुबह करीब साढ़े पांच बजे राहुल का गोली लगा शव खुटी अगवानपुर संपर्क मार्ग पर पड़ा मिला। इसके बाद सैकड़ों ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष विजय कुमार राय शव को मोर्चरी भेजने लगे। ग्रामीणों ने मुआवजे और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव नहीं उठने दिया। एसपी देहात अभिजीत कुमार के समझाने पर ग्रामीण शांत हुए, जिसके बाद शव पोस्टमार्टम को भेज दिया गया।

खुद को आईआरएस अधिकारी बताकर मुख्यमंत्री के कमरे तक पहुंचा जालसाज, हुआ गिरफ्तार

लखनऊः, 3 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक जालसाज ने खुद को आईआरएस अधिकारी बताकर सीएम के कमरे तक पहुंचने की कोशिश की। हालांकि शक होने पर जब उससे पूछताछ की गई तो वह पकड़ा गया और उसके पास से फर्जी पहचान पत्र भी बरामद किया गया।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा विभूतिखंड के होटल मैरियट में ठहरे थे। ऐसे में दिल्ली के शकरपुर का रहने वाला प्रशांत मोहन नाम का जालसाज खुद को आईआरएस अफसर बातकर मुख्यमंत्री के कमरे तक पहुंच गया। शक होने पर जांच हुई तो उसके पास से फर्जी आईडी कार्ड, फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किया गया। इसके बाद उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

बीजेपी का पूर्व पदाधिकारी, अब हत्यारा

जिसे प्यार में चुना, उसी ने लोहे की रॉड से खत्म कर दी रोशनी की जिंदगी

हमीरपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हमीरपुर के मौदहा कोतवाली के कम्हरिया गांव में भोर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मोइनुद्दीन ने पत्नी रोशनी (27) की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद वह घर में दो वर्षीय मासूम बेटे को रोता-बिलखता छोड़कर भाग गया। रोशनी की मां इशरत बानो ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। देर शाम पुलिस ने मोइनुद्दीन को मुटनी गांव के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में पड़ोसियों ने बताया कि मोइनुद्दीन शराब का आदी था।

अक्सर शराब पीकर रोशनी से विवाद करता था। आशंका है कि शराब के नशे में विवाद के बाद हत्या की गई हो। कम्हरिया गांव निवासी कमरुद्दीन ने बताया कि मोइनुद्दीन के फूफा रायपुर निवासी यूसुफ अली ने फोन पर उन्हें रोशनी की मौत की जानकारी दी। वह घर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था और किसी के रोने की आवाज आ रही थी। आसपास के लोगों और कोतवाली प्रभारी उमेश यादव, सीओ सदर राजेश कमल की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। कमरे में रोशनी का शव पड़ा था। बगल में दो वर्षीय बेटा असद रो रहा था। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि रोशनी की हत्या उसके पति मोइनुद्दीन ने ही की है। रोशनी की मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। रोशनी की यह दूसरी शादी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टा वाले बयान पर तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया, जैसी सोच वैसी भावना

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टा वाले बयान पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। सोमवार (03 नवंबर, 2025) को पत्रकारों ने तेजस्वी यादव से पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि कट्टा के बल पर आपने खुद को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कराया है। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि जिसकी जैसी सोच है उसकी वैसी भावना है। पीएम मोदी पर हमला करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, ।।।हो सकता है कि औरों को गठबंधन में जोड़ने के लिए उन्होंने कट्टा लगाया होगा।

हमें इस पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है, लेकिन प्रधानमंत्री की भाषा सुनिए। आज तक हमने किसी प्रधानमंत्री की ऐसी भाषा नहीं देखी है।।। तेजस्वी

यादव ने मीडिया से कहा कि गुजरात में जाएंगे तो फैक्ट्री की बात करेंगे, सेमीकंडक्टर फैक्ट्री की बात करेंगे। आईटी पार्क की बात करेंगे। बिहार आएंगे तो कट्टे की बात करेंगे? प्रधानमंत्री कैसी बात करते हैं?

प्रधानमंत्री ने क्या कहा है?

पीएम मोदी ने रविवार को भोजपुर और नवादा में रैलियां कीं और शाम को पटना में विशाल रोड शो किया। मोदी ने आरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस आरजेडी नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं बनाना चाहती थी, लेकिन आरजेडी ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रख कर सीएम पद चोरी कर लिया। पीएम मोदी के इसी बयान पर तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। दूसरी ओर तेजस्वी यादव ने सोमवार (03 नवंबर, 2025) को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में एक सवाल पर कहा, इसमें कौन सी चौंकाने वाली बात है?

आप सब लोग जान रहे हैं कि बीजेपी के लोग नीतीश कुमार को बिहार का मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। बता दें कि तेजस्वी यादव राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से आरजेडी के उम्मीदवार हैं। लगातार वे अपने गठबंधन के साथियों के लिए धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। आज (सोमवार) भी वे करीब 15 जनसभाओं को संबोधित करने वाले हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को है। ऐसे में प्रचार के लिए अब बहुत कम समय है।

अनंत सिंह को जेल में नहीं मिलेंगी विशेष सुविधाएं किसी से मुलाकात पर भी लगी पाबंदी

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मोकामा के बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह को दुलारचंद यादव हत्याकांड के आरोप में पटना के बेऊर जेल में विशेष सुरक्षा में रखा गया है। उन्हें शनिवार आधी रात गिरफ्तार किया गया था और रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। जेल में अनंत सिंह से मुलाकात पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। जेल के एक अधिकारी ने नाम न लिखने की शर्त पर बताया कि पूर्व विधायक अनंत सिंह जेल मैनुअल के अनुसार उच्च श्रेणी बंदी की श्रेणी में नहीं आते हैं। इसलिए उन्हें उच्च श्रेणी बंदी के तहत मिलने वाली विशेष सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। अधिकारी का कहना है कि अनंत सिंह को एक पूर्व विधायक के तौर पर सरकार के जेल मैनुअल के अनुसार ही सुविधाएं मिलेंगी, कोई विशेष सुविधा नहीं दी जाएगी।

सोमवार सुबह उनकी दिनचर्या की शुरुआत चाय से हुई। जेल सूत्रों के मुताबिक, उन्हें उच्च श्रेणी बंदी को मिलने वाले 2 सेवादार उपलब्ध कराए गए हैं, जो उनके लिए खाना बनाने और अन्य दैनिक कार्यों में मदद करेंगे। सोमवार सुबह उनकी मेडिकल जांच भी की गई थी, जिसमें ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और पल्स सहित सभी सामान्य जांचें सामान्य पाई गईं। जेल में रहने के कारण उनके चुनाव परिणामों पर क्या असर पड़ेगा, यह चुनाव परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

बाबू एक्सट्रीमिस्ट को अंग्रेजी में लिखकर बताओ

तेजस्वी यादव पर क्यों बुरी तरह भड़क गए ओवैसी?

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में आरोप-प्रत्यारोप और बयानबाजी का दौर तेज है। महागठबंधन की तरफ से एनडीए और एनडीए की तरफ से महागठबंधन पर तीखी बयानबाजी की जा रही है। इस बीच पूरे मामले में अब एआईएमआईएम की भी एंट्री हो चुकी है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा तेजस्वी ने मुझे एक्सट्रीमिस्ट कहा है, अब उनसे इतना ही कहूंगा कि बाबू ये शब्द वे अंग्रेजी में लिख दें। चुनाव से पहले ऐसा कहा जा रहा था कि महागठबंधन में इस बार ओवैसी की एआईएमआईएम की भी एंट्री हो सकती है। हालांकि ऐसा हो नहीं पाया है।

इसी को लेकर जब एक इंटरव्यू में तेजस्वी से सवाल किया गया कि असदुद्दीन ओवैसी को महागठबंधन में शामिल क्यों नहीं किया गया? तेजस्वी यादव ने इस सवाल पर कहा कि ओवैसी एक्सट्रीमिस्ट है। ओवैसी ने इस बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि तेजस्वी से पूछता हूं। बाबू एक्सट्रीमिस्ट को तुम जरा अंग्रेजी में लिख के बता दो। वह मुझे एक्सट्रीमिस्ट कहते हैं क्योंकि मैं गर्व के साथ अपने धर्म का पालन करता हूं।" ओवैसी ने कहा कि मुझे एक्सट्रीमिस्ट इसलिए कहता है क्योंकि मेरे चेहरे पर दाढ़ी है। मेरे सिर पर टोपी है। मैं नमाजी हूं। मैं अल्लाह की इबादत करता हूं। मैं किसी के आगे सिर नहीं झुकाता हूं। मैं किसी को मानता नहीं हूं सिवाय अपने रब के, मेरी बेटी और बीबीयां हिजाब करती हैं। मैं अपने मजहब पर फक्र से चलता हूं। इसलिए मुझे एक्सट्रीमिस्ट कहा जाता है और ये करने से एक्सट्रीमिस्ट कहा जाता है तो मुझे फक्र है।

जमीन पर सुलाने का काम करेगी जनता- ओवैसी

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर असदुद्दीन ओवैसी लगातार एक्टिव बने हुए हैं। यही वजह है कि वे ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने बीते दिन किशनगंज में एक जनसभा को संबोधित किया था। उन्होंने तेजस्वी पर हमला बोलते हुए कहा कि आसमान पर उड़ने वाले जमीन पर आते हैं। तुम्हें सीमांचल की जनता जमीन पर सुलाने का काम करेगी।

ट्रक से टकराई कार तीन की मौके पर मौत

हाजीपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के हाजीपुर में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा औद्योगिक थाना क्षेत्र के नाईपर के पास सुबह करीब 4 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार लग्जरी कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक में जा घुसी। बताया जा रहा है कि सभी लोग बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान चैनल के एग्जिट पोल के लिए काम करने आए थे।

जानकारी के अनुसार, जंदाहा की ओर से हाजीपुर जा रही लग्जरी कार ने सड़क किनारे गलत दिशा में खड़ी 16 पहिए वाली ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

विधानसभा चुनाव 2027 के लिए शिवपाल सिंह ने कही ऐसी बात, खुशी से झूम गए कार्यकर्ता

लखनऊ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं जसवंतनगर विधायक शिवपाल सिंह यादव दहगवां चौराहे पर एक होटल एवं मैरिज होम का उद्घाटन करने पहुंचे। यहां उन्होंने कहा, कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी का कब्जा होगा। जनता भाजपा की नीतियों से त्रस्त है और अब बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कुछ अधिकारी और नेता किसानों की जमीन हड़पने में लगे हुए हैं।

ऐसे लोगों के नाम नोट कर लिए गए हैं। समय आने पर ब्याज सहित सब कुछ वापस लिया जाएगा। शिवपाल बोले- भाजपा सरकार में कुछ अधिकारी और नेता किसानों की जमीन हड़पने में लगे दहगवां चौराहे पर एक होटल एवं वेंकट का उद्घाटन के बाद सहसवान विधायक बृजेश यादव ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव का जोरदार

स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस होटल व मैरिज हाल से ग्रामीणों को काफी सुविधा मिलेगी। पहले लोग बैलगाड़ी और ट्रैक्टर से बरात लेकर जाते थे, रास्ते कच्चे होने के कारण काफी दिक्कतें आती थीं, लेकिन अब यह समस्या दूर हो जाएगी। इस दौरान सपा सांसद आदित्य यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव हमने मजबूती से लड़ा और जनता ने हमारा साथ दिया। अब विधानसभा चुनाव में भी कार्यकर्ता एकजुट होकर मैदान में उतरें। हवा में नहीं, जमीन पर उतरकर चुनाव लड़ें।

बीजेपी एमपी अरुण गोविल को क्यों चाहिए 25 करोड़? सांसद निधि से नहीं हो रहे काम

मेरठ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद निधि को लेकर मेरठ हापुड़ लोकसभा सीट के सांसद अरुण गोविल ने बड़ा बयान दिया है। लोकसभा सांसद ने मांग की है कि सांसदों की निधि बढ़नी चाहिए। अरुण गोविल ने सांसदों की दी जाने वाली निधि को बहुत कम माना है और कहा है कि इसे पांच करोड़ से बढ़ाकर पच्चीस करोड़ कर देनी चाहिए मेरठ हापुड़ लोकसभा सीट के सांसद अरुण गोविल ने आज सांसद निधि के ज़रिए 2024-25 में कराए गए कार्य का लोकार्पण किया।

लोकार्पण के दौरान उन्होंने सभी कार्यों का पूरा ब्योरा भी दिया और बताया कि कहां कितना करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसके अलावा उन्होंने बिहार चुनाव और एसआईआर पर भी टिप्पणी की हैं। एसआईआर पर सांसद ने कहा कि सबकी जांच होनी चाहिए, मेरा भी वोट देखना चाहिए। सांसद अरुण गोविल ने बताया कि तीन करोड़ छियासी लाख बयासी हज़ार (38682000) से सड़कें बनवाई हैं, बाकी तीस लाख सतहत्तर हजार (3070000) की लागत से लाइट लगाई गई हैं। सांसद ने 67 कार्यों के लोकार्पण के दौरान ये ब्योरा दिया है। सांसद अरुण गोविल ने फीता काटकर कार्यो का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पांच करोड़ से बढ़ाकर सांसद निधि पच्चीस करोड़ करनी चाहिए, उन्होंने कहा कि एक विधायक की भी निधि पांच करोड़ है, सांसद की भी पांच करोड़ हैं।

कई जिलों और ब्लॉकों में सर्वाधिक डुप्लीकेट मतदाता बड़े पैमाने पर दोहराव से उठ रहे हैं सवाल

लखनऊ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत, वाराणसी, बिजनौर और हापुड़ जैसे जिलों में मतदाता सूची में एक ही नाम दो से तीन बार दर्ज होने का मामला सामने आया है। स्थिति का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में 97027 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दो से तीन बार हैं। ऐसे ही स्थिति वाराणसी के आराजीलाइंस व पिंडरा, गाजीपुर के सैदपुर व सादात, जौनपुर के शाहगंज सोंधी, बिजनौर के नजीबाबाद और हापुड़ के हापुड़ विकास खंडों में मिली है। यह स्थिति त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदाता सूचियों में मिली है। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों का भी मानना है कि इन वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने के लिए भी बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा, जो किसी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से कम नहीं होगा।

'यूपी जैसी सड़कें बनेंगी, 500 रुपये में गैस सिलेंडर' बिहार की जनता से अखिलेश यादव का वादा

छपरा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के लिए प्रचार कर रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख अखिलेश यादव ने सराय रंजन, सीतामढ़ी और छपरा में ताबड़तोड़ जनसभाएं कीं। उन्होंने सराय रंजन से राजद प्रत्याशी अरविंद साहनी, सीतामढ़ी से सुनील कुशवाहा और छपरा से खेसारी लाल यादव के समर्थन में वोट करने की अपील की। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने बिहार को केवल गरीबी, बेरोजगारी और पलायन का दर्द दिया है। उन्होंने कहा, "केंद्र में भाजपा 11 साल से और बिहार में मुख्यमंत्री 20 साल से हैं, फिर भी युवाओं को नौकरी नहीं मिली। इस बार जनता हिसाब लेगी।"

छपरा के लोग इस बार छप्पर फाड़ कर खेसारी को जिताएंगे- अखिलेश यादव

उन्होंने कहा कि अब जनता सरकार को बाहर का रास्ता दिखाने वाली है। छपरा में खेसारी लाल यादव के समर्थन में बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि छपरा के लोग इस बार छप्पर फाड़ कर खेसारी को जिताएंगे। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे और नौजवानों को नौकरी, माताओं-बहनों को 2500 रुपए महीना, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 रुपए में सिलेंडर देंगे।

यूपी-बिहार को दिल्ली से जोड़ेंगे- अखिलेश यादव

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा झूठ बोलने और धोखा देने वाली पार्टी है। हर चुनाव में वादे बदलते हैं, लेकिन जनता अब उनके छलावे में नहीं आने वाली है। भीड़ से मिले अभूतपूर्व समर्थन पर अखिलेश ने कहा कि जब तेजस्वी बिहार में सड़कें बनाएंगे तो सपा यूपी में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी सड़कें जोड़ेगी। हम छपरा को लखनऊ से जोड़ेंगे और तेजस्वी यादव पटना से। मिलकर यूपी-बिहार को दिल्ली से जोड़ेंगे।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के लिए जल्द शुरू होगा भूमि अधिग्रहण

मथुरा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मथुरा के वृंदावन स्थित विश्वविख्यात ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने मंदिर के प्रस्तावित गलियारे के निर्माण कार्य को पुनः प्रारंभ करने के लिए 12 सदस्यीय उप समिति का गठन किया है। इस उप समिति की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित समिति के सदस्य और सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश मुकेश मिश्रा करेंगे।

उच्चतम न्यायालय ने मंदिर के दैनिक कार्यों और व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए अपने आदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक कुमार की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया था।

समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने बताया कि समिति ने श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए कार्य आरंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब प्रस्तावित गलियारे का निर्माण कार्य फिर से शुरू किया जाएगा। जल्द ही इस दिशा में बड़े कदम उठाए जाएंगे। न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने बताया कि

इसके लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने 12 सदस्यीय उप समिति का गठन किया है, जो गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करेगी, जिसके बाद कॉरिडोर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

श्रद्धालुओं का आवागमन होगा सुविधाजनक

उन्होंने बताया कि बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं में आमूल-चूल सुधार लाने के उद्देश्य से यह परियोजना राज्य के पुलिस महानिदेशक और सचिव स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है। इस परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उप समिति को सौंपी गई है। उप समिति में दो सेवायतों, जिला स्तरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, और राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया गया है, जो भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को पूर्ण करने की दिशा में कार्य करेंगे। बता दें कि बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर वृंदावन में एक प्रस्तावित योजना है। जो मंदिर के आसपास के क्षेत्र में बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि मंदिर में आने वाले भक्तों को सुविधा और आवागमन में और सुगम व बेहतर बनाया जा सके। इस कॉरिडोर में भक्तों के लिए साफ़ सुथरे रास्ते के साथ भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, दुकान व अन्य सुविधाओँ का प्रावधान होगा। इसके लिए मंदिर के आसपास भूमि अधिग्रहण करना होगा। जिसे लेकर वहां के लोगों द्वारा विरोध देखने को मिल रहा है।

सारण में स्पेशल ट्रेन की बोगी में लगी आग, स्टेशन पर मची अफरातफरी

सारण, 3 नवंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली से दरभंगा जा रही क्लोन स्पेशल ट्रेन (02570) सोमवार की सुबह एक बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गई। ट्रेन की एसी थ्री टियर कोच बी-7 में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना दाउदपुर रेलवे स्टेशन के समीप घटी, जहां सतर्क रेलकर्मियों और स्थानीय कर्मचारियों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

जानकारी के अनुसार, दाउदपुर स्टेशन के पास ट्रेन के गुजरते वक्त बी-7 कोच के पहिए में अचानक धुआं उठने लगा। वहां तैनात 62 सी गेटमैन ने धुआं और चिंगारी देखकर तुरंत स्टेशन मास्टर फिरोज खाना को इसकी सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने तत्परता दिखाते हुए कंट्रोल को सूचित किया और ट्रेन को दाउदपुर स्टेशन पर तत्काल रोकने का निर्देश दिया। ट्रेन को सुबह 7:42 बजे दाउदपुर स्टेशन पर रोका गया। आग बढ़ने से पहले ही रेलकर्मियों ने फायर एक्सटिंग्विशर और पानी की मदद से लपटों को काबू में कर लिया।

जैसे ही बोगी से धुआं उठता दिखा, यात्रियों में हड़कंप मच गया। लोग अपनी सीटें छोड़कर बाहर की ओर दौड़ पड़े। स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि रेलकर्मियों ने स्थिति को संभालते हुए यात्रियों को शांत कराया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद आग बुझाने का कार्य शुरू हुआ। स्थानीय लोगों और स्टेशन स्टाफ ने भी राहत कार्य में सहयोग दिया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पूरी तरह बुझा ली गई। रेलकर्मियों की तत्परता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

आग पर नियंत्रण के बाद ट्रेन को तकनीकी जांच के लिए कुछ समय स्टेशन पर खड़ा रखा गया। सभी कोचों की सुरक्षा जांच के उपरांत ट्रेन को सुबह 8:10 बजे दरभंगा के लिए रवाना किया गया। इस दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्टेशन पर पेयजल और सहायता कर्मियों की व्यवस्था की गई। रेल प्रशासन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बोगी के पहिए में ब्रेक बाइंडिंग या तकनीकी घर्षण हो सकता है। हालांकि, वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए जांच टीम गठित कर दी गई है।

दांत में था दर्द, हाथ में इंजेक्शन लगाते ही महिला की हो गई मौत

गाजीपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के गांव रेवतीपुर में एक महिला की इंजेक्शन लगने के बाद मौत हो गई। मृतका की पहचान 21 साल की रुचि यादव के रूप में हुई है, जिसकी 5 महीने पहले ही शादी हुई थी। अचानक उसके दांत में दर्द होने लगा। परिजन उसे डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने रुचि को इंजेक्शन लगाया। परिजन का आरोप है कि झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही के चलते ही रुचि यादव मौत हुई। महिला की मौत के बाद परिजन में चीख-पुकार मच गई। ऐसे में ग्रामीणों की भीड़ भी इकठ्ठा हो गई। घटना के बाद सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और परिजनों से पूछताछ के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गाजीपुर भेज दिया। अब पुलिस घटना की जांच में जुटी है। ससुराल वालों ने इस हादसे की जानकारी मायके वालों को दी तो उनमें भी कोहराम मच गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 4 नवंबर, 2025

सुविचार: दुनिया में हर इंसान अलग है इसलिए जो जैसा है उसे वैसा ही स्वीकार करना सीखे!

राज्य सरकार दुनिया की सबसे बड़ी एसएलबीसी सुरंग परियोजना का काम पूरा करेगी : रेवंत रेड्डी

जलमग्न मरलापाडु, केश्या टांडा के निवासियों की शिकायतों का समाधान करने का आश्वासन

मुख्यमंत्री ने हवाई विद्युत चुम्बकीय सर्वेक्षण का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि सरकार लंबे समय से लंबित दुनिया की सबसे बड़ी 40 किलोमीटर लंबी एसएलबीसी सुरंग परियोजना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार एसएलबीसी परियोजना के निकट स्थित जलमग्न मरलापाडु, केश्या टांडा और नक्कलगंडी बस्तियों के निवासियों को मुआवजा देगी और उनकी शिकायतों का समाधान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत 4600 करोड़ रुपये है और सरकार कृष्णा नदी से 30 टीएमसी पानी उठाकर 3 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर राजनीतिक कारणों से अपने 10 साल के शासनकाल में प्रतिष्ठित एसएलबीसी सुरंग का काम पूरा न करने का आरोप लगाया। एसएलबीसी परियोजना को 1983 में मंजूरी मिली थी। वाईएस राजशेखर रेड्डी सरकार ने 2004 में तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश में 1968 करोड़ रुपये की लागत से सुरंग-1 और सुरंग-2 का काम शुरू किया था। 2014 में केसीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद, काम रुक गया। केसीआर और हरीश ने जानबूझकर इस परियोजना को रोक दिया और नलगोंडा को गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से पानी की आपूर्ति करने की परियोजना में बाधाएं पैदा कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी सुरंग परियोजना शुरू नहीं की गई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर केसीआर सरकार ने यह काम पूरा किया होता तो यह परियोजना 2000 करोड़ रुपये में पूरी हो जाती।

आज, परियोजना की लागत बढ़कर 4500 करोड़ रुपये हो गई है। मुख्यमंत्री ने कृष्णा नदी पर एक भी परियोजना शुरू न करने और 10 वर्षों में ठेकेदारों पर 1.86 लाख करोड़ रुपये खर्च करने के लिए केसीआर की कड़ी आलोचना की। अकेले कालेश्वरम परियोजना पर 1.05 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी भविष्य में बिना किसी परेशानी के सुरंग खोदने के लिए सेना के अधिकारियों को शामिल करके एसएलबीसी कार्यों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुरंग की खुदाई के दौरान 8 श्रमिकों की मृत्यु हो गई और सरकार ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों की सहायता की। एसएलबीसी परियोजना को पूरा न करने के लिए लोगों ने बीआरएस सरकार को सत्ता से हटा दिया और अब हम युद्धस्तर पर काम शुरू कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर परियोजना पूरी नहीं हुई तो लोग हमें माफ नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कृष्णा नदी के पानी के उपयोग पर समझौता करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की भी आलोचना की। तत्कालीन सिंचाई मंत्री टी हरीश राव ने आंध्र प्रदेश के साथ केवल 299 टीएम पानी के उपयोग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। कांग्रेस सरकार ने इसे गंभीरता से लिया और राज्य के हितों की रक्षा के लिए न्यायाधिकरण के समक्ष मजबूत तर्क दिए। मुख्यमंत्री ने हरीश राव को पानी के मुद्दों पर घटिया टिप्पणियां और बकवास करना बंद करने की चेतावनी दी।

ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में तीन लोग गिरफ्तार

साइबर क्राइम पुलिस ने मोबाइल फोन और डेबिट कार्ड जब्त किए

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से तीन मोबाइल फोन और दो डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मदाथला रमेश रेड्डी (25), गांधी श्रीनु (31) और गुरपुकोंडा श्रीधर (43) के रूप में हुई है। तीनों आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए और उन्हें साइबर ठगों के साथ साझा किया। बदले में उन्हें प्रत्येक लेनदेन पर कमीशन मिलता था। साइबर क्राइम पुलिस ने बताया कि इन बैंक खातों का उपयोग धोखाधड़ी के शिकार लोगों से ठगे गए धन को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

लघु फिल्मों को बढ़ावा देने की आवश्यकता : जिष्णु देव वर्मा

राज्यपाल ने हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव के लोगो का अनावरण किया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को राज्यपाल दरबार हॉल में पहले हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव के लोगो का अनावरण किया। यह महोत्सव इस वर्ष 19 से 21 दिसंबर तक प्रसाद आईमैक्स में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक सी. उमा महेश्वर राव, हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव के मुख्य संरक्षक, लघु फिल्म महोत्सव के आयोजक दादा साहेब फाल्के स्कूल ऑफ फिल्म स्टडीज के प्राचार्य नंदन बाबू और तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम की कार्यकारी अधिकारी प्रियंका ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि लघु फिल्मों को बढ़ावा देने की बहुत आवश्यकता है।

राज्यपाल ने आयोजकों को इस स्तर पर एक अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव आयोजित करने के लिए बधाई दी, जबकि देश भर में कई फिल्म महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगो की प्रशंसा करते हुए इसे हैदराबाद की सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का भारतीय फिल्म उद्योग में एक विशेष स्थान है और उन्हें उम्मीद है कि इन लघु फिल्म समारोहों के माध्यम से शहर को एक नई पहचान मिलेगी। राज्यपाल ने लघु फिल्मों को देश के सामने मौजूद कई समस्याओं के बारे में बुनियादी समझ प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण साधन बनने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, तेलंगाना फिल्म विकास निगम की प्रबंध निदेशक प्रियंका ने कहा कि देश में पहली बार इस स्तर पर विशेष रूप से लघु फिल्मों के लिए तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है और ये लघु फिल्म समारोह आने वाले समय में हैदराबाद को अंतरराष्ट्रीय फिल्म परिदृश्य में एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म विकास निगम आने वाले समय में हैदराबाद को भारत में एक फिल्म केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है और हैदराबाद में देश में सबसे अधिक फिल्म स्क्रीन हैं।

यह बहुत खुशी की बात है कि तेलंगाना चिलाना चित्रा विकास निगम इस अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह के आयोजन में मुख्य भागीदार है और उन्होंने कामना की कि ये समारोह सफल हों। लघु फिल्म महोत्सव की मुख्य संरक्षक उमा महेश्वर राव ने कहा कि 19 से 21 दिसंबर तक चलने वाला यह लघु फिल्म महोत्सव तेलंगाना की संस्कृति को आधुनिक विश्व संस्कृति से जोड़ने का एक मंच होगा।

चावल मिल में बॉयलर फटने से मजदूर की मौत

पेड्डापल्ली, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तानाबाद मंडल के कटनापल्ली गांव के पास स्थित कनकदुर्गा राइस मिल में हुए बॉयलर विस्फोट में घायल मजदूर गंगारापु कुमार (44) की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। 29 अक्टूबर को मिल के बॉयलर में अचानक विस्फोट हो गया था, जिसमें कुमार और एक अन्य मजदूर कुमारस्वामी गंभीर रूप से झुलस गए थे। दोनों को तुरंत करीमनगर जिला मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा था, लेकिन रविवार दोपहर कुमार ने दम तोड़ दिया। कुमार की मौत से उनके परिवार में मातम छा गया है। वे दो बेटों और पत्नी के सहारे परिवार चला रहे थे। इस हादसे के बाद मजदूर संघों और स्थानीय लोगों ने मिल प्रबंधन और प्रशासन से मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने की मांग की है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है और मजदूरों में रोष देखा जा रहा है।

कपास खरीद सीमा घटाने के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

महबूबनगर जिले में सरकार और सीसीआई के खिलाफ नारेबाजी, सड़क जाम

महबूबनगर, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के गृह जिले पलामुरु के कपास किसानों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

किसानों का कहना है कि सरकार ने कपास की खरीद सीमा घटाकर उनकी आमदनी पर सीधा असर डाला है। महबूबनगर ग्रामीण मंडल के ओबुलयापल्ली गांव के किसानों ने सोमवार को रायचूर रोड पर जाम लगाकर सरकार और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों का आरोप है कि सीसीआई ने बिना किसी कारण बताए अचानक खरीद सीमा में बदलाव कर दिया।

शुरुआत में सीसीआई प्रति एकड़ 12 क्विंटल कपास खरीद रही थी, लेकिन अब सीमा घटाकर 10 क्विंटल कर दी गई है। किसानों ने कहा कि यह अचानक लिया गया फैसला अनुचित है और इससे उन्हें भारी नुकसान होगा। उन्होंने यह भी बताया कि सीसीआई अधिकारी स्लॉट बुकिंग और नमी की मात्रा को लेकर पहले से ही परेशान कर रहे हैं, अब इस नई सीमा ने स्थिति और बिगाड़ दी है।

इसी तरह, जोगुलम्बा गडवाल जिले में भी किसानों ने श्री वरसिद्धि विनायक मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया और मांग की कि सीसीआई पहले की तरह प्रति एकड़ 12 क्विंटल कपास खरीदे। उनका आरोप है कि कुछ स्थानों पर यह सीमा घटाकर सात क्विंटल कर दी गई है। प्रदर्शनकारी किसानों ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रतिनिधियों पर आरोप लगाया कि वे उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और इस फैसले से किसान भारी संकट में हैं।

शुल्क प्रतिपूर्ति जारी करने की मांग पर निजी कॉलेजों का प्रदर्शन

करीमनगर में कॉलेज प्रबंधन ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया

करीमनगर, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। निजी डिग्री और स्नातकोत्तर कॉलेजों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को तेलंगाना चौक पर विरोध प्रदर्शन किया और राज्य सरकार से लंबे समय से लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति राशि तुरंत जारी करने की मांग की। तेलंगाना प्राइवेट डिग्री एंड पीजी कॉलेज मैनेजमेंट एसोसिएशन (टीपीडीपीएमए) के बैनर तले जुटे कॉलेज प्रबंधनों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि जब तक सरकार उनका बकाया नहीं चुकाती, तब तक कॉलेज बंद रहेंगे।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार पिछले चार वर्षों से प्रतिपूर्ति की राशि जारी नहीं कर रही है, जिससे उन्हें गंभीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि इस कारण कर्मचारियों के वेतन, भवन किराया और अन्य खर्चों का भुगतान करना कठिन हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तुरंत सभी लंबित बिलों का निपटारा नहीं किया, तो वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे।

रेलवे महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में एससीआर के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। सुरक्षा समीक्षा के दौरान, संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंडलों को कर्मचारियों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और ट्रेन संचालन में सुधार के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग फाटकों पर विशेष सुरक्षा अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सर्दियों के मौसम में सुचारू ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए शीतकालीन तैयारी अभियान चलाने की सलाह दी। उन्होंने जोन में कोहरे से सुरक्षा उपकरणों के स्टॉक की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आगामी कोहरे के मौसम को देखते हुए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, सिग्नल एवं दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल सहित विभिन्न विभागों से संबंधित सुरक्षा कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने माल गोदामों में सीसीटीवी की व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की और कार्यों में और तेज़ी लाने के निर्देश दिए। श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने चालक दल के कार्य घंटों पर भी चर्चा की और अधिकारियों को विश्राम समय को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

त्योहारों के बीच शराब आपूर्ति संकट की आशंका

भुगतान में देरी से उद्योग में बढ़ी चिंता, 3,366 करोड़ रुपये बकाया

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना का मादक पेय उद्योग इस त्योहारी मौसम में गहरे संकट का सामना कर रहा है। प्रमुख उद्योग निकायों ने चेतावनी दी है कि राज्य सरकार द्वारा आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान में देरी के कारण शराब और बीयर की गंभीर कमी हो सकती है। इंटरनेशनल स्पिरिट्स एंड वाइन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, ब्रुअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज ने एक संयुक्त बयान में कहा कि अक्टूबर 2025 में बिक्री में भारी बढ़ोतरी के बावजूद भुगतान में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है।

उद्योग संगठनों ने बताया कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री सहित राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर मई से अगस्त 2024 के बीच की गई आपूर्ति के बकाये का निपटान जल्द करने का अनुरोध किया था। अधिकारियों ने भुगतान का आश्वासन दिया था, लेकिन स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। 15 अक्टूबर तक सरकार ने केवल 484.58 करोड़ रुपये जारी किए, जिनमें मई 2024 की आपूर्ति के लिए 350 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके बाद से कोई और भुगतान नहीं किया गया, जिससे कुल बकाया 3,366.21 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें से 1,959.72 करोड़ रुपये एक साल से अधिक समय से लंबित हैं। उद्योग ने आरोप लगाया कि सरकार ने अनुबंध के अनुसार 45 दिनों में भुगतान करने की अपनी प्रतिबद्धता का बार-बार उल्लंघन किया है। संगठनों ने सुझाव दिया कि सरकार नए शराब लाइसेंस से प्राप्त 3,000 करोड़ रुपये के शुल्क का कुछ हिस्सा बकाया भुगतान में लगाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 10 नवंबर तक भुगतान नहीं किया गया, तो आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे रोजगार, परिवहन और सहायक उद्योगों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर स्थिति नहीं सुधरी, तो इससे 'ब्रांड तेलंगाना' की छवि पर असर पड़ेगा और भविष्य में निवेशकों का विश्वास कमजोर हो सकता है।

खम्मम में शुरू हुआ "हर बच्चा पढ़ता है' कार्यक्रम

प्राथमिक छात्रों की अंग्रेजी पढ़ने की क्षमता बढ़ाने पर जोर

खम्मम, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने सरकारी स्कूलों के प्राथमिक छात्रों की अंग्रेजी पढ़ने की क्षमता सुधारने के उद्देश्य से "हर बच्चा पढ़ता है' कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर से शुरू हुआ है और प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक चलाया जा रहा है। यह एक बुनियादी अंग्रेजी ध्वन्यात्मकता (फोनेटिक्स) कार्यक्रम है, जिसके तहत शिक्षकों को छात्रों को सिखाने का निर्देश दिया गया है कि अंग्रेजी के प्रत्येक अक्षर से कौन-सी ध्वनि निकलती है। छात्रों को सरल शब्दों के माध्यम से ध्वनियों का अभ्यास कराया जा रहा है ताकि वे आसानी से पढ़ना सीख सकें।

कलेक्टर अनुदीप ने बताया कि कार्यक्रम के लिए विशेष अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, जिसमें हर दिन एक शिक्षक गतिविधि और एक छात्र गतिविधि शामिल है। शिक्षक कहानी सुनाने के माध्यम से बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करेंगे। इन कहानियों में वही शब्द शामिल किए गए हैं जिन्हें बच्चे उस दिन सीखते हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर कार्यक्रम के उद्देश्यों को समझाया गया है और उनसे छात्रों की पठन क्षमता में सुधार लाने के लिए मेहनत करने को कहा गया है। कलेक्टर ने कहा कि अंग्रेजी पठन कौशल हासिल करना छात्रों के भविष्य के लिए बेहद ज़रूरी है, जिससे वे शब्दों का सही उच्चारण सीख सकें और जो पढ़ें उसे समझ सकें।

"एवरी चाइल्ड रीड्स' कार्यक्रम की निगरानी के लिए एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है, जो एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) से जुड़ा है। शिक्षकों को हर बुधवार छात्रों की पठन प्रगति ऐप पर अपडेट करनी होगी। अनुदीप ने उम्मीद जताई कि एक महीने के भीतर हर छात्र इतना सक्षम हो जाएगा कि वह बिना रटने के कम से कम एक पैराग्राफ खुद पढ़ और समझ सकेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल बच्चों की शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने में मील का पत्थर साबित होगी।

डॉ. राजू बोल्ला बने इग्नू हैदराबाद क्षेत्रीय केंद्र के नए निदेशक

उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने पर देंगे जोर

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. राजू बोल्ला को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के हैदराबाद क्षेत्रीय केंद्र का नया क्षेत्रीय निदेशक नियुक्त किया गया है। उन्होंने सोमवार को अपना कार्यभार संभाला। वारंगल जिले के नेकोंडा मंडल के सुरीपल्ली गाँव के निवासी डॉ. राजू ने काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल से वनस्पति विज्ञान में स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

एबीवी कॉलेज, जनगांव में व्याख्याता के रूप में कार्य करने के बाद, उन्होंने 2011 में इग्नू त्रिवेंद्रम क्षेत्रीय केंद्र, केरल में सहायक क्षेत्रीय निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया था। इसके बाद वे इग्नू हैदराबाद क्षेत्रीय केंद्र में स्थानांतरित हुए और 2023 तक उप निदेशक के रूप में सेवा दी। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. राजू ने कहा कि उनका लक्ष्य तेलंगाना राज्य में उच्च शिक्षा के नामांकन को बढ़ाना है, विशेष रूप से दूरदराज, आदिवासी और जनजातीय क्षेत्रों में जहाँ दूरस्थ शिक्षा की पहुँच अभी सीमित है।

तृतीय पुण्यतिथि

स्व.श्री जसारामजी चोयल
(पूर्व अध्यक्ष सीरवी समाज पारसीगुट्टा)
सुपुत्र : स्व.श्री जेतारामजी चोयल (मरुधर में जाणुन्दा)
स्वर्गवास : 04.11.2022

जीवन के हर पल मे, आपकी कमी महसूस करते है हम।
पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
छगनीबाई (धर्मपत्नी) चुन्नीबाई, भुरीबाई (भाभी),
वेनाराम (भाई), प्रकाश-गौरी, प्रेम-नारंगी (पुत्र-पुत्र वधु),
मूलाराम, चन्द्रगुप्त, रामलाल, शंकरलाल, गणेश (भतीजे),
तारा-गणेशरामजी सोलंकी (पुत्री-दामाद),
मुकेश, प्रवीण, मनीष, कुनाल, मोहित, हिमांशु, उत्तम,
गौरीश, कर्ण, आयुष, जयवीर (पौत्र, पड़पौत्र)
एवं समस्त चोयल परिवार

: फर्म : * प्रकाश प्लाईवुड एवं विनियर बोराबंडा
* किसान इन्टरप्राईजेस शापुरनगर
* राजलक्ष्मी इन्टरप्राईजेस शापुरनगर

P.Solankey

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 4 नवंबर- 2025

बिहार : कौन आगे, कौन पीछे, सबके दावे बड़े-बड़े

राधा रमण

बिहार में चुनावी तापमान चरम पर है। चौसर बिछ चुकी है और मोहरे मैदान में हैं। दावेदारों-उम्मीदवारों के बीच घमासान है। सभी दलों के सूरमा परिणाम को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, तरह-तरह के सपने दिखा रहे हैं, लेकिन मतदाता चुप हैं। उनके मन में क्या है, यह तो 14 नवंबर को चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। सियासी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

राज्य में त्रिकोणीय लड़ाई है। एक तरफ एनडीए के पांच दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल यूनाईटेड (जदयू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) (लोजपा -आर), हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) है तो दूसरी तरफ महागठबंधन के सात दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), आईपी गुप्ता की इंडियन इन्क्ल्यूसिव पार्टी (आईआईपी), तीनों वामदल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) माले शामिल हैं। लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने वाली ख्यातनाम चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) की जन सुराज पार्टी है। पीके जन सुराज के सूत्रधार और संस्थापक हैं। इस बार बिहार में दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। कुल 243 विधानसभा सीटों के लिए 2626 उम्मीदवार मैदान में हैं। पहले चरण में 18 जिले गोपालगंज, सीवान, छपरा, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया, बेगुसराय, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, भोजपुर, बक्सर और पटना में वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण में 20 जिले पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, सुपौल, मधुबनी, अररिया, भागलपुर, बांका, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, नवादा, जहानाबाद, गयाजी, औरंगाबाद, रोहतास, अरवल, कैमूर, शिवहर और जमुई में मतदान होगा।

वरिष्ठ पत्रकार आरती आर जेरथ कहती हैं कि बिहार के चुनाव को जटिल और उलझन भरा बनाने के लिए चार कारण सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। इनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वास्थ्य, दोनों गठबंधनों का बिखराव, युवा मतदाताओं का वोट और प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का उदय।

बात पहले नीतीश कुमार के स्वास्थ्य की करते हैं। जदयू के नेताओं के मुताबिक मुख्यमंत्री एकदम स्वस्थ हैं। जबकि एनडीए के अन्य दलों के नेता इससे इत्तेफाक नहीं रखते। नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि नीतीश पर उम्र का असर हो गया है। कब क्या कर जाएं, क्या बोल दें, किसका पैर पकड़ लें, कहना मुश्किल है। हाल ही में मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर की चुनावी सभा में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रमा निषाद के गले में माल डाल दी। जब जदयू के सांसद और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने आगे बढ़कर उन्हें रोकना चाहा तो मंच से ही नीतीश कुमार ने कहा कि 'ई गजब आदमी है भाई ! हाथ काहे पकड़ते हो।' नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो उन्हें अक्सर अचेत कहा करते हैं। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी कहते हैं कि 2015 के नीतीश और 2025 के नीतीश में जमीन-आसमान का अंतर है। अब सियासत करने की उनकी उम्र गवाही नहीं देती है। कुल मिलाकर, नीतीश का स्वास्थ्य बिहार में एक ऐसी पहेली बन गया है, जिसका सही जवाब नीतीश के अलावे किसी के पास नहीं है। जहां तक बात दोनों गठबंधनों में बिखराव की है तो एनडीए में भाजपा ने इस बार नीतीश कुमार को पूरी तरह घेर लिया है। कुल 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में कहने को तो भाजपा और जदयू 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन गणित समझें तो भाजपा 141 सीटों पर मैदान में है क्योंकि भाजपा ने लोजपा (आर) को आवंटित 29 सीटों में से कम से कम 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। लोजपा के एक प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया है। हम और रालोमो को 6-6 सीटें दी गयी हैं। वैसे भी चुनाव परिणाम के बाद लोजपा (आर), हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा की मजबूरी भाजपा को सपोर्ट करने की होगी। फिलहाल चिराग पासवान और जीतनराम मांझी केन्द्रीय सरकार में मंत्री हैं और उपेन्द्र कुशवाहा मंत्री बनने को बेताब हैं। वैसे भी भाजपा के लिए यह चुनाव अभी नहीं तो कभी नहीं सरीखा है। इसीलिए, धर्मेन्द्र प्रधान के चुनाव प्रभारी होने के बावजूद गृहमंत्री अमित शाह ने परोक्ष रूप से चुनाव की कमान संभाल रखी है। शाह सियासी जोड़तोड़ के माहिर खिलाड़ी माने जाते हैं। पिछले दिनों जन सुराज के दानापुर से उम्मीदवार अखिलेश कुमार का नामांकन से पहले अमित शाह से मिलने पहुंचना और नामांकन नहीं करना, गोपालगंज और ब्रह्मपुर के जन सुराज के प्रत्याशियों का एनडीए खेमे को सपोर्ट करना इसकी तस्दीक करता है। यही नहीं, अमित शाह ने यह कहकर जदयू की धड़कनें बढ़ा दी कि चुनाव का चेहरा नीतीश हैं लेकिन चुनाव के बाद घटक दलों के विधायक मिलकर मुख्यमंत्री का फैसला करेंगे। सियासी गलियारों में यह चर्चा आम है कि अगर चुनाव में एनडीए को बहुमत मिलता है तो भाजपा इस बार बड़ा खेल करेगी। नीतीश कुमार भी भाजपा की मंशा को समझ चुके हैं। इसलिए उम्मीदवारों की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री के साथ कोई मंच साझा नहीं कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि 2021 में असम में भाजपा सर्वानन्द सोनोवाल के चेहरे पर चुनाव लड़ी थी, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा बनाये गए। 2023 में मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर चुनाव लड़ी थी, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को बनाया गया। इसी तरह महाराष्ट्र में एनडीए का चेहरा एकनाथ शिंदे थे, लेकिन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को बनाया गया। तो क्या नीतीश बिहार का शिंदे बनेंगे ! इस बीच चिराग पासवान ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि उनकी इच्छा भी मुख्यमंत्री बनने की है। चिराग खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान बताते हैं। महागठबंधन की हालत यह है कि बिहार में राजद 143, कांग्रेस 59, भाकपा 9, माकपा 4, माले 20, वीआईपी 13 और आईआईपी 3 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कुल मिलाकर इन सीटों की संख्या 251 हो जाती है। जबकि कुल सीटें 243 हैं। जाहिर है, शेष सीटों पर महागठबंधन के दल एक-दूसरे का वोट काट रहे हैं। मोहनियां में राजद उम्मीदवार का नामांकन रद्द हो जाने, सुगौली में वीआईपी प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो जाने और तारापुर में वीआईपी उम्मीदवार का नाम वापस ले लेने से महागठबंधन कुल 240 सीटों पर ही चुनाव लड़ सकेगा। वीआईपी की कुछ सीटों पर राजद ने अपने उम्मीदवारों का नामांकन करा दिया है। बिहार की लड़ाई को त्रिकोणीय बना रही जन सुराज पार्टी ने अकेले 243 सीटों पर लड़ने का दावा किया था। हालांकि उसके एक उम्मीदवार के नामांकन दाखिल नहीं करने, एक उम्मीदवार का नामांकन रद्द हो जाने और दो उम्मीदवारों के भाजपा और लोजपा (आर) के समर्थन में बैठ जाने के कारण वह 239 जगहों पर ही चुनाव लड़ पा रही है। प्रशांत किशोर कहते हैं कि एनडीए डर गया है और दबाव बनाकर जन सुराज के उम्मीदवारों का नामांकन वापस करा रहा है। पटना में पत्रकारों से बातचीत में पीके ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि 'चाहे जितने उम्मीदवारों को खरीद लो, धमकी दे दो या उन्हें घरों में कैद कर दो। चुनाव लड़ा जाएगा और इतनी ताकत से लड़ा जाएगा कि हम आपके दांत खट्टे कर देंगे।' वह कहते हैं कि महागठबंधन के ज्यादातर उम्मीदवार दबंग और बाहुबली हैं।

बिहार चुनाव दिलचस्प मोड पर

कहा जाता है कि भारत में हमेशा चुनावी मौसम बना रहता है। ऐसे में नेताओं और मीडिया का चुनावी माहौल में बने रहना भी अच्छा लगता है। इसके बावजूद कुछ चुनाव इतने दिलचस्प होते हैं कि उन पर सबकी नजर होती है। इस बार का बिहार चुनाव भी ऐसे ही अनुकूल माहौल में चल रहा है। इस रोमांचक चुनाव में सारे मसाले एक साथ दिखाई दे रहे हैं। यह एक बड़ा और महत्वपूर्ण राज्य है, इसमें चुनाव से पूर्व कोई स्पष्ट विजेता नहीं है, लेकिन इसके नतीजे देश और समाज की मनोदशा कैसा है इसकी ओर इशारा करने जा रहे हैं। बिहार यूपी के बाद भारत का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। उसकी अनुमानित जनसंख्या 13 करोड़ तक बताई जाती है। जनसंख्या के आधार पर ही यह मैक्सिको और जापान के साथ दुनिया का 11वां या 12वां सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने की क्षमता वाला प्रदेश है। ऐसे में यहां के चुनाव को लेकर पूरे देश में व्यापक रुचि जगना स्वाभाविक है। भारत में ओपनियन पोल शायद ही कभी सटीक नहीं बैठते लेकिन होता हर बार है। इनके आधार पर कुछ विशेषज्ञ दृढ़ता से सत्ता-विरोधी लहर का संकेत दे रहे हैं, जिससे महागठबंधन को फायदा होता हो। दूसरों का कहना है कि मोदी-भाजपा-नीतीश-एनडीए-जदयू ब्रांड गठबंधन में अभी बहुत दम है। पीके की जन सुराज पार्टी नतीजों कितना प्रभावित करेगी यह कहना जल्दबाजी होगी। बिहार चुनाव परिणाम वोट-शेयर में मामूली उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील रहते हैं। 2020 के चुनाव खासे करीबी रहे थे, जिसमें एनडीए और महागठबंधन दोनों को 37.9% वोट मिले थे। एनडीए ने 125 सीटें (बहुमत का आंकड़ा 122) और महागठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं। वोट-शेयर में कुछ प्रतिशत अंकों के बदलाव से भी इन सीटों में भारी उतार-चढ़ाव हो सकता है। इतने बदलते समीकरणों के हिसाब से बिहार को लेकर सबसे अच्छी भविष्यवाणी यही हो सकती है कि कोई नहीं जानता कि क्या होगा। देखें तो तमिलनाडु भी एक बड़ा राज्य है (जनसंख्या के हिसाब से देश में छठा) और अकसर उसके चुनावों में भी कोई स्पष्ट विजेता नहीं होता। लेकिन तमिलनाडु की राजनीति राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा असर नहीं डालती। यहां तक कि पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र के चुनाव भी राष्ट्रीय मुद्दों से अधिक शिवसेना और राकांपा के विभाजन और इससे निर्मित हुई दुविधाओं के कारण चर्चित थे। लेकिन इनकी तुलना में बिहार विशुद्ध राष्ट्रीय मुद्दों से जूझ रहा है। जाति, धर्म, रोजगार, कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाएं सब हवा में तैर रहा है। यहां सभी प्रकार के जाति-धर्म-लैंगिक समूह महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें पार्टियां अपने पक्ष में करने की जी तोड कोशिश कर रही हैं। इसलिए, बिहार में जो कुछ भी होता है, वह देश के मूड का सबसे सटीक इंडिकेटर हो सकता है। वैसे बिहार में मुस्लिम आबादी प्रतिशत के हिसाब से शेष भारत की तुलना में ज्यादा है। इसके बावजूद बिहार के नतीजे दर्शाएंगे कि विभिन्न पृष्ठभूमियों और समुदायों के लोग क्या सोच रहे हैं। इनसे प्राप्त होने वाली अंतर्दृष्टियों को बाद में भारत के कई अन्य हिस्सों में लागू किया जा सकता है। एक और फैक्टर- जो बिहार के चुनावों को बड़ा बनाता है- केंद्र में एनडीए को जेडीयू का समर्थन होना है। यह ऐसा चुनाव है जिसका राष्ट्रीय राजनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने जा रहा है। यूं तो हमें नतीजे 14 नवंबर को ही पता चल सकेंगे, लेकिन संभावित सिनैरियो इस प्रकार हैं। एनडीए को जीत मिलने पर भाजपा निश्चिंत हो सकती है कि उसके काम को लोग- खासकर हिंदी पट्टी में सराह रहे हैं। जेडीयू भी निश्चिंत हो सकती है।

संकट कांग्रेस की राजनीतिक प्रासंगिकता का है

राज कुमार सिंह

सत्ता केंद्रित राजनीति में चुनावी सफलता को निर्णायक कसौटी मान लिये जाने पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए, लेकिन सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस का संकट उससे ज्यादा गहरा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में 44 सीटों पर सिमटने का ऐतिहासिक शर्मनाक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस की सीटें बढ़ी हैं। 2019 में 52 तो 2024 में 99 हो गयीं, पर वैचारिक दिशाहीनता से उपजे राजनीतिक पहचान के संकट से कांग्रेस उबरती नहीं दिखती। हर चुनाव में नयी रणनीति में बुराई नहीं, लेकिन वैचारिक निरंतरता तो दिखनी चाहिए। सहयोगियों और मुद्दों के चयन में कांग्रेस का वैचारिक भटकाव साफ दिखता है। सत्तारूढ़ तो कांग्रेस 2004 से 2014 तक भी रही, लेकिन ऐतिहासिक पराभव का कारण बने राजनीतिक पहचान के संकट की शुरूआत दशकों पहले हो गयी थी। कांग्रेस के चुनावी दिग्भ्रम का सबसे बड़ा उदाहरण शाहबानो केस में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला पलटने के लिए कानून बदलना और अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवाना माना जा सकता है। दोनों काम राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्वकाल में हुए। बेशक 1975 में इंदिरा गांधी आपातकाल लागू कर भारत के संविधान और लोकतंत्र पर आघात से कांग्रेस में जन विश्वास को हिला चुकी थीं, लेकिन जनता पार्टी नेताओं की सत्तालोलुपता से खफा मतदाताओं ने ढ़ाई साल में ही उन्हें माफ कर दिया। वोट बैंक में बिना बड़े क्षरण के कांग्रेस 1980 मे सत्ता में लौट आयी, लेकिन राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्वकाल में बहुसंख्यक हिंदुओं और अल्पसंख्यक मुसलमानों, दोनों को खुश करने की कवायद कांग्रेस को विरासत में मिली धर्मनिरपेक्ष छवि पर भारी पड़ी। भाजपा द्वारा लगाये गये अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के आरोप से कांग्रेस नहीं उबर पायी। चुनाव प्रचार के बीच राजीव गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति से 1991 में भी कांग्रेस किसी तरह सरकार बनाने में सफल रही, लेकिन उसका पराभव और भाजपा का उदय शुरू हो चुका था। कांग्रेस भी इनकार नहीं करेगी कि 1990 में मंडल-कमंडल के बीच तल्ख राजनीतिक ध्रुवीकरण के दोहरे झटके से वह संभल ही नहीं पायी। कभी व्यापक स्वीकार्यतावाली कांग्रेस के समक्ष यक्ष प्रश्न यह है कि आखिर वह किस वर्ग की पार्टी है? खासकर उत्तर और पश्चिम भारत में भाजपा बहुसंख्यक हिंदुओं की पहली पसंद बन गयी है। बेशक उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में मंडलवादी ताकतें अभी ताल ठोंक रही हैं। तमिलनाडु की सत्ता राजनीति दशकों से द्रमुक-अन्नाद्रमुक के बीच बंटी है। अपने सबसे बड़े गढ़ पश्चिम बंगाल से वामपंथी सत्ता साढ़े तीन दशक बाद उखड़ी तो अब वहां कांग्रेस की बागी ममता बनर्जी का वर्चस्व है। केरल की राजनीति मुख्यतः एलडीएफ तथा कांग्रेसनीत यूडीएफ के बीच दो ध्रुवीय है। भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों में भी अपना विस्तार कर लिया। इस राजनीतिक उथल-पुथल में कांग्रेस अप्रासंगिक दल बन कर रह गयी। कांग्रेस संतोष कर सकती है कि भाजपा से कर्नाटक की सत्ता छीनने में सफल रही। आंध्र प्रदेश से अलग हो कर बने तेलंगाना के मतदाताओं ने भी केसीआर को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाने के बजाय कांग्रेस को सत्ता सौंप दी। केरल में भी सत्ता-बदल में कांग्रेस की लॉटरी खुल जाती है, पर शेष दक्षिण में वह अकेलेदम चुनाव लड़ने की हालत में भी नहीं।

उत्तर प्रदेश- बिहार जैसे बड़े राज्यों में भी यही हाल है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस भाजपा की मजबूत प्रतिद्वंद्वी रही, पर पिछले चुनावों में हाशिये पर चली गयी। 2013 से वह दिल्ली की सत्ता से बाहर है तो 2014 से हरियाणा भी लगातार हाथ से फिसल रहा है। 2022 में आप के पास चला गया पंजाब आसानी से लौटनेवाला नहीं। सांत्वना पुरस्कार के रूप में हिमाचल प्रदेश की सत्ता उसके पास है। केंद्र के बाद राज्यों की सत्ता भी हाथ से फिसलने से कांग्रेस के लिए वैचारिक और राजनीतिक पहचान का संकट गहराता जा रहा है, पर वह आत्मविश्लेषण का साहस नहीं जुटा पा रही। कभी ईवीएम पर ठीकरा फोड़ा जाता है तो कभी 'वोट चोरी' को मुद्दा बनाया जाता है। चुनावी मुद्दा भी बदल जाता है। लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण खतरे में था, उसके बाद से लोकतंत्र खतरे में है। भारत सरकार के सचिवों से ले कर मीडिया तक में ओबीसी-दलित-अल्पसंख्यकों की संख्या पूछनेवाले राहुल अपनी सरकारों और कांग्रेस संगठन में इन वर्गों का प्रतिशत नहीं बताते। गांधी-नेहरू परिवार के बाहर से दलित समुदाय से आनेवाले मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, पर वास्तविक कमान के किसके पास है? क्या कांग्रेस अभी भी दरबारी संस्कृति से नहीं चल रही?

अखिलेश यादव की सरकार को राहुल गांधी जंगल राज बताते थे, पर चुनावी राजनीति ने उन्हीं की 'साइकिल' पर बैठने को मजबूर कर दिया। भाजपा पर भ्रष्टाचारियों को संरक्षण के आरोप कांग्रेस लगाती है, लेकिन बिहार में चुनावी भविष्य की तलाश में लालू यादव परिवार की पार्टी राजद की 'लालटेन' हाथ में थामने को दशकों से मजबूर है। अखिलेश की सपा और लालू-तेजस्वी का राजद, कांग्रेस से छीने गये ओबीसी-अल्पसंख्यक जनाधार पर ही खड़े हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट ठंडे बस्ते में डाले रखनेवाली कांग्रेस के नेता राहुल जब सामाजिक न्याय का संकल्प लेते हैं तो सपा और राजद सशंकित हो जाते हैं। वे राहुल को विपक्ष का 'प्रधानमंत्री-चेहरा' भले मान लें, पर कांग्रेस को राज्य में पैर जमाने लायक सीटें नहीं देते। किसी भी निर्वाचति सदन में शून्य सीटवाली वीआईपी के नेता मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया गया, लेकिन बिहार विधानसभा में 19 विधायकोंवाली कांग्रेस को भाव नहीं दिया। कांग्रेस और आप के बीच दलगत हितों के टकराव से ही दिल्ली में भाजपा की सत्ता का मार्ग प्रशस्त हुआ। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी कांग्रेस को पैर नहीं रखने दे रहीं।आश्चर्यजनक रूप से कांग्रेस की संगठनात्मक मजबूती प्राथमिकता में नजर नहीं आती, वरना हरियाणा में पिछले विधायक दल नेता को ही पुनः चुनने में साल नहीं लग जाता। प्रदेश अध्यक्ष भी अतीत में पार्टी छोड़ चुके शख्स को बना दिया गया, जिसके विरुद्ध सीएलयू में कथित भ्रष्टाचार का मामला उच्च न्यायालय में लंबित है। उदयपुर चिंतन शिविर में कांग्रेस का कायाकल्प करने की बातें बहुत हुईं, पर हुआ कुछ नहीं। कथनी-करनी के अंतर और वैचारिक भटकाव से उबरे बिना कांग्रेस का भविष्य नहीं। जवाहर लाल नेहरू ने भारत की खोज पुस्तक लिखी थी, क्या राहुल गांधी वर्तमान भारतीय राजनीति में कांग्रेस की प्रासंगिकता खोज पायेंगे?

करुणा, सह-अस्तित्व और पर्यावरणीय नैतिकता का नया घोष

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जब अपने स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है, तो यह केवल आर्थिक विकास का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक नैतिक, संतुलित और मानवीय समाज के पुनर्निर्माण का संकल्प भी है। परंतु यह संकल्प तभी सार्थक होगा जब विकास का आधार केवल मनुष्य नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के कल्याण पर टिका हो। आज जब "विकसित भारत" की बात होती है, तो उसका दायरा उद्योग, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और आय वृद्धि तक सीमित दिखाई देता है। परंतु एक सच्चा विकसित राष्ट्र वह होगा, जहाँ करुणा, सह-अस्तित्व और दया जैसे मानवीय गुण नीतियों और योजनाओं की आत्मा बनें। भारत का संविधान इस दृष्टि का पथप्रदर्शक है। अनुच्छेद 48(क) राज्य को पर्यावरण और वन्य जीवों की रक्षा करने का निर्देश देता है, जबकि अनुच्छेद 51(क)(छ) प्रत्येक नागरिक का यह मूल कर्तव्य बताता है कि वह जीवित प्राणियों के प्रति करुणा रखे। ये प्रावधान केवल क़ानूनी नियम नहीं, बल्कि उस सभ्यतागत विचारधारा की पहचान हैं जो अहिंसा, दया और "वसुधैव कुटुम्बकम्" के सिद्धांतों पर आधारित है। भारत की संस्कृति सदियों से यह सिखाती आई है कि सृष्टि में हर जीव का अपना सम्मान, उद्देश्य और अधिकार है।

फिर भी, आधुनिक विकास की दौड़ में पशु कल्याण का स्थान कहीं पीछे छूट गया है। औद्योगिकीकरण, नगरीकरण और अंधाधुंध उपभोग की होड़ ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को प्रभावित किया है, बल्कि असंख्य पशु प्रजातियों के अस्तित्व को भी संकट में डाल दिया है। गिद्धों की घटती संख्या, हाथियों और तेंदुओं के आवासों का सिकुड़ना, समुद्री जीवों पर प्रदूषण का प्रभाव — ये सब इस असंतुलन के द्योतक हैं। जब किसी पारिस्थितिकी तंत्र से एक भी प्रजाति विलुप्त होती है, तो उसका प्रभाव पूरे पर्यावरण और मानव जीवन पर पड़ता है। विकास के नाम पर जब हम जंगलों को काटते हैं, नदियों को प्रदूषित करते हैं और जानवरों के प्राकृतिक निवास को नष्ट करते हैं, तो यह केवल प्रकृति का नुकसान नहीं बल्कि स्वयं मानवता की जड़ों को कमजोर करना है। इसलिए आवश्यक है कि भारत का "विकसित भारत 2047" का दृष्टिकोण केवल मनुष्य की भौतिक समृद्धि पर न टिके, बल्कि सभी प्राणियों के कल्याण को अपना मूल ध्येय बनाए। पशु कल्याण को भारत के विकास दृष्टिकोण में शामिल करना केवल संवेदनशीलता का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह स्थायी विकास की शर्त है। भारत के ग्रामीण जीवन में पशुधन अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। करोड़ों परिवार पशुओं से प्राप्त दूध, ऊन, अंडे और अन्य उत्पादों पर निर्भर हैं। यदि इन पशुओं की देखभाल, आहार, स्वास्थ्य और व्यवहारिक सम्मान का ध्यान रखा जाए, तो उत्पादकता बढ़ेगी और ग्रामीण आय में स्थायित्व आएगा। मानवीय पशुपालन और संसाधनों के संतुलित उपयोग से भूमि की उर्वरता, जल की गुणवत्ता और पर्यावरण की स्थिरता को भी लाभ होता है। इसके साथ ही, पशु कल्याण का संबंध जनस्वास्थ्य से भी प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। कोविड महामारी और निपाह वायरस जैसी घटनाओं ने यह प्रमाणित किया है कि पशु स्वास्थ्य, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण - ये तीनों एक दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। यदि किसी एक क्षेत्र में असंतुलन होता है, तो उसका प्रभाव बाकी दोनों पर पड़ता है। इसीलिए आवश्यक है कि पर्यावरण, कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालय मिलकर "एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण" की भावना को नीति स्तर पर लागू करें। पशु कल्याण के दृष्टिकोण को शिक्षा, शहरी नियोजन, और उद्योग में भी स्थान मिलना चाहिए। विद्यालयों के पाठ्यक्रम में यदि सभी जीवों के प्रति करुणा और सह-अस्तित्व के मूल्य सिखाए जाएँ, तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वभावतः संवेदनशील बनेंगी। शहरी योजनाओं में वन्यजीव गलियारे, सड़कों पर पशु-पार मार्ग और आवारा पशुओं के लिए मानवीय व्यवस्था शामिल की जानी चाहिए। दिल्ली-मुंबई राजमार्ग पर वन्यजीवों के लिए बनाए गए मार्ग इस दिशा में प्रेरक उदाहरण हैं।

भारत को अपने पुराने पशु संरक्षण कानूनों को भी अद्यतन करना चाहिए। "पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960" को समयानुकूल संशोधन की आवश्यकता है ताकि दंडात्मक प्रावधान कठोर हों और उनका प्रभाव वास्तविक रूप से दिखाई दे। इसके अतिरिक्त, पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार और वैज्ञानिक देखरेख से पशुधन की गुणवत्ता में सुधार संभव है। तकनीकी नवाचार भी इस क्षेत्र में सहायक हो सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, उपग्रह मानचित्रण और इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणालियाँ वन्यजीव संरक्षण में क्रांतिकारी भूमिका निभा रही हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में ई-निगरानी प्रणाली ने शिकार की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी की है। यह इस बात का प्रमाण है कि विज्ञान और करुणा का संयोजन हमारे पर्यावरण और जीवों के संरक्षण में सबसे प्रभावी उपाय बन सकता है। पशु आधारित उद्योगों - जैसे दुग्ध, चमड़ा और वस्त्र -में "क्रूरता रहित उत्पादन" को बढ़ावा देने से न केवल नैतिक व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। उपभोक्ताओं के बीच भी यह जागरूकता फैलानी होगी कि नैतिक उत्पादों का चयन एक सामाजिक उत्तरदायित्व है। भारतीय दर्शन "अहिंसा परमो धर्मः" और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" केवल धार्मिक वाक्य नहीं हैं, बल्कि स्थायी जीवन का सूत्र हैं।

भारत बना विश्व विजेता

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज का दिन भारतीय खेल इतिहास के स्वर्णाक्षरों में सदैव अंकित रहेगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज़्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है — क्योंकि यह सिर्फ़ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है।

भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज़ है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा।

विश्व कप के इस रोमांचक फाइनल में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 298 रन बनाए। पारी की शुरुआत शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। स्मृति ने संयमित लेकिन महत्वपूर्ण 45 रन बनाकर टीम को मजबूत आधार दिया, जबकि शेफाली वर्मा ने आक्रामक शैली में खेलते हुए 78 गेंदों में 87 रन ठोके। उनकी पारी में चौके-छक्कों की झड़ी लगी रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर इस बार जल्दी आउट हो गईं, लेकिन युवा बल्लेबाज़ ऋचा घोष ने 34 रनों की अहम पारी खेली और टीम को एक बार फिर स्थिरता दी। मिडिल ऑर्डर में दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को लगभग 300 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो शुरुआती ओवरों में उसने तेज़ शुरुआत की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने जल्द ही अपनी पकड़ बना ली। रेणुका ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को बांधे रखा। शेफाली वर्मा ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया — उन्होंने 7 ओवर में मात्र 36 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनका हरफनमौला प्रदर्शन भारतीय जीत की रीढ़ साबित हुआ। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बढ़ता गया और अंततः भारतीय टीम ने जीत के साथ इतिहास रच दिया। शेफाली वर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए "प्लेयर ऑफ द मैच" चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा को "प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट" का सम्मान मिला। यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं। इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ़ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं।

किताबों की अपनी एक अनोखी दुनिया

विजय गर्ग

आज के डिजिटल युग में, जहाँ ज्ञान उँगलियों के एक स्पर्श भर में उपलब्ध है, वहाँ भी किताबों की अपनी एक अनोखी दुनिया है। किताबें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं, बल्कि महसूस करने का माध्यम हैं। जब कोई पाठक किसी पुस्तकालय से किताब उधार लेता है, तो वह केवल शब्द नहीं ले जाता — वह भावनाओं, विचारों और अनुभवों की एक पूरी दुनिया अपने साथ ले जाता है।

हर किताब में एक इतिहास होता है — उन हाथों का, जिन्होंने उसे छुआ; उन आँखों का, जिन्होंने उसके अक्षरों में अर्थ खोजे; और उन दिलों का, जिन्होंने उसकी कहानियों में खुद को पाया। किसी पुराने पन्ने की हल्की सिलवट, किसी कोने पर लिखा छोटा-सा नोट — यह सब उस किताब में जीवंत मानवीय उपस्थिति का प्रमाण हैं। किताबें हमें उस समय से जोड़ती हैं जब संवाद केवल शब्दों में नहीं, अनुभूतियों में होता था। वे हमें सिखाती हैं कि ज्ञान केवल सूचना नहीं होता, बल्कि आत्मा से आत्मा का संपर्क होता है। जब कोई किताब हमारे हाथों से निकलकर किसी और के पास जाती है, तो उसके साथ हमारी अनुभूति भी आगे बढ़ती है — जैसे कोई नदी अपने प्रवाह में जीवन की निरंतरता बहा ले जाती है। अगर सच में किताबों से प्रेम है, तो अपने श्रम से उन्हें जुटाइए। किताबें पाने का आनंद तभी होता है जब उन्हें पाने में थोड़ी मेहनत, थोड़ा इंतज़ार और बहुत-सा लगाव शामिल हो। वो किताबें, जिन्हें आपने अपनी पहली तनख्वाह से खरीदा हो, जिनके पन्नों पर कॉफ़ी के निशान हों या जिनमें आपकी उंगलियों के मोड़ से पन्ने मुड़े हों — वही किताबें आपके जीवन का हिस्सा बनती हैं।

किताबों से प्रेम का अर्थ यह नहीं कि आप उन्हें जमा कर लें या दूसरों से माँगकर अपने रैक में सजा लें। किताबों से प्रेम का अर्थ है — उन्हें पढ़ना, उनसे प्रश्न करना, उनसे बहस करना और कभी-कभी उनसे असहमति जताना। किताबें जीवित प्राणी की तरह हैं — वे संवाद चाहती हैं, मौन नहीं।

किताबों का यह साझा अनुभव हमें एक अदृश्य बंधन में जोड़ता है। हम शायद उस पिछले पाठक को नहीं जानते जिसने उसे पढ़ा था, न ही उस अगले को जो इसे पढ़ेगा, लेकिन उन सबके बीच एक साझा भावना होती है — ज्ञान, जिज्ञासा और मानवीय संवेदना की।

लोग कहते हैं कि देश में लाइब्रेरियाँ नहीं हैं, इसलिए वे व्यक्तिगत संग्रहों से किताबें माँगते हैं। पर क्या सच में ऐसा है? मेरे अपने शहर में डॉ. कामिल बुल्के की लाइब्रेरी है — शब्दों और भाषाओं का अद्भुत संग्रह। राज्य पुस्तकालय और ब्रिटिश लाइब्रेरी — दोनों ही ज्ञान के खज़ाने से भरे पड़े हैं। मैंने अपनी पढ़ाई के दिनों में इन्हीं लाइब्रेरियों से किताबें लीं, घंटों वहीं बैठकर पढ़ा। उन पन्नों की महक, लकड़ी की अलमारियों की ठंडक और पुराने कागज़ की स्याही में घुली हुई ख़ामोशी आज भी मेरे मन में जीवित है।

लाइब्रेरी जाना एक अनुशासन सिखाता है। किताबों के साथ समय बिताने की एक लय बनती है। वहाँ आपको केवल ज्ञान नहीं मिलता, बल्कि धैर्य और विनम्रता भी मिलती है। आज जब सब कुछ ऑनलाइन उपलब्ध है, तब भी असली किताबों की दुनिया की तुलना नहीं की जा सकती। डिजिटल पन्ने रोशनी देते हैं, लेकिन कागज़ के पन्ने आत्मा देते हैं।

इसलिए, किताबें उधार नहीं ली जातीं — वे जी जाती हैं, महसूस की जाती हैं। वे हमें सिखाती हैं कि हर पंक्ति में एक धड़कन होती है, हर शब्द में एक भावना। किताबें केवल पढ़ने का साधन नहीं, आत्मा को छू लेने वाली अनुभूति हैं।

देव दिवाली से जुड़ी पौराणिक कथा क्यों कहते हैं इस दिन को त्रिपुरारी पूर्णिमा ?

देव दिवाली का त्योहार हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन देवता धरती पर आते हैं और दिवाली मनाते हैं; इसलिए इसे देव दिवाली कहा जाता है। देव दिवाली की पौराणिक कथा भगवान शिव और त्रिपुरासुर राक्षस से जुड़ी है। इस कथा का जिक्र महाभारत के कर्णपर्व में मिलता है। आइए ऐसे में जान लेते हैं देव दिवाली से जुड़ी संपूर्ण पौराणिक कथा के बारे में।

देव दिवाली से जुड़ी कथा

महाभारत के कर्णपर्व में वर्णित कथा के अनुसार, तारकासुर नामक राक्षस के 3 पुत्र थे- तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली इन्हें एक साथ त्रिपुरासुर कहा जाता है। जब कार्तिकेय ने देवताओं के साथ मिलकर तारकासुर का वध किया तो तारकासुर के तीनों पुत्रों तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युनमाली ने देवताओं से बदला लेने की ठानी। इन तीनों ने कठोर तपस्या के बाद ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया, जिसके बाद वर के रूप में ब्रह्मा जी से इन्होंने अमरता का वरदान मांगा। ब्रह्मा जी ने अमरता का वरदान को छोड़कर कुछ भी मांगने की बात कही। इस पर तीनों भाइयों ने एक ऐसा वर मांगा जिससे उनकी मृत्यु असंभव हो जाए। उन्होंने कहा कि जब हम तीनों एक ही पंक्ति में हों, अभिजीत नक्षत्र हो और एक ही तीर से हमें कोई मारे तभी हमारी मृत्यु हो। ब्रह्मा जी ने उन्हें ये वरदान प्रदान किया।

इसके बाद त्रिपुरासुर यानि तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। त्रिपुरासुर की यातनाओं से देवता, ऋषि-मुनि और मनुष्य त्राहिमाम करने लगे। अंत में सब लोग भगवान शिव के पास मदद मांगने पहुंचे। भगवान शिव न त्रिपुरासुर का वध करने का प्रण लिया। इसके बाद भगवान शिव ने पृथ्वी को अपना रथ बनाया, सूर्य और चंद्रमा को इस रथ का पहिया बनाया गया, मेरू पर्वत धनुष बना और वासुकी नाग धनुष की डोर। इसके बाद अभिजीत नक्षत्र में भगवान शिव ने बाण बने भगवान विष्णु के जरिए त्रिपुरासुर यानि तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली का वध किया और तीनों लोकों को इनके आंतक से मुक्त करवाया।

देवताओं ने मनाई दिवाली

भगवान शिव ने कार्तिक पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर का वध किया था और इसलिए देवताओं ने इस दिन काशी में दीप दान कर दिवाली मनाई थी। इसी लिए कार्तिक पूर्णिमा को देव दिवाली आज भी मनाई जाती है, माना जाता है कि आज भी देवता कार्तिक पूर्णिमा पर देव दिवाली मनाते हैं। वहीं त्रिपुरासुर का वध करने की वजह से भगवान शिव का एक नाम त्रिपुरारी भी है और इसलिए कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहा जाता। देव दिवाली पर गंगा, यमुना के घाटों पर आज भी लोग दीप दान करते हैं।

अज्ञान, अनगिनत अपेक्षाएं और सीमित समझ के कारण हमारे जीवन में दुविधाएं बनी रहती हैं

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हम जीवन के सत्य को कैसे जान सकते हैं? मनुष्य की सभी दुविधाओं के मूल कारण अज्ञान और सीमित समझ हैं। वह अपने भीतर अनगिनत अपेक्षाओं का जाल बुन लेता है, लेकिन उन्हें पूरा करने का मार्ग नहीं जानता। सफलता, समाधान और सिद्धि की दिशा से वह अनजान रहता है। ऐसे में वैदिक और उपनिषदों का ज्ञान ही उसका सच्चा मार्गदर्शक बन सकता है। इन्हीं के माध्यम से व्यक्ति अपनी वास्तविक पहचान और जीवन का उद्देश्य जान सकता है।

तुलसी विवाह के लिए तुलसी के पौधे को कैसे सजाएं?

तुलसी विवाह हिंदू धर्म में एक बेहद ही पवित्र और महत्वपूर्ण अनुष्ठान माना जाता है। जिसका आयोजन देवउठनी एकादशी से लेकर पूर्णिमा तक की अवधि में कभी भी किया जा सकता है। वैसे ज्यादातर लोग कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी को तुलसी विवाह कराते हैं। कहते हैं तुलसी विवाह कराने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास सदैव बना रहता है। लेकिन अब सवाल ये आता है कि इस दिन तुलसी के पौधे को सजाएं कैसे? तो चलिए आपको बताते हैं तुलसी को दुल्हन की तरह सजाने की पूरी विधि।

तुलसी विवाह के दिन तुलसी को कैसे सजाएं?

तुलसी विवाह से पहले तुलसी के चौरे को अच्छी तरह साफ करें। फिर उसे गंगाजल से शुद्ध कर लें। तुलसी चौरे को गोबर और मिट्टी से लीपकर भी शुद्ध कर सकते हैं। (तुलसी चौरा एक चौकोर या वृत्ताकार उठा हुआ चबूतरा होता है, जहां तुलसी का पौधा लगाया जाता है। ये आमतौर पर घर के आंगन या बालकनी में बनाया जाता है।)

इस पर सुदंर रंगोली बना लें।

अगर चौरा नहीं बनवा रखा है तो आप तुलसी के गमले को किसी टेबल पर रख सकते हैं।

अब तुलसी के गमले को चावल के आटे, रोली, गेरू और हल्दी से सजा लें। साथ ही गमले पर शुभ चिन्ह जैसे स्वास्तिक बना लें।

फिर घर के आंगन में भी एक सुदंर रंगोली बनाएं।

तुलसी माता को दुल्हन की तरह सजाएं। उन्हें लाल या पीले रंग की साड़ी या चुनरी ओढ़ाएं।

कांच की चूड़ियां पहनाएं। बिंदी, मांग टीका, मेहंदी और कुमकुम भी लगाएं।

चाहें तो तुलसी माता को छोटा सा मुकुट या घूंघट भी लगा सकते हैं।

इसके बाद भगवान शालिग्राम को पीले वस्त्र, फूलमाला, तिलक और गहनों से सजाएं।

विवाह कराने के लिए एक छोटा सा मंडप भी जरूर तैयार कर लें।

मंडप को केले के पत्तों, आम के पत्तों और फूलों से अच्छे से सजा लें।

मंडप के बीच में तुलसी माता और भगवान शालिग्राम को विराजित करें।

तुलसी विवाह के शुभ मुहूर्त में विवाह विधि शुरू करें।

तुलसी माता और भगवान विष्णु का पूजन करें।

मंत्रों के साथ माला की अदला-बदली कराएं। ये प्रक्रिया जयमाला की रस्म का प्रतीक होती है।

इसके बाद शालिग्राम भगवान को हाथ में उठाकर तुलसी के पौधे की 7 बार परिक्रमा करनी है। ये रस्म सात फेरे का प्रतीक मानी जाती है।

अंत में आरती करें और प्रसाद सभी में वितरित कर दें।

सौभाग्य और सफलता की चाबी हैं ये 3 रत्न

ओपल : प्रेम और वैभव का रत्न

ओपल को शुक्र ग्रह का रत्न माना जाता है, जो सौंदर्य, प्रेम और भौतिक सुख-संपन्नता का प्रतीक है। सफेद या हल्के नीले रंग का ओपल सबसे शुभ माना जाता है। यह व्यक्ति के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और जीवन में आकर्षण लाता है। ओपल पहनने से करियर और व्यापार में नई संभावनाएं बनती हैं और रिश्तों में भी मधुरता आती है।

पेरिडॉट : ज्ञान और सफलता का प्रतीक

पेरिडॉट को बुद्धि, ज्ञान और स्वास्थ्य से जुड़ा रत्न माना गया है। यह रत्न मानसिक स्पष्टता बढ़ाता है और निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करता है। नौकरी या व्यापार में यह तरक्की के द्वार खोलता है और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाता है। पेरिडॉट नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके व्यक्ति के जीवन में खुशियों और स्थायित्व का संचार करता है।

लाजवर्त : आत्मविश्वास और भाग्य का रत्न

लाजवर्त को शनि और राहु ग्रह से जोड़ा जाता है। यह रत्न किस्मत को चमकाने वाला और आत्मबल बढ़ाने वाला माना जाता है। इसे धारण करने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है, निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है और जीवन में स्थायित्व आता है। यह धन और खुशियों को आकर्षित करता है तथा करियर में ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करता है।

रत्न धारण करने से पहले इस बात का रखा ध्यान

ओपल, पेरिडॉट और लाजवर्त जैसे रत्न न केवल सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं, बल्कि सुख, समृद्धि और आत्मविश्वास का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। बस आपको इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि किसी भी रत्न को पहनने से पहले किसी रत्न शास्त्र के जानकार या किसी ज्योतिषी से सलाह लेना चाहिए। रत्न शास्त्र के अनुसार, सही रत्न का चयन व्यक्ति की किस्मत बदल सकता है। वहीं, अगर आप अपनी कुंडली और राशि के विपरीत रत्न पहनने हैं, तो इसका आपके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है।

शनि के मार्गी होने से बनेंगे धन और तरक्की के योग

न्याय के देवता शनि जब भी मार्गी होते हैं तो किसी न किसी की किस्मत जरूर चमकती है। 28 नवंबर 2025 को शनि मीन राशि में मार्गी होने जा रहे हैं। जानिए शनि का ये परिवर्तन किन राशियों के लिए शुभ रहेगा।

शनि देव जब अपनी वक्री चाल छोड़कर सीधा चलना शुरू करते हैं तो उसे ही शनि का मार्गी होना कहते हैं। शनि के मार्गी होने का सभी राशियों पर गहरा असर पड़ता है। शनि की चाल बदलते ही कर्मों का फल तेजी से मिलने लगता है। इस बार शनि के मार्गी होने से कुछ राशियों को धन, करियर और प्रतिष्ठा में जबरदस्त वृद्धि के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं शनि की चाल बदलने से किन राशियों को लाभ मिलेगा।

वृषभ राशि : धन लाभ के प्रबल योग बनेंगे

शनि के मार्गी होने से वृषभ राशि वालों के लिए धन लाभ के प्रबल योग बनेंगे। पुराने अटके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं। बिजनेस में तरक्की मिलेगी और निवेश से लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन मिलेगा अनेक माध्यमों से धन प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

कन्या राशि : मेहनत का उचित फल मिलेगा

कन्या राशि वालों के लिए शनि देव सौभाग्य और स्थिरता लेकर आ रहे हैं।

आपको आपकी मेहनत का उचित फल मिलेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। घर-परिवार का माहौल सकारात्मक रहेगा। नई नौकरी मिलने की संभावना है।

मकर राशि : नया व्यवसाय शुरू करने का भी उत्तम समय रहेगा

मकर राशि वालों के लिए शनि का मार्गी होना शुभ साबित होगा। आपके अटके काम पूरे होंगे। लंबे समय से चल रही परेशानियां खत्म हो जाएंगी और वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए अच्छा समय है।

कुंभ राशि : तरक्की, मान-सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी

शनि के मार्गी होते ही कुंभ राशि वालों की किस्मत चमक जाएगी। आपको तरक्की, मान-सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। जॉब में प्रमोशन के योग बन रहे हैं। निवेश और बचत के नए अवसर बनेंगे। रिस्क के कार्यों से अच्छा पैसा कमाएंगे।

धनु राशि : किसी पुराने निवेश या सरकारी योजना से लाभ मिलेगा

शनि के मार्गी होने से धनु वालों को भी खूब लाभ मिलेगा। नए काम की शुरुआत के योग हैं। किसी पुराने निवेश या सरकारी योजना से आपको अच्छा लाभ मिल सकता है। रुका हुआ काम पूरा होगा।

क्यों किया जाता है मणिकर्णिका स्नान और क्या है इसकी कथा

मणिकर्णिका स्नान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा की पवित्रता का उत्सव है। इस दिन वाराणसी में लाखों श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाकर मोक्ष की कामना करते हैं। कहा गया है, काश्यां मरणं मुक्तिः, स्नानं मणिकर्णिकायाम

अर्थात: काशी में मरण मुक्ति का द्वार है और मणिकर्णिका में स्नान उसका प्रारंभ

मणिकर्णिका घाट का आध्यात्मिक महत्व

वाराणसी का मणिकर्णिका घाट न केवल गंगा के तट का सबसे प्राचीन स्थान है, बल्कि यह जीवन और मृत्यु के रहस्यों का संगम भी है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति यहां स्नान करता है या देह त्यागता है, उसे भगवान शिव स्वयं मोक्ष प्रदान करते हैं। इसी कारण इसे मोक्षभूमि काशी का हृदय भी कहा जाता है। मणिकर्णिका घाट का नाम दो शब्दों से बना है मणि (रत्न) और कर्णिका (कान)।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माता सती के कान के आभूषण (मणिकर्ण) इसी स्थान पर गिरे थे, जिससे इसका नाम मणिकर्णिका घाट पड़ा।

मणिकर्णिका स्नान की पौराणिक कथा

पुराणों के अनुसार, जब प्रजापति दक्ष ने अपनी पुत्री सती का विवाह भगवान शिव से किया, तो वे इस विवाह से संतुष्ट नहीं थे।

एक बार दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया गया। जब सती वहां पहुंचीं और अपने पति का अपमान सुना तो उन्होंने यज्ञ अग्नि में आत्मदाह कर लिया।

जब भगवान शिव को यह ज्ञात हुआ, तो वे क्रोध और दुःख से व्याकुल होकर सती के शरीर को उठाए पृथ्वी पर घूमने लगे। उनके इस तांडव से तीनों लोकों में भय फैल गया। तब भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर के टुकड़े किए, जिससे 51 शक्ति पीठों की उत्पत्ति हुई।इसी क्रम में जब सती के कर्ण-आभूषण गिरे, तो वह स्थान वाराणसी का मणिकर्णिका घाट कहलाया। कहा जाता है कि उसी स्थान पर भगवान विष्णु ने भी स्नान कर अपने चक्र प्रहार के पाप से मुक्ति पाई थी। तभी से यहां मणिकर्णिका स्नान का आरंभ हुआ, जो आज भी मोक्षदायिनी परंपरा के रूप में जीवित है।

शाहरुख खान ने 'रा.वन' के सीक्वल को लेकर दिया बड़ा हिंट

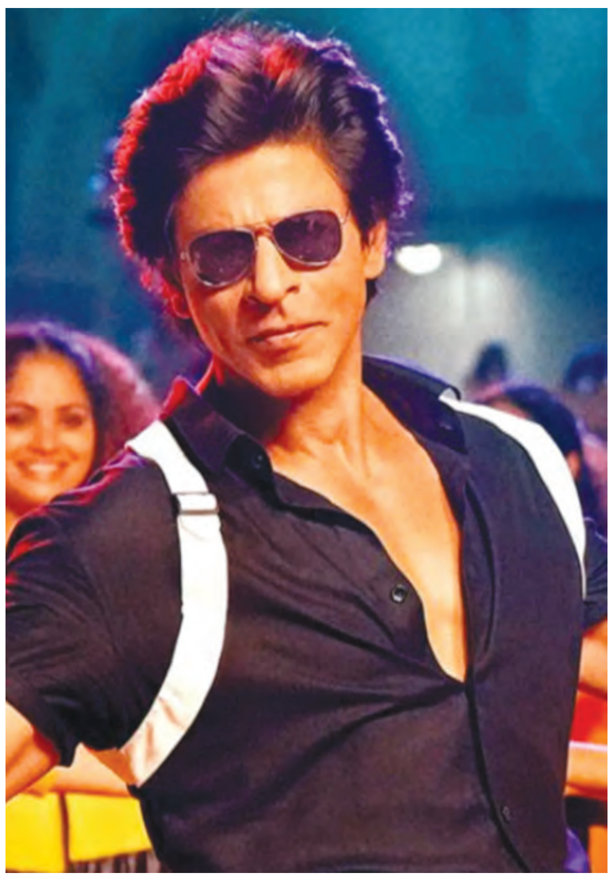

साल 2011 में शाहरुख खान की फिल्म 'रा.वन' रिलीज हुई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं किया लेकिन किंग खान के लिए यह खास थी। इस फिल्म का सीक्वल बनाने को लेकर भी उन्होंने बात की है। क्या सच में फिल्म 'रा.वन' का सीक्वल बनने वाला है।

शाहरुख के दिल के करीब है फिल्म रा.वन

रविवार को शाहरुख खान ने अपने 60वें जन्मदिन पर फैंस से बातचीत में कहा, 'फिल्म 'रा वन' एक नई तरह की फिल्म थी, जो मेरे दिल के बहुत करीब थी। अनुभव सिन्हा ने इसे बहुत मेहनत से बनाया। मैं चाहता था कि इससे एक नया ट्रेंड शुरू हो। लोग कहें कि क्या सुपरहीरो फिल्म है और विजुअल इफेक्ट्स के मामले में नए स्टूडियो शुरू हों। मैंने सोचा था बहुत कुछ बदल जाएगा, लेकिन वैसा नहीं हुआ। शायद उस समय लोग प्ले स्टेशन या आईपैड जैसी चीजों से इतने परिचित नहीं थे लेकिन आज हैं। इसलिए अगर अब वही कहानी दिखाई जाए तो लोग उससे बेहतर जुड़ पाएंगे।'

कब बनेगा अगला पार्ट

जब शाहरुख खान से पूछा गया कि क्या 'रा.वन' का सीक्वल बनेगा। तो वह कहते हैं, 'हां, अगर अनुभव सिन्हा तय करें। वही इसे बना सकते हैं। अनुभव ने बहुत मेहनत की थी। शायद कभी सही समय आने पर हम इसे फिर से कर सकें। अब तो आसान भी है, तब उस कॉस्ट्यूम में मैंने लगभग 8 किलो वजन घटा लिया था।'

फिल्म में नजर आए थे ये एक्टर्स

फिल्म 'रा.वन' में शाहरुख खान के अलावा करीना कपूर, अर्जुन रामपाल जैसे एक्टर्स नजर आए। फिल्म में एक वीडियो गेम की दुनिया दिखाई गई, जिसका विलेन हमारी असली दुनिया में आ जाता है। शाहरुख के मौजूदा करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। शाहरुख के जन्मदिन पर इस फिल्म का टीजर भी रिवील किया गया।

'नेशनल अवॉर्ड और ऑस्कर में भी होती है लॉबिंग', परेश रावल का बड़ा बयान

परेश रावल की गिनती इंडस्ट्री के मंझे हुए और दिग्गज कलाकारों में होती है। इन दिनों अभिनेता अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'द ताज स्टोरी' को लेकर चर्चाओं में हैं। ताज महल पर आधारित इस कहानी को लेकर कुछ विवाद भी रहा। फिलहाल फिल्म सिनेमाघरों में चल रही है। इस बीच परेश रावल ने नेशनल अवॉर्ड में लॉबिंग किए जाने को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने ऑस्कर को लेकर भी कई बड़ी बातें बताईं।

नेशनल अवॉर्ड्स में भी लॉबिंग होती होगी

परेश रावल हाल ही में राज शमनी के साथ उनके पॉडकास्ट में पहुंचे। यहां एक्टर ने अपने करियर और नेशनल अवॉर्ड व ऑस्कर को लेकर भी बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इन अवॉड्र्स समारोह में लॉबिंग की कितनी भूमिका रहती है। फिल्म पुरस्कारों की विश्वसनीयता के बारे में बात करते हुए परेश रावल ने कहा कि मुझे पुरस्कारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। एक बात मैं ये भी बोलूं, नेशनल अवॉर्ड में थोड़ी बहुत लॉबिंग होती होगी। उतनी नहीं है जितनी बाकी के अवाड्र्स में होती है। बाकी के अवॉर्ड की तो बात करो या ना करो, कोई फर्क नहीं पड़ता। नेशनल अवॉर्ड की काफी प्रतिष्ठा है।

ऑस्कर में लॉबिंग पर भी बोले परेश

अभिनेता ने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि लॉबिंग सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठि अवॉड्र्स ऑस्कर को लेकर उन्होंने कहा कि ऑस्कर अवॉड्र्स में भी लॉबिंग होती है।

अवॉड्र्स प्रक्रिया पर एक्टर ने कहा कि यह प्रक्रिया काफी हद तक प्रभाव और नेटवर्किंग से प्रेरित होती है। लॉबिंग के प्रयासों के तहत बड़ी पार्टियां भी आयोजित की जाती हैं। जितने अकादमी के सदस्य होते हैं, सबको व्हिप अप किया जाता है।

कोई अवॉर्ड जीतने की नहीं है इच्छा

परेश रावल ने बताया कि वो कोई खास अवॉर्ड जीतने की बजाय, निर्देशक समेत अपने क्रिएटिव सहयोगियों से सराहना और असली पहचान चाहते हैं। उनकी यह चाहत यहीं खत्म हो जाती है और वह इससे आगे कुछ नहीं देखना चाहते। बता दें कि परेशव रावल को साल 1993 में 'छोकरी' और 'सर' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला हुआ है।

'द ताज स्टोरी' और 'थामा' में नजर आए हैं परेश रावल

वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द ताज स्टोरी' में नजर आए हैं। इस फिल्म में परेश एक गाइड बने हुए हैं। इसके अलावा वो दिवाली पर रिलीज हुई आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' में भी अहम भूमिका में थे। इस फिल्म में परेश रावल ने आयुष्मान के पिता की भूमिका निभाई है।

आलिया भट्ट और शर्वरी की फिल्म अब अगले साल मचायेगी धमाल

आलिया भट्ट, शर्वरी वाघ और बॉबी देओल स्टारर 'अल्फा' की रिलीज टल गई है। जी हां, 'YRF स्पाई यूनिवर्स' की यह एक्शन एंटरटेनर पहले इसी साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब इसे अगले साल अप्रैल, 2026 तक के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है। यशराज फिल्म्स ने नई रिलीज डेट के साथ ही देरी के कारण की भी पुष्टि की है। बताया गया है कि फिल्म के VFX का काम अभी बाकी है और इसे बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देने के लिए अभी और वक्त लगेगा।

'अल्फा' के साथ ही 'स्पाई यूनिवर्स' में आलिया भट्ट और शर्वरी वाघ की एंट्री होने वाली है। इस फिल्म में अनिल कपूर भी नजर आएंगे, जो हाल ही फ्रेंचाइज की फिल्म 'वॉर 2' में भी नजर आए थे। 'अल्फा' को पोस्टपोन करने का फैसला ऐसे समय आया है, जब फ्रेंचाइजी की पिछली दो फिल्में 'वॉर 2' और 'टाइगर 3' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाईं। समझा जा रहा है कि मेकर्स ऐसे में सीरीज की अगली फिल्म में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

'अल्फा' रिलीज डेटः अब 17 अप्रैल 2026 को होगी रिलीज

यशराज फिल्म्स के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा है,'अल्फा, हमारे लिए बेहद खास फिल्म है और हम इसे सबसे बेहतरीन सिनेमाई अंदाज में दर्शकों के सामने पेश करना चाहते हैं। हमें एहसास हुआ कि VFX में पहले के अनुमान से अधिक समय लगेगा। हम इसमें कोई भी कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं और अल्फा को एक ऐसी थिएट्रिकल एक्सपीरियंस बनाना चाहते हैं, जिसे लोग याद रखें। लिहाजा, अब यह फिल्म 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी।'

स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड एक्शन फिल्म

'अल्फा' में आलिया भट्ट और शर्वरी दोनों ही एक्शन अवतार में नजर आएंगी। यह आलिया की वाईआरएफ के साथ पहली फिल्म है। यह 'वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स' की पहली फिल्म है, जो पूरी तरह फीमेल लीड एक्शन एंटरटेनर होगी।'

दिसंबर में 'धुरंधर', मार्च में 'टॉक्सकि', अप्रैल में 'अल्फा'

अब साल 2025 के आखरिी महीने में रणवीर सिंह की 'धुरंधर' सबसे बड़ी बॉलीवुड रिलीज बची है। यह फल्मि 5 दिसंबर को दस्तक देगी। जबकि अगले साल 2026 की मूवी रिलीज कैलेंडर बड़ी दिलचस्प होती जा रही है। अगले साल मार्च में ईद पर जहां यश की 'टॉक्सकि' रिलीज हो रही है, वहीं अप्रैल में 'अल्फा' और फिर पहली छमाही के बाद संजय लीला भंसाली 'लव एंड वॉर' रिलीज करने वाले हैं।

सेट से रोते हुए चली गई थीं अनन्या पांडे:एक्ट्रेस के सामने फराह ने कहा- जिसे मैं रुलाती हूं, वो बड़ी स्टार बनती है

काजोल और ट्विंकल खन्ना के टॉक शो 'टू मच' के अगले एपिसोड में एक्ट्रेस अनन्या पांडे और फिल्ममेकर-कोरियोग्राफर फराह खान आएंगी। ये एपिसोड 6 नवंबर को रिलीज होगा। इससे पहले मेकर्स ने इसका एक प्रोमो वीडियो शेयर किया।

वीडियो की शुरुआत में फराह, अनन्या की तरफ इशारा करती हैं और मजाक में कहती हैं, "ये मेरी बेटी हो सकती थी, क्योंकि मुझे चंकी पांडे पर बहुत क्रश था।" उनके इस बात पर सब हंस पड़ते हैं।

इसके बाद अनन्या अपने करियर के शुरुआती दिनों का एक किस्सा बताते हुए कहती हैं, "मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी, लेकिन मैं सेट से रोते हुए चली गई थी।" इस पर फराह कहती हैं, "जिस भी हीरोइन को मैं रुलाती हूं, वो बाद में बड़ी स्टार बनती है।"

काजोल इस दौरान अपनी चुलबुले अंदाज में बोलती हैं, "मुझसे झूठ बोलो बेबी, मुझसे झूठ बोलो।" काजोल की इस बात से फिर से प्रोमो में हंसी का माहौल बन जाता है।

बातचीत के दौरान अनन्या कहती हैं, "हमारी जेनरेशन पहली है जो मेंटल हेल्थ पर फोकस करती है।" फराह फौरन मजाक करते हुए कहती हैं, "जब भी किसी को किसी चीज से निकलना होता है, वो बोलता है मेंटल हेल्थ इश्यू है।" वीडियो के आखिर में फराह, ट्विंकल को लेकर कहती हैं, "मुझे याद है, तुम अपने बॉयफ्रेंड के साथ फ्रंट रो में बैठी थीं, जिस पर हम सब मर रहे थे।"

इस पर काजोल बोलती हैं, "रुको जरा" अनन्या पूछती हैं, "कौन था वो?" ट्विंकल हंसते हुए जवाब देती हैं, "मैं इस पर कुछ नहीं बोलूंगी।"बता दें कि काजोल और ट्विंकल का शो 'टू मच' 25 सितंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है। इससे पहले इस शो में सलमान खान-आमिर खान, वरुण धवन-आलिया भट्ट, अक्षय कुमार-सैफ अली खान, गोविंदा-चंकी पांडे, जाह्नवी कपूर-करण जौहर और सोनाक्षी सिन्हा-मनीष मल्होत्रा जैसे सितारे आ चुके हैं।

'हनु मान' के डायरेक्टर पर 20 करोड़ गटक जाने के आरोप, 200 करोड़ मांगा हर्जाना, प्रशांत वर्मा ने तोड़ी चुप्पी

साल 2024 में 'हनु मान' से दर्शकों के दिल और दिमाग पर छा जाने वाले डायरेक्टर प्रशांत वर्मा विवादों में घिर गए हैं। उन पर 20 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का अरोप लगा है। 'प्राइमशो एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड' के निरंजन रेड्डी ने आरोप लगाया है कि फिल्म निर्माता ने एडवांस में मोटी रकम लेने के बाद भी कई फिल्मों को तय समय में पूरा नहीं किया है। यह विवाद, तेलुगू फिल्म चैंबर तक पहुंच चुका है। हालांकि, अब इस पर प्रशांत वर्मा ने सफाई जारी की है। उन्होंने कहा है कि यह मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए इस पर सार्वजनिक रूप से कोई अटकलबाजी नहीं होनी चाहिए।

यह पूरा मामला तब सामने आया है, जब खबर लगी कि प्राइमशो एंटरटेनमेंट सहित कई टॉलीवुड प्रोड्यूसर्स ने तेलुगू फिल्म चैंबर में शिकायतें दर्ज करवाई हैं। इन शिकायतों में दावा किया गया है कि प्रशांत वर्मा ने कई प्रोजेक्ट्स के लिए भारी-भरकम एडवांस फीस ली, पर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया। यह स्थिति तब और बिगड़ गई जब यह विवाद सोशल मीडिया पर जगजाहिर हो गया।

'हनु मान' के डायरेक्टर ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा है, 'मेरे और मेसर्स प्राइमशो एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बीच विवाद तेलुगू फिल्म 'चैंबर'/तेलुगू फिल्म निर्देशक संघ के सामने लंबित है। यह न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में दलीलों, ईमेल, समझौतों या वित्तीय विवरणों को जगजाहिर करना अदालत की कार्यवाही में दखल देने के जैसा है।'

'अधीरा', 'महाकाली', 'जय हनुमान' और 'ब्रह्म राक्षस' को लेकर हैं आरोप

प्रशांत वर्मा के खलिाफ शिकायत में बताया गया है कि 'हनु मान' के निर्माण के बाद, डायरेक्टर ने 'अधीरा', 'महाकाली', 'जय हनुमान' और 'ब्रह्म राक्षस' सहित कई फिल्मों के निर्देशन पर सहमति जताई दी थी। प्राइमशो के रेड्डी का कहना है कि उन्होंने इन प्रोजेक्ट्स के लिए डायरेक्टर को 2022 तक कुल 2 करोड़ रुपये और 2024 में 8 करोड़ रुपये और का भुगतान किया है। आरोप है कि पैसे लेने के बावजूद प्रशांत वर्मा ने बाद में कहा कि कोई अन्य डायरेक्टर इनमें से कुछ फल्मिों का निर्माण करेंगे। साथ ही उन्होंने और अधकि पैसों की मांग की।

मांगा 200 करोड़ रुपये का हर्जाना

शिकायत के मुताबिक, निरंजन रेड्डी का यह भी दावा है कि प्राइम शो ने इन प्रोजेक्ट्स के लिए 10 करोड़ रुपये से अधकि पैसे दिए हैं। जबकि एक अन्य फल्मि 'ऑक्टोपस' के लिए 10 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिया गया है। अब निर्माता 'जय हनुमान' के लिए 100 करोड़ रुपये और बाकी की अन्य फल्मिों के लिए 25-25 करोड़ रुपये का मुआवजा मांग रहे हैं। यानी कुल मिलाकर 200 करोड़ रुपये का हर्जाना।

प्रशांत बोले- फिल्म ने 295 करोड़ कमाए, मुझे बस 7 करोड़ मिले

इन आरोपों और दावों के जवाब में, प्रशांत वर्मा ने चैंबर को बताया कि 'हनु मान' की दुनियाभर में 295 करोड़ रुपये की कमाई करने के बावजूद, उन्हें रिलीज के बाद केवल लगभग 7 करोड़ रुपये मिले और कोई मुनाफा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि 'अधीरा' के लिए उन्हें टीजर डायरेक्टर के लिए 1 करोड़ रुपये मिले थे और उससे ज्यादा कुछ नहीं मिला है। प्रशांत वर्मा ने अपनी सफाई में कहा, 'मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप झूठे, निराधार और बदले की भावना से प्रेरित हैं।'

कौन हैं पलाश मुच्छल? जिन्होंने हाथ में गुदवाया है स्मृति मंधाना का टैटू, बॉलीवुड से है ऐसा कनेक्शन

बीते रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे विश्वकप जीतकर इतिहास रच दिया। इसके बाद से देश में चारों तरफ जश्न का माहौल है। इसी दौरान पलाश मुच्छल ने कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसमें वो क्रिकेटर स्मृति मंधाना के साथ भारत की जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। हालांकि पलाश के हाथ पर स्मृति के नाम के टैट ने नेटिजंस का ध्यान खींचा। हर कोई जानना चाह रहा है कि कौन हैं पलाश मुच्छल, जो अपनी शादी को लेकर भी चर्चा में हैं।

पलाश ने क्या टैटू बनवाया?

महिला विश्व कप 2025 में स्मृति मंधाना ने शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद पलाश मुच्छल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें उनके हाथ पर 'SM18' नाम का टैटू भी साफ दिखाई दे रहा है। आपको बताते चलें कि इस टैटू में SM का अर्थ है स्मृति मंधाना और 18 नंबर का अर्थ है उनका जन्मदिन, जो उनका जर्सी नंबर भी है। इस वजह से पलाश सुर्खियों में आ गए हैं।

कौन हैं पलाश मुच्छल?

पलाश मुच्छल बॉलीवुड इंडस्ट्री के युवा संगीतकारों में शामिल हैं। पलाश संगीत निर्देशक भी हैं। इसके अलावा वह प्रसिद्ध गायिका और समाजसेवी पलक मुच्छल के भाई भी हैं। पलाश ने अपने करियर की शुरुआत साल 2014 में शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'ढिशकियाऊं' से बतौर संगीतकार के रूप में शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने 'भूतनाथ रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में भी संगीत देने का काम किया।

इन गानों की वजह से जाने जाते हैं पलाश

पलाश मुच्छल ने अभी तक के करियर में कई हिट गाने गाने दिए हैं। इस लिस्ट में 'पार्टी तो बनती है', 'तू ही है आशिकी', 'लड़की तू कमाल की' जैसे गानें शामिल हैं। साथ ही आपको बता दें कि पलाश ने दीपिका पादुकोण की फिल्म 'खेलें हम जी जान से' में अभिनय भी किया है।

कितनी संपत्ति के मालिक हैं पलाश मुच्छल?

पलाश की कुल संपत्ति 24 करोड़ रुपये से 41 करोड़ रुपये के बीच होने का अनुमान है। हालांकि यह आंकड़ा आधिकारिक नहीं है। उन्होंने फिल्मों, अपने गाने और म्यूजिक कौलेबरेशन के जरिए यह मुकाम हासिल किया है। एक इंटरव्यू में पलाश ने कहा था कि उन्हें सादा जीवन जीना पसंद है।

पलाश-स्मृति की शादी के तारीख हो रही वायरल

स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की प्रेम कहानी साल 2019 में शुरू हुई, जब उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। अब करीब 6 साल बाद दोनों की शादी की भी चर्चाएं होने लगी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो स्मृति और पलाश नवंबर के महीने में ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की शादी का जश्न 20 नवंबर से ही शुरू हो जाएगा। ऐसे में शादी की तरीख 20 नवंबर या उसके आस-पास हो सकती है। हालांकि, अभी तक दोनों या उनके परिवारों की ओर से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

फिल्म हक की रिलीज पर रोक की मांग

शाहबानो की बेटी ने मेकर्स को भेजा लीगल नोटिस, आरोप- बिना अनुमति बनाई गई फिल्म

यामी गौतम और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म हक विवादों में घिरती नजर आ रही है। ये फिल्म शाहबानो केस पर बनी है, जिन्होंने 1970 में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की मांग करते हुए राष्ट्रीय बहस छेड़ दी थी। अब शाह बानो की बेटी ने फिल्म की रिलीज रोके जाने की मांग करते हुए इंदौर हाई कोर्ट में याचिका दायर की है और साथ ही फिल्म के मेकर्स को लीगल नोटिस भेजा है। इस मामले की सुनवाई जल्द होगी।

शाहबानो की बेटी सिद्दिका बेगम खान के वकील तौसिफ वारसी ने याचिका में कहा कि फिल्म से मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी और साथ ही कहा गया है कि फिल्म में शरिया कानून की नकारात्मक छवि पेश की गई है।

याचिका में ये भी कहा गया है कि मेकर्स ने शाहबानो पर फिल्म बनाने से पहले उनकी कानूनी वारिस से किसी तरह की इजाजत नहीं ली।

याचिका दायर होने के बाद फिल्म के डायरेक्टर सुपर्ण एस.वर्मा, प्रोडक्शन पार्टनर, प्रमोटर्स और फिल्म को सर्टिफिकेट देने वाली एथॉरिटी को लीगल नोटिस जारी किया गया है।

शाह बानो की बेटी की याचिका में ये भी कहा गया है कि फिल्म हक स्वर्गीय शाह बानो बेगम की निजी और व्यक्तिगत जीवन को दर्शाती है, जिसमें उनके परिवार से जुड़े कई संवेदनशील घटनाक्रम, पर्सनल एक्सपीरियंस और सोशल परिस्थितियां शामिल हैं।

वकील ने कहा कि उनकी मुवक्किल सिद्दिका के पास उनकी मां शाह बानो के जिंदगी के मोरल और लीगल अधिकार सुरक्षित हैं। लेकिन मेकर्स ने फिल्म बनाने से पहले उनकी अनुमति नहीं ली है।

बता दें कि ये फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। फिल्म में यामी गौतम ने शाह बानो का किरदार निभाया है, जबकि इमरान हाशमी ने उनके पति मोहम्मद अहमद खान के रोल में हैं।

क्या है शाह बानो केस?

शाहबानो बेगम, मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली एक मुस्लिम महिला थीं। उनकी शादी मोहम्मद अहमद खान नामक वकील से हुई थी। शाह बानो को उनके पति ने तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया था। तलाक के बाद शाहबानो ने मैंटेनेंस के लिए अदालत में याचिका दायर की थी। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला दिया। जबकि मुस्लिम शरियत कानून के मुताबिक महिला को सिर्फ इद्दत (तलाक या पति की मौत के बाद मनाया जाने वाला शोक) तक ही मैंटेनेंस दिया जाता है। कोर्ट के फैसले का मुस्लिम संगठनों द्वारा जमकर विरोध किया गया था। कहा गया कि कोर्ट का फैसला इस्लाम के शरिया कानून के खिलाफ है।

इस मुद्दे पर राष्ट्रीय बहस छिड़ गई, जिसके बाद भारी राजनीतिक दबाव के चलते, तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार ने 1986 में मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकार संरक्षण) अधिनियम पारित किया।इस कानून में कहा गया कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को भरण-पोषण केवल इद्दत की अवधि (लगभग 3 महीने) तक ही मिलेगा। हालांकि समय के साथ मुस्लिम महिलाओं को भी मैंटेनेंस मांगने का अधिकार दिया जाने लगा। इस मामले में अब भी बहस जारी है।

कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड्रे ने हाथियों की मौत पर जांच के आदेश दिए

बेलगावी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बेलगावी जिले में बिजली का करंट लगने से मरे दो हाथियों की मौत की जांच के आदेश दिए हैं। यह घटना बेलगावी जिले के खानापुर के पास सुलैगाली गांव में हुई। मंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए एक बयान में कहा कि आरोप हैं कि वन अधिकारियों ने पिछले कुछ दिनों से इलाके में हाथियों के होने के बावजूद जरूरी सावधानियां नहीं बरतीं।

मंत्री ने मुख्य वन्यजीव वार्डन को इस मामले की पूरी जांच करने और पांच दिनों के अंदर एक विस्तृत रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है, साथ ही अगर कोई कमी पाई जाती है तो अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए सुझाव भी देने को कहा है।

खतरे में 14 माह के मासूम की जान: 9 करोड़ का इंजेक्शन चाहिए

पिता ने सोशल मीडिया पर मांगी मदद

जमालपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। (मीरजापुर)। क्षेत्र के करजी गांव निवासी आलोक कुमार द्विवेदी का 14 माह का पुत्र विनायक द्विवेदी स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित है। इस बीमारी के कारण बालक की मांसपेशियों में कमजोरी आ गई है, जिससे उसकी सामान्य गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो रही है। विनायक का इलाज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की चिकित्सकों की एक टीम द्वारा किया जा रहा है।

बालक के स्वास्थ्य में सुधार के लिए 9 करोड़ रुपये की लागत का एक विशेष इंजेक्शन लगाना आवश्यक है। इस भारी भरकम राशि की व्यवस्था करने में असमर्थ आलोक कुमार ने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। उन्होंने अपने पुत्र की तस्वीरें और चिकित्सकों द्वारा दिए गए इलाज का अनुमान साझा

करते हुए लोगों से सहयोग की अपील की है। अब तक उन्हें 8.12 लाख रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है, लेकिन यह राशि आवश्यक राशि के मुकाबले बहुत कम है।

मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने भी इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर विनायक के इलाज में मदद करने की अपील की है। विधायक ने कहा कि इस गंभीर स्थिति में सभी को मिलकर बालक की सहायता करनी चाहिए। विनायक के पिता आलोक कुमार ने बताया कि उन्हें अपने बेटे के जल्द स्वस्थ होने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से वे अपने बेटे का इलाज करवा सकेंगे। आलोक ने कहा, मैं अपने बेटे के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हूँ और मुझे विश्वास है कि वह जल्द ही ठीक हो जाएगा। इस प्रकार की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के लिए समाज में जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है।

ऐसे मामलों में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होती है ताकि जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता मिल सके। विनायक की स्थिति ने क्षेत्र के लोगों को एकजुट किया है और कई लोग उसकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। यह एक सकारात्मक संकेत है कि समाज में अभी भी मानवता और सहयोग की भावना जीवित है।

स्थानीय लोगों ने आशा जताई है कि विनायक को जल्द ही आवश्यक सहायता मिलेगी और वह स्वस्थ होकर अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी सकेगा। समाज के सभी वर्गों से अपील भी परजिनों और संगठनों की ओर से की जा रही है कि वे इस नेक कार्य में सहयोग करें और विनायक के इलाज में मदद करें।

बीजेपी के मंत्री ने ही नीतीश सरकार पर उठाए सवाल कहा-बिहार में फोन करने पर घर पहुंच जाती है शराब

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 6 तारीख को है। चुनाव प्रचार अपने अंतिम चरण में है। सभी दल अपने-अपने वादे करता नजर आ रहा है। महागठबंधन का कहना है कि सरकार आने के बाद शराबबंदी खत्म कर दी जाएगी। जबकि एनडीए शराबबंदी के पक्ष में है। हालांकि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने नीतीश सरकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में फोन करने पर घर शराब घर पहुंच जाती है। मध्य प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने फेसबुक लाइव के दौरान बिहार की शराबबंदी नीति पर बड़ा बयान दिया है।

लोधी ने कहा कि बिहार में शराबबंदी लागू तो है, लेकिन फोन करने पर घर तक शराब पहुंच जाती है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में आज भी शराब माफिया एक्टिव हैं और वहां की स्थिति सरकार के नियंत्रण से बाहर है। धर्मेंद्र लोधी ने कहा कि केवल कानून बनाकर शराबबंदी लागू करने से कोई बड़ा बदलाव नहीं होता है। जब तक व्यक्ति स्वयं शराब पीना न छोड़े, तब तक समाज से यह बुराई समाप्त नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सामाजिक जागरूकता और आत्म संयम जरूरी है।

फेसबुक लाइव के दौरान लोधी अपनी विधानसभा क्षेत्र में शराब माफिया से संबंधों के आरोपों पर सफाई दे रहे थे। इसी बीच उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए वहां की शराब नीति पर सवाल उठाए। उनके इस बयान से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है, क्योंकि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से बिहार की अपनी ही सहयोगी सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। धर्मेंद्र लोधी पर पिछले दिनों शराब माफियाओं से सांठगांठ के आरोप लगे थे। इसके बाद उन्होंने फेसबुक पर सफाई पेश की थी। इसी दौरान उन्होंने नीतीश सरकार की शराबबंदी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंत्री ने रविवार सुबह फेसबुक पर लाइव आकर कहा कि जो बिना किसी तथ्य के छवि बिगाड़ेगा, पुलिस उसे उठाएगी भी और पीटेगी भी। गलत करने वालों पर कार्रवाई निश्चित होगी।

फर्जी पासपोर्ट घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नदिया में बढ़ई के घर छापा पाक कनेक्शन की जांच

कोलकाता, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चकदह इलाके में प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को एक बढ़ई के घर पर छापा मारा। यह कार्रवाई फर्जी पासपोर्ट घोटाले से जुड़ी जांच के सिलसिले में की गई। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी बढ़ई फर्जी पासपोर्ट तैयार करने में शामिल था और इनमें से कई पासपोर्ट विदेश भेजे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा हमने इस व्यक्ति के घर पर तलाशी ली है और उससे पूछताछ की जाएगी। यह मामला एक बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। बता दें कि इसी मामले में ईडी ने अक्टूबर में चकदह के ही इंदुभूषण हल्दर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

उस पर आरोप था कि उसने एक पाकिस्तानी ऑपरेटिव की मदद से बांग्लादेशी नागरिकों के लिए अवैध पासपोर्ट तैयार करवाए थे। अधिकारियों के अनुसार, इंदुभूषण हल्दर से पूछताछ के दौरान इस बढ़ई का नाम सामने आया। जांच एजेंसी अब इस पूरे नेटवर्क की तह तक जाने में जुटी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस रैकेट का संचालन किन लोगों द्वारा किया जा रहा था और इन फर्जी पासपोर्टों का इस्तेमाल किन देशों में हुआ। ईडी सूत्रों के अनुसार, शुरुआती जांच में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उन्हें भेजने का संदेह है। फिलहाल, एजेंसी इस पूरे नेटवर्क के तारों को जोड़ने में लगी है।

तलाकशुदा महिला की नृशंस हत्या

बंगलूरू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी में हत्या का मामला सामने आया है। बंगलूरू में केजी हल्लि थाना क्षेत्र के पिल्लन्ना गार्डन के पास 40 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। महिला के पुरुष मित्र ने चाकू से गोदकर हत्या की है। पुलिस के अनुसार, मृतका तलाकशुदा थी और आरोपी, 43 वर्षीय विवाहित व्यक्ति, के साथ उसका गुप्त संबंध था।

कुछ समय से दोनों के बीच शादी को लेकर विवाद चल रहा था, क्योंकि महिला उस पर विवाह के लिए दबाव डाल रही थी, जबकि आरोपी इसके खिलाफ था। महिला जब काम से लौट रही थी, तब आरोपी ने बातचीत के बहाने उसे बुलाया और मौके पर कई बार चाकू से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया है।

एमपी से 11 बाघों को स्थानांतरित करने से पहले राजस्थान

ओडिशा और छत्तीसगढ़ भेजी जाएगी टीम

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश वन विभाग अब देश के तीन राज्यों राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ को बाघ देने से पहले ग्राउंड लेवल अध्ययन (मैदान सर्वे) करवाएगा। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि एमपी से कम से कम 11 बाघों को अन्य राज्यों में स्थानांतरित करने की योजना पर काम चल रहा है।

विभाग के अनुसार, यह कदम किसी भी संभावित हादसे या असफल टाइगर ट्रांसलोकेशन की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाया गया है। इसके लिए विशेष दल बनाकर तीनों राज्यों में भेजे जाएंगे,

जो वहां के रिलीज साइट्स की सुरक्षा, शिकार आधार, आवासीय स्थिति और पर्यावरणीय तैयारी की विस्तृत जांच करेंगे। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि टीमें तीनों राज्यों में जाकर जमीनी स्तर पर अध्ययन करेंगी। यदि किसी तरह की कमी पाई जाती है, तो विभाग आवश्यक मार्गदर्शन और सिफारिशें देगा। वन विभाग के अनुसार, सतकोसिया वन्यजीव अभयारण्य (ओडिशा) में हुए असफल ट्रांसलोकेशन के अनुभव को ध्यान में रखते हुए अब पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ा जा रहा है। वर्ष 2018 में कान्हा से सतकोसिया भेजे गए एक बाघ की मौत और एक बाघिन सुंदरी को सुरक्षा कारणों से वापस लाना पड़ा था। विभागीय सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में मौसम की स्थिति ट्रांसलोकेशन के लिए अनुकूल नहीं है।

लगातार वर्षा के कारण विभाग ने निर्णय लिया है कि बाघों का स्थानांतरण 15 नवंबर के बाद ही किया जाएगा, जब सर्दी की शुरूआत के साथ मौसम स्थिर होगा।

'महाराष्ट्र के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना होगा', आचार्य तुषार भोसले का बड़ा बयान

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। आध्यात्मिक आघाडी के प्रमुख आचार्य तुषार भोसले ने कहा है कि राज्य के सभी मदरसों में वंदे मातरम् का गान अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि जिन मदरसों में वंदे मातरम् नहीं गाया जाता, उनका सरकारी फंड तुरंत बंद किया जाए। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो सकता है। आचार्य तुषार भोसले ने कहा कि वंदे मातरम् हमारे राष्ट्र की आत्मा है और हर भारतीय को इसका सम्मान करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की कुछ स्कूलों में वंदे मातरम् गाने पर कुछ लोगों ने विरोध जताया है, जो राष्ट्र के गौरव के खिलाफ है। भोसले के अनुसार, "स्कूल हमारे, देश हमारा, छात्र हमारे और सरकार भी हमारी है।।। फिर विरोध कौन कर रहा है? ऐसे लोग कौन हैं जो भारत में रहकर भी देशभक्ति से परहेज करते हैं?" भोसले ने अपने बयान में तीखा रुख अपनाते हुए कहा, "जो इस देश में रहना चाहता है, उसे वंदे मातरम् गाना ही होगा।" उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से अपील की कि राज्य में जितने भी मदरसे संचालित हो रहे हैं, उनमें राष्ट्रगीत का गान हर दिन अनिवार्य किया जाए। भोसले ने यह भी कहा कि जो मदरसे इस आदेश का पालन नहीं करेंगे, उनका सरकारी फंड तुरंत रोका जाना चाहिए।

भोसले के इस बयान ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी है। विपक्षी दलों ने इसे धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिश बताया है, जबकि भोसले के समर्थक इसे राष्ट्रीय सम्मान की पहल करार दे रहे हैं। इससे पहले भी महाराष्ट्र में राष्ट्रगीत को लेकर विवाद उठ चुके हैं, लेकिन इस बार मदरसों को लेकर दिया गया बयान नई बहस का कारण बन गया है। अब

ओएमजी! ये तो 12 बजे तक खेल रही

रात 8 बजे लौटने को बोला था, बेटियों ने जीता वर्ल्ड कप तो भाजपा ने ममता को मारा ताना

कोलकाता, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बीती रात राष्ट्र वुमेन्स वनडे वर्ल्ड कप में देश की बेटियों की शानदार जीत के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में तानेबाजी शुरू हो गई है। यह मैच आधी रात तक चला। इसको लेकर ही भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ताना मारा है।

पश्चिम बंगाल भाजपा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है- ओ माई गॉड! ये तो रात 12 बजे तक खेल रही हैं। लेकिन, आपने तो इनको रात आठ बजे तक आने को बोला था। भाजपा का यह पोस्ट सीधे सीएम ममता बनर्जी पर एक तरह का ताना है। दरअसल, पिछले महीने दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस की एक छात्रा के साथ रेप के बाद ममता बनर्जी ने कुछ ऐसा ही बयान दिया था। उस घटना में लड़की अपने दोस्त के साथ डिनर करने कॉलेज परिसर से बाहर गई थी। उसी दौरान वे जंगल की ओर बढ़ गए और लड़की के साथ कथित तौर पर गैंगरेप किया गया। हालांकि बाद में यह मामला पूरी तरह घूम गया और लड़की का दोस्त ही आरोपी निकला। इस घटना पर शुरू में खूब बवाल मचा।

भाजपा ने ममता सरकार में बेटियों के पूरी तरह असुरक्षित होने का आरोप लगाया। इसके बाद ममता बनर्जी ने कथित तौर पर कहा था कि लड़कियों को रात 12 बजे तक बाहर नहीं रहना चाहिए। उन्हें 8 बजे तक हॉस्टल या घर लौट आना चाहिए। उनके इसी बयान को लेकर भाजपा ने ममता पर कटाक्ष किया है। बेटियों की जीत के बाद ममता बनर्जी ने भी एक्स पर पोस्ट कर उनको बधाई दी थीं।

उन्होंने लिखा था कि बेटियों की इस जीत पर पूरे नेशन को गर्व है। उन्होंने जिस तरीके से पूरे मैच में प्रदर्शन किया उससे आने वाली पीढियां प्रेरित होंगी। भारत ने बीती रात वुमेन वर्ल्ड कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब पर कब्जा किया। उनकी इस जीत से पूरे देश में उत्साह का माहौल है।

कोयंबटूर एयरपोर्ट के पास छात्रा से गैंगरेप, मौके से आरोपी फरार

कोयंबटूर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर एयरपोर्ट के पास एक महिला कॉलेज स्टूडेंट को किडनैप कर तीन लोगों ने उसके साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। इस घटना ने लोगों के झकझोर कर रख दिया है और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, स्टूडेंट कोयंबटूर के एक प्राइवेट कॉलेज में कोर्स कर रही है और अपने एक दोस्त के साथ कार में थी।

आरोपियों ने कथित तौर पर उसके दोस्त पर हमला किया, महिला को किडनैप किया, जबरदस्ती उसे दूसरी जगह ले गए और उसके साथ रेप की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने इस घटना को लेकर बताया कि पीड़िता का उपचार चल रहा है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी के अनुसार, छात्रा के साथ रेप की घटना को अंजाम दिया गया है। पीड़िता का उपचार चल रहा है। वह पूरी तरीके से खतरे से बाहर है। इस मामला के सामने आने के बाद सात स्पेशल टीमें आरोपियों की तलाश कर रही हैं। पुलिस ने अपराधियों को ढूंढने और गिरफ्तार करने के लिए एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। पुलिस आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी है।

इलाके में संभावित गवाहों से पूछताछ की जा रही है। ध्यान देने वाली बात है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ सेक्शुअल क्राइम को लेकर लोगों की चिंता बढ़ रही है। विपक्षी पार्टियां कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर राज्य सरकार की आलोचना कर रही हैं। इस घटना के बाद विपक्ष राज्य सरकार को घेरने में लगा है। बीजेपी के नेता के. अन्नामलाई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जब से तमिलनाडु में डीएमके सरकार सत्ता में आई है, महिलाओं के खिलाफ इस तरह के बार-बार होने वाले अपराध साफ दिखाते हैं।

दिग्विजय ने कहा- दिल्ली दंगों का आरोपी उमर खालिद बेकसूर

फेसबुक पर लिखा- पीएचडी स्कॉलर है राष्ट्रद्रोही नहीं; उसके साथ बहुत अन्याय हो रहा, तत्काल रिहाई हो

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए साम्प्रदायिक दंगों के आरोपी उमर खालिद को एमपी के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने बेकसूर बताया है। पूर्व सीएम ने एक फेसबुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- उमर खालिद बेकसूर है। उसके साथ बहुत अन्याय हो रहा है। पीएचडी स्कॉलर है और किसी मापदंड में राष्ट्रद्रोही नहीं है। उसे तत्काल रिहा किया जाना चाहिए। बता दें कि उमर खालिद को 13 सितंबर 2020 को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद से वह जेल में है। लंबित मुकदमों के कारण उसे नियमित जमानत नहीं मिली है।

पहले जानिए कौन है उमर खालिद

उमर खालिद का जन्म 11 अगस्त 1987 को हुआ। उमर ने जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में शोधकर्ता के रूप में पढ़ाई की है। इतिहास विषय में एमफिल, पीएचडी किया। उमर जेएनयू में छात्र राजनीति से जुड़ा रहा। वह जेएनयू में छात्र संगठन डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स यूनियन (डीएसयू) से जुड़ा था। उमर खालिद ने नागरिक अधिकारों, अल्पसंख्यक-विवाद, और शिक्षा-संकट जैसे विषयों पर संवाद और आंदोलन किए थे।

फरवरी 2020 में दिल्ली के उत्तर-पूर्वी हिस्से में हुए सांप्रदायिक दंगों, जिसमें लगभग 50 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इन दंगों में उमर खालिद भी आरोपी हैं। उमर खालिद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई जिसमें विभिन्न धाराओं के तहत केस चल रहा है। उमर पर अन लॉ फुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए के तहत "उल्लंघनकारी गतिविधियों" का आरोप है। इसके साथ ही भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराएं जैसे- दंगा, उग्र हथियार के साथ दंगा, हत्या, हत्या का प्रयत्न, धार्मिक-समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने जैसे आरोपों में मामले दर्ज हैं।

चार्जशीट में इनको बनाया गया है आरोपी

दिल्ली दंगों के मुख्य आरोप पत्र में पिंजरा तोड़ की सदस्य और जेएनयू की छात्रा देवांगना कलिता, नताशा नरवाल, जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्र आसिफ इकबाल तन्हा और छात्र कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा के नाम हैं। अन्य आरोपियों में पूर्व कांग्रेस पार्षद इशरत जहां, जामिया को-ऑर्डिनेशन कमेटी की सदस्य सफूरा जरगर, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान, आप पार्षद ताहिर हुसैन, खालिद सैफी, शादाब अहमद, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहमद सलीम खान और अतहर खान शामिल हैं। इसके अलावा उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ नवंबर में आरोप पत्र दिया गया।

एक के बाद एक फटने लगे सिलेंडर, दूर तक आसमान में दिखी आग

गुरुग्राम, 3 नवंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम के लक्ष्मण विहार में संडे शाम गैस सिलेंडर रिफिलिंग के दौरान एक दुकान में अचानक आग लग गई। आग के कारण घर और दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग से दुकान में रखे सिलेंडर एक के बाद एक फटने लगे। इसके कारण आग और धमाके तेजी से बढ़ने लगे। धमाके की आवाज सुनकर आस-पास के लोगों में अफरा- तफरी मच गई।

दुकान में आग लगने से ऊपरी मकान में भी लपटें पहुंचीं और उसमें भी आग लग गई। आग की लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं। इससे लोगों में घबराहट और बढ़ गई। दमकल ये घटना साबित करती है कि बाजारों और घरों में आम तौर पर दिखने वाले गैस सिलेंडर रिफिलिंग की दुकानें कितनी खतरनाक हो सकती हैं। एक भी गलती का नुकसान काफी बड़ा हो सकता है और जान-माल की क्षति हो सकती है। आमतौर पर दुकानदार इन कामों को करते वक्त सेफ्टी के इंतजाम नहीं रखते और बेहद लापरवाही वाले अंदाज में काम करते हैं। वहीं कई लोग घर में रखे सिलेंडर या चूल्हे को लेकर भी लापरवाही करते हैं और जांच आदि नहीं कराते हैं। जांच हमेशा गैस सिलेंडर देने वाली कंपनी से ही करानी चाहिए।

कारोबारी ने पूरे गांव का कर्ज चुकाया

किसानों पर 90 लाख का कर्ज था, मां की पुण्यतिथि पर पूरे पैसे बैंक में जमा कराए

अमरेली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले के रहने वाले एक कारोबारी ने अपने पूरे गांव को कर्जमुक्त बना दिया। सावरकुंडला तहसील के जीरा गांव के निवासी बाबूभाई जीरावाला ने अपनी मां की पुण्यतिथि पर गांव के 290 किसानों का पिछले 30 सालों का कर्ज चुका दिया। इसके लिए उन्होंने 90 लाख रुपए दान किए। उनकी इस मदद से गांव के सभी किसान कर्जमुक्त हो गए हैं।

1995 से बैंक के ऋण का मामला लंबित था

इस बारे में बाबूभाई जीरावाला ने बताया- हमारे गांव में जीरा सेवा सहकारी मंडल को लेकर 1995 से एक बड़ा विवाद चल रहा था। इस समिति के तत्कालीन प्रशासकों ने किसानों के नाम पर फर्जी ऋण लिए थे। इतने सालों में कर्ज कई गुना तक बढ़ गया था।

किसानों को सरकार से मिलने वाली सहायता, ऋण और अन्य सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा था। गांव के किसानों को बैंक कोई लोन नहीं देती थी।

लोन न मिलने से किसान परेशान थे। कर्ज के चलते जमीनों का बंटवारा तक नहीं हो पा रहा था। इसलिए मेरी माता की इच्छा थी कि उनके पास जो गहने हैं, उसे बेचकर गांव के किसानों का कर्ज चुका दिया जाए।

किसानों पर 89,89,209 लाख का कर्ज था

मैं ओर मेरे भाई बैंक अधिकारियों से मुलाकात की और इच्छा जताई तो बैंक के अधिकारियों ने भी नो कर्ज सर्टिफिकेट देने में सहयोग किया। गांव के किसानों पर कुल 89,89,209 लाख रुपए का कर्ज था। वह हमने भर दिया और बैंक से किसानों के नाम नो कर्ज सर्टिफिकेट लेकर सभी किसानों को दे दिए हैं। मैं ओर मेरा परिवार खुश है कि हमने मां की इच्छा पूरी की और मां को सच्ची श्रद्धांजलि दी।

किसानों के नए जीवन की शुरुआत

जीरा गांव का माहौल उस समय भावुक हो गया जब सभी 299 किसानों को उनके 'नो ड्यू सर्टिफिकेट' दिए गए। किसानों की आंखों में सदियों पुराने बोझ से मुक्ति पाकर खुशी के आंसू थे। किसानों ने जीराभाई को आशीर्वाद दिया। इस दृश्य ने साबित कर दिया कि जब धन का उपयोग मानवता के लिए किया जाता है, तो उसका मूल्य अरबों रुपये से कई गुना बढ़ जाता है। बाबूभाई ने अपनी माँ की पुण्यतिथि को जीरा गाँव के 290 परिवारों के लिए एक नए जीवन की शुरुआत का दिन बना दिया।

अनिल अंबानी पर कसा शिकंजा : ईडी ने 3000 करोड़ की संपत्ति जब्त की

फ्लैट, प्लॉट और ऑफिस भी शामिल, क्या है मामला?

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी और उनके रिलायंस ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच तेज हो गई है। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है। इसमें अनिल अंबानी का मुंबई के पाली हिल स्थित घर, रिलायंस कम्युनिकेशन और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के दिल्ली, नोएडा, मुंबई, गोवा, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में स्थित फ्लैट, प्लॉट और ऑफिस शामिल हैं।

दिल्ली के होटल रणजीत में स्थित रिलायंस सेंटर (जो अंबानी का ऑफिस है) उन कई संपत्तियों में से एक है जिसे ईडी ने जब्त किया है। यह महाराजा रणजीत सिंह मार्ग पर है और रामलीला मैदान व रणजीत सिंह फ्लाईओवर के बीच तीन एकड़ से ज्यादा में फैला है। केंद्रीय एजेंसी ने यह कार्रवाई 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के बैंक फंड की कथित हेराफेरी के मामले में की है।

क्या है पूरा मामला?

सूत्रों के अनुसार ईडी ने अपनी जब्ती आदेश में आरोप लगाया है कि अंबानी ग्रुप की कंपनियों ने बैंक फंड की हेराफेरी की। इस फंड को शेल कंपनियों और ग्रुप की पूरी तरह से अपनी कंपनियों को दिया गया था, ताकि पैसे को गलत तरीके से निकाला जा सके। सूत्रों ने इशारा किया कि कॉर्पोरेट लोन का एक बड़ा हिस्सा आखिरकार रिलायंस ग्रुप की कंपनियों के खातों में पहुंचा, जो मनी लॉन्ड्रिंग के पैसे को घुमाने का संकेत देता है। आने वाले हफ्तों में और भी संपत्तियां जब्त होने की उम्मीद है।

पहले भी हुई है छापेमारी

ईडी ने जुलाई से अंबानी उनके सहयोगियों और ग्रुप की कंपनियों पर कई बार छापेमारी की है, जिसमें उनके मुंबई स्थित घर पर भी छापा मारा गया था। 5 अगस्त को उन्हें दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में बुलाया गया था और उनसे पूछताछ भी की गई थी। ईडी की यह जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की जा रही है। यह जांच सीबीआई द्वारा अंबानी और उनकी कंपनियों के खिलाफ बैंक लोन धोखाधड़ी के दो एफआईआर पर आधारित है। अंबानी पर पहले से ही देश से बाहर जाने पर रोक लगा दी गई है। उनके करीबी सहयोगी अंगराई सेतुरमन सहित कई अन्य करीबी सहयोगियों से ईडी पहले ही पूछताछ कर चुकी है।

22 साल के लड़कों ने मार्क जुकरबर्ग को छोड़ा पीछे, बन गए सबसे युवा अरबपति

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय और अमेरिकन मूल के 22 साल के लड़कों ने कमाल कर दिया है। मर्कोर के 22 वर्षीय संस्थापक दुनिया के सबसे युवा सेल्फ मेड अरबपति बन गए हैं, उन्होंने मार्क जुकरबर्ग का स्थान लिया है, जो 2008 में 23 वर्ष की आयु में इस सूची में शामिल हुए थे।

मर्कोर, एक एआई भर्ती स्टार्टअप की स्थापना तीन हाई स्कूल के दोस्तों ब्रेंडन फूडी, आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा ने की थी, जिनमें आदर्श और सूर्या का ताल्लुक भारत से भी है। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को स्थित इस स्टार्टअप ने हाल ही में 35 करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाई है, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 10 अरब डॉलर हो गया है, इस फंडिंग के साथ ही एआई कंपनी के सीईओ ब्रेंडन फूडी, सीटीओ आदर्श हिरेमठ और बोर्ड चेयरमैन सूर्या मिधा दुनिया के सबसे कम उम्र के सेल्फ मेड अरबपति बन गए हैं।मर्कोर के संस्थापक दुनिया के सबसे कम उम्र के सेल्फ-मेड अरबपतियों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जिससे वे उन चुनिंदा युवा तकनीकी उद्यमियों में शामिल हो गए हैं जिनकी निजी संपत्ति हाल ही में अरबों डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है, वे पॉलीमार्केट के सीईओ 27 वर्षीय शायन कोपलान के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जो न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज की मूल कंपनी इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज से 2 अरब डॉलर के निवेश के बाद महज 20 दिन पहले अरबपति बनी थीं, उनसे पहले, स्केल एआई की 28 वर्षीय एलेक्जेंडर वांग ने लगभग 18 महीने तक यह खिताब अपने नाम किया था, उनकी सह-संस्थापक लूसी गुओ 30 साल की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की स्व-निर्मित महिला अरबपति बन गईं, उन्होंने टेलर स्विफ्ट को पीछे छोड़ दिया,

अमेरिकी और भारतीय दोस्त बने बिलेनियर

दिलचस्प बात यह है कि मर्कोर के तीन सह-संस्थापकों में से दो भारतीय-अमेरिकी हैं। सूर्या मिधा और आदर्श हिरेमठ दोनों ने सैन जोस, कैलिफोर्निया स्थित बेलार्माइन कॉलेज प्रिपरेटरी से पढ़ाई-लिखाई है। वहीं, सूर्या मिधा दूसरी पीढ़ी के अप्रवासी हैं, अपनी वेबसाइट पर, उन्होंने बताया है कि उनके माता-पिता नई दिल्ली से अमेरिका आकर बस गए थे। मिधा ने बताया कि मेरे माता-पिता नई दिल्ली, भारत से अमेरिका आकर बस गए थे, मेरा जन्म माउंटेन व्यू में हुआ और मेरा पालन-पोषण सैन जोस, कैलिफोर्निया में हुआ।

हिरेमठ ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान की पढ़ाई की और मर्कोर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पढ़ाई छोड़ने से पहले उन्होंने हार्वर्ड में दो साल बिताए थे।फोर्ब्स ने हिरेमठ के हवाले से कहा कि मेरे लिए सबसे अजीब बात यह है कि अगर मैं मर्कोर पर काम नहीं कर रहा होता, तो मैं कुछ महीने पहले ही कॉलेज से स्नातक हो चुका होता, इतने कम समय में मेरी जिंदगी का रुख बदल गया है, जिस समय हिरेमठ हार्वर्ड में थे।मिधा जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में विदेश अध्ययन में स्नातक की पढ़ाई कर रहे थे, ब्रेंडन फूडी भी जॉर्जटाउन में अर्थशास्त्र की पढ़ाई कर रहे थे, फूडी और मिधा दोनों ने लगभग उसी समय जॉर्जटाउन छोड़ दिया था जब हिरेमठ ने मर्कोर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हार्वर्ड छोड़ा था, तीनों संस्थापक थिएल फेलो हैं।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ भारतीय बाजार

सेंसेक्स 40 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

मुंबई,3 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को सकारात्मक दायरे में बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 39.78 अंक या 0.05 प्रतिशत उछलकर 83,978.49 अंक पर बंद हुआ। इसके 14 शेयरों में तेजी और 16 में गिरावट रही।

कारोबार के दौरान इसने 84,127 के उच्चतम और 83,609.54 के निम्नतम स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.25 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,763.35 पर आ गया। चुनिंदा वाहन और बैंकिंग शेयरों में लिवाली से दो दिन से जारी गिरावट थम गई। रुपये में लगातार तीसरे दिन गिरावट जारी रही और सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ 88.75 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो अब तक के सबसे निचले स्तर के करीब है। विश्लेषकों ने कहा कि नए घरेलू उत्प्रेरक के अभाव और विदेशी फंडों की निकासी के कारण उच्च स्तर पर मुनाफावसूली से बाजार सीमित दायरे में रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में, महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे ज़्यादा 1.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे ऊपर रही। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में 1.69 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इटरनल, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक भी प्रमुख लाभ में रहे। वहीं मारुति सुजुकी में सबसे ज़्यादा 3.37 प्रतिशत की गिरावट आई। आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन के शेयर सबसे ज़्यादा गिरे।

यूरोपीय बाजार में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए।यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 64.71 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.14 प्रतिशत गिरकर 64.71 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 6,769.34 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 7,068.44 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 465.75 अंक या 0.55 प्रतिशत गिरकर 83,938.71 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 155.75 अंक या 0.60 प्रतिशत गिरकर 25,722.10 पर बंद हुआ।

12.43 लाख करोड़ रुपए स्वाहा: 24 घंटे में पलट गई क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया, बिटकॉइन भी औंधे मुंह गिरा

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में पिछले 24 घंटे में बड़ी गिरावट आई है। बिटकॉइन , इथेरियम, बाइनेंस और डॉगकॉइन समेत दुनिया की प्रमुख क्रिप्टो सोमवार को औंधे मुंह गिर गईं। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार दोपहर 2:30 बजे तक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप में 3.60 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी थी। इस गिरावट के साथ इसका मार्केट कैप पिछले 24 घंटे में 3.73 लाख करोड़ डॉलर से गिरकर 3.59 लाख करोड़ डॉलर रह गया। यानी 24 घंटे में क्रिप्टो निवेशकों को 0.14 लाख करोड़ डॉलर (करीब 12.43 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो गया। बात अगर बिटकॉइन की करें तो दुनिया का यह सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी पिछले 24 घंटे में इसमें 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वीकेंड पर बिटकॉइन 1,11,000 डॉलर तक पहुंच गया था। लेकिन सोमवार दोपहर करीब 2:30 बजे यह 1,07,759 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया की दूसरी सबसे महंगी क्रिप्टो इथेरियम पिछले 24 घंटे में 4 फीसदी से ज्यादा फिसल गई है। रिपल, बाइनेंस, सोलाना, डॉगकॉइन आदि भी 6 फीसदी से ज्यादा तक लुढ़क चुकी हैं। पिछले हफ्ते इथेरियम 11.58% नीचे चला गया था, जबकि बिटकॉइन इसी अवधि में 6.59% गिरी थी। ऑल्टकॉइन्स पिछले हफ्ते में 16% से अधिक गिर गए हैं।

क्यों आई मार्केट में गिरावट?

क्रिप्टोमार्केट में गिरावट का सबसे बड़ा कारण मजबूत अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज कटौती को माना जा रहा है। वहीं बिटकॉइन में गिरावट का सबसे बड़ा कारण बड़े निवेशक रहे। दरअसल, बड़े निवेशकों (जिन्हें 'व्हेल' कहा जाता है) ने कथित तौर पर लगभग 600 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन बेचे हैं। एक्सचेंज के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले हफ्ते के अंत में बिकवाली का दबाव फिर से बढ़ गया था।

अमेरिका की रोजगार रिपोर्ट भी कारण

क्रिप्टो बाजार में गिरावट का कारण अमेरिका की एक रोजगार रिपोर्ट भी है। यह रिपोर्ट आने वाली है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्से, खासकर हाउसिंग, शायद पहले से ही मंदी में हैं। बाजार के जानकारों का मानना है कि इन बयानों और कमजोर रोजगार की आशंका ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के समय और मात्रा को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। इसी वजह से निवेशक ज्यादा जोखिम वाले डिजिटल एसेट्स से पैसा निकालकर सुरक्षित जगहों पर लगा रहे हैं।

सरकार ने कर लिया इंतजाम, 7000 करोड़ की संजीवनी से चीन का दबदबा होगा कम, क्या है तैयारी?

नई दिल्ली,3 नवंबर (एजेंसियां)। रेयर अर्थ मैग्नेट के मामले में दुनिया में अभी भी चीन का दबदबा है। चीन ने अमेरिकी टैरिफ के जवाब में इसका निर्यात बंद कर दिया था। इसका असर भारत पर भी दिखाई दिया। अब भारत ने इस क्षेत्र में चीन का दबदबा कम करने की तैयारी कर ली है।

रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने में भारत अपने प्रोत्साहन कार्यक्रम (इंसेंटिव प्रोग्राम) को लगभग तीन गुना करने की तैयारी कर रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक यह राशि 7000 करोड़ रुपये (करीब 788 मिलियन डॉलर) से ज्यादा है।इस स्कीम के तहत लोकल प्रोडक्शन के लिए इंसेंटिव दिए जाएंगे। इस स्कीम के तहत इंसेंटिव हर कंपनी को सालाना 1200 टन मैग्नेट तक के लिए मिलेगा। आयात पर निर्भरता कम करने के अलावा सरकार मैग्नेट-लेस मोटर (बिना मैग्नेट वाली मोटर) पर रिसर्च को भी बढ़ावा देने पर विचार कर रही है। विकसित भारत 2047 की एक हाई-लेवल कमेटी ने इलेक्ट्रिक कारों, बसों और ट्रकों के लिए रिलक्टेंस मोटर के इस्तेमाल की संभावना तलाशने का सुझाव दिया है। यह एक ऐसी मोटर होती है जिसमें मैग्नेट की जरूरत नहीं पड़ती।

चीन ने लगाई थी पाबंदी

भारत की यह विस्तार योजना ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर के देश चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। चीन दुनिया के लगभग 90% दुर्लभ पृथ्वी उत्पादन को प्रोसेस करता है। अप्रैल में अमेरिका के साथ व्यापार तनाव के बीच चीन ने एक्सपोर्ट पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी थीं। चीन ने अब कुछ शर्तों के साथ निर्यात की इजाजत दे दी है, लेकिन भारत सरकार चाहती है कि देश आत्मनिर्भर बने और किसी एक देश पर पूरी तरह निर्भर न रहे।

भारत को मिला कई देशों का साथ

भारत के इस प्लान के बाद दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के कई दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड सप्लायर भारत को सप्लाई देने के लिए तैयार हो गए हैं। एक सरकारी अधिकारी ने बताया, 'हमने कुछ दुर्लभ पृथ्वी सप्लायरों से शुरुआती बातचीत की है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-18
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-41
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972948126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशा शूल - उत्तर - गुड़ खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष मंगलवार 04 Nov
तिथि - चतुर्दशी 22-36 तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - रेवती 12-34 तक उप अश्विनी
योग - वज्र 15-42 तक उप सिद्धि
करण - गर 22-36 तक उप वणिज
व्रत त्योहार वैकुण्ठ चतुर्दशी

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - तुला	में	तुला	05-04 बजे
चंद्र - मीन	में	वृश्चिक	07-13 बजे
मंगल - वृश्चिक	में	धनु	09-37 बजे
बुध - वृश्चिक	में	मकर	11-34 बजे
गुरु - कर्क	में	कुंभ	13-24 बजे
शुक्र - तुला	में	मीन	15-02 बजे
शनि - मीन	में	मेष	16-38 बजे
राहु - कुंभ	में	वृष	18-23 बजे
केतु - सिंह	में	मिथुन	20-23 बजे
		कर्क	22-36 बजे
		सिंह	00-49 बजे
		कन्या	02-54 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 14-51 से 16-16 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग 06-18 - 07-43	अशुभ	काल 17-40 - 19-17	अशुभ
उत्पात 07-43 - 09-08	अशुभ	लाभ 19-17 - 20-51	शुभ
चंचल 09-08 - 10-34	शुभ	उत्पात 20-51 - 22-25	अशुभ
लाभ 10-34 - 11-59	शुभ	शुभ 22-25 - 23-59	शुभ
अमृत 11-59 - 13-25	शुभ	अमृत 23-59 - 01-34	शुभ
काल 13-25 - 14-51	अशुभ	चंचल 01-34 - 03-09	शुभ
शुभ 14-51 - 16-16	शुभ	रोग 03-09 - 04-43	अशुभ
रोग 16-16 - 17-41	अशुभ	काल 04-43 - 06-18	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपका धैर्य , कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
भावनात्मक गहराई आपके करियर को समृद्ध बनाती है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल आपके काम में सटीकता का समर्थन करते हैं। तार्किक सोच आपको कार्यों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है, हालांकि कुछ अवरोध आपकी गति को धीमा कर सकते हैं। व्यवस्थित और केंद्रित रहें। किसी भी कठोर प्रवृत्ति को प्रबंधित करना और अहंकार को नियंत्रण में रखना स्थायी व्यावसायिक सफलता प्राप्त करने की कुंजी होगी।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है की ये चीज़ आपके मन और मस्तिस्क पर बुरा प्रभाव न डाले ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज आप व्ययसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे । इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा । असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चो पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है ।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका करियर पथ तीव्र और रचनात्मक लगता है। आप ऊर्जावान हैं, लेकिन गहन चिंतन आपको दीर्घकालिक लक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करता है। काम पर जोशीले वाद-विवाद और उत्साह में बदलाव की उम्मीद करें। भ्रम से बचने के लिए स्पष्टता के साथ आदर्शवाद को चैनल करें।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे ।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपका कार्य जीवन ऊर्जावान है, जो आपको विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता चमकती है। हालाँकि, ठोस परिस्थितियों से निपटने के लिए विनम्रता महत्वपूर्ण है। प्रबंधन में सावधान रहें, खासकर नाजुक स्वास्थ्य मामलों में। जमीन से जुड़े रहें और चमकते रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अडानी की सीमेंट बनाने वाली कंपनी ने किया कमाल, प्रॉफिट में आया 4 गुना का उछाल

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सिर्फ भारत के ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की सीमेंट कंपनी ने कमाल कर दिया है। दूसरी तिमाही के नतीजों में कंपनी को 1 या 2 नहीं बल्कि पूरे 4 गुना का प्रॉफिट हुआ है। वहीं दूसरी ओर कंपनी के ऑपरेशनल रेवेन्यू में 25 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों में भी करीब दो फीसदी का इजाफा देखने को मिला। वास्तव में अंबुजा ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट के तिमाही नतीजे सामने आए हैं। जिसमें कंपनी की ग्रोथ और प्रॉफिट में उम्मीद से ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अंबुजा सीमेंट को लेकर कंपनी की ओर से किस तरह के आंकड़े जारी किए गए हैं।

करीब 4 गुना बढ़ा कंपनी का प्रॉफिट

अडानी ग्रुप के स्वामित्व वाली अंबुजा सीमेंट्स ने सोमवार को बताया कि दूसरी तिमाही में उसका कंसोलिडेशन नेट प्रॉफिट 268 फीसदी यानी करीब 4 गुना बढ़कर 1,766 करोड़ रुपए हो गया। जबकि पिछले वर्ष की तिमाही में यह यही आंकड़ा 479 करोड़ रुपए देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि टैक्स के बाद प्रॉफिट कंपनी के मालिकों के अकाउंट में पहुंच गया है। अगर बात कंपनी के रेवेन्यू की करें तो समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 9,130 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 7,305 करोड़ रुपए था। इसका मतलब है कि कंपनी में रेवेन्यू के मोर्चे पर 25 फीसदी का उछाल देखने को मिला है।

टैक्स के बाद कंपनी का प्रॉफिट

कंपनी का टैक्स के बाद प्रॉफिट यानी पीएटी क्रमिक आधार पर 111 फीसदी बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 835 करोड़ रुपए था, जबकि रेवेन्यू में 11 फीसदी की गिरावट आई,

वित्त वर्ष 2026 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 10,244 करोड़ रुपए देखने को मिला था। समीक्षाधीन तिमाही में शानदार आय में वृद्धि का श्रेय दूसरी तिमाही में अब तक के सबसे अधिक 16.6 मिलियन टन उत्पादन को दिया जा सकता है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20 फीसदी अधिक है। कंपनी ने एक्सचेंजों को दी गई अपनी फाइलिंग में दावा किया कि उत्पादन में वृद्धि उद्योग के औसत से 5 गुना अधिक थी।दूसरी तिमाही का प्रति मिट्रिक टन यानी एबिटडा 1,060 रुपए प्रति माह दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 32 फीसदी अधिक है, जबकि इसका मार्जिन 4.5 फीसदी बढ़कर 19.2 फीसदी हो गया। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल संपत्ति 3,057 करोड़ रुपए बढ़कर 69,493 करोड़ रुपए हो गई, और यह अभी भी कर्ज मुक्त बनी हुई है। अंबुजा सीमेंट्स को क्रिसिल एएए (स्थिर) / क्रिसिल ए1+ की सर्वोच्च रेटिंग भी प्राप्त हुई।

कंपनी के शेयरों में इजाफा

कंपनी के तिमाही नतीजों के दौरान शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार कंपनी का शेयर दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर करीब 2 फीसदी की तेजी के साथ 576.40 रुपए पर कारोबार कर रहा है। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर 582.70 रुपए के साथ दिन के हाई पर भी पहुंचा। वैसे कंपनी का शेयर 567.35 रुपए के ओपन हुआ था, जबकि शुक्रवार को कंपनी का शेयर 565.25 रुपए पर बंद हुआ था।

सोना 343 महंगा होकर 1.21 लाख पर पहुंचा

इस साल गोल्ड की कीमत 44,951 बढ़ी, चांदी आज 535 बढ़कर 1.50 किलो बिक रही

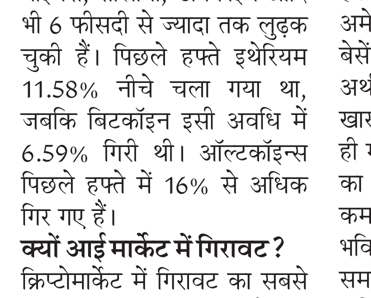

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 3 नवंबर को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 343 रुपए बढ़कर 1,21,113 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले सोने की कीमत 1,20,770 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 535 रुपए बढ़कर 1,49,660 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई। इससे पहले इसकी कीमत 1,49,125 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 44,951 और चांदी 63,643 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 44,951 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,21,113 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 63,643 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,49,660 रुपए प्रति किलो हो गई है।

कर्मचारी नामांकन योजना 2025 का लाभ वंचित कर्मचारियों को मिलेगा

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कर्मचारी नामांकन योजना 2025 की शुरुआत की है। यह पहल 1 नवंबर 2025 को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के 73वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुरू की गई।

इस योजना का मकसद अधिक से अधिक कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना और स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के अनुसार, यह कार्यक्रम उन पात्र कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा, जो अब तक औपचारिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली से जुड़ नहीं हैं। कर्मचारी नामांकन योजना 2025 के तहत नियोक्ताओं को यह अवसर दिया गया है कि वे उन पात्र कर्मचारियों को स्वेच्छा से ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) के दायरे में ला सकें, जो 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच किसी वजह से इस कवरेज से वंचित रह गए थे। ईपीएफओ की ओर से शुरू की गई यह योजना छह महीने की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

यह योजना 1 नवंबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक खुली रहेगी।इस योजना के तहत सभी प्रतिष्ठान, चाहे वे वर्तमान में ईपीएफ कवरेज के अंतर्गत आते हों या नहीं, 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच नियुक्त किसी भी कर्मचारी की घोषणा ईपीएफओ पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं।

नक्सल सरेंडर पर बैज बोले-सरकार के साथ क्या डील हुई

पूछा- क्या झीरम-2 की प्लानिंग है, साव बोले- कांग्रेस देश तोड़ने वालों के साथ

रायपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के सरेंडर पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार को घेरा है। बैज ने कहा कि कहा कि नक्सलियों के लगातार हो रहे आत्मसमर्पण के पीछे कहीं कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। क्या सरकार झीरम 2 की तैयारी में है। सरकार और नक्सलियों के बीच आखिर कौन-सी शांति वार्ता हुई है?

दीपक बैज ने कहा कि नक्सलियों के सरेंडर की खबरें लगातार आ रही हैं, लेकिन इसके पीछे सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सभी ऑपरेशन बंद कर दिए गए हैं। 200 नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे थे, तब सीएम और डिप्टी सीएम दोनों मौजूद थे, फिर वे मौके पर क्यों नहीं पहुंचे। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिकता क्यों निभाई गई?

वहीं बैज के बयान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, कांग्रेस हमेशा देश तोड़ने वालों के साथ नजर आती है। प्रधानमंत्री ने जो बात कही है, वो कांग्रेसियों के समझ में आने वाली नहीं है। नक्सलियों को पांच साल तक कांग्रेस सरकार ने पाला-पोसा है। देश तोड़ने वालों के साथ इनका रिश्ता जगजाहिर है।

दीपक बैज ने कहा कि जब जगदलपुर में 210 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, तब मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री वहीं मौजूद थे। वे जगदलपुर पहुंचे जरूर, लेकिन डेढ़ घंटे तक दंतेश्वरी एयरपोर्ट के एक बंद कमरे में चर्चा करते रहे। सवाल यह है कि जब वे शहर में थे, तो सरेंडर स्थल पर क्यों नहीं गए।

बैज ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में सरेंडर हुआ, लेकिन मुख्यमंत्री और मंत्री मौके पर नहीं पहुंचे। इसके बाद उन्होंने केवल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और वापस लौट आए। नक्सली नेता रूपेश उर्फ अभय को अब तक मीडिया के सामने क्यों नहीं लाया गया, जबकि स्थानीय मीडिया इस पर सवाल उठा रही है।

210 नक्सलियों का सरेंडर, 153 हथियार सौंपे थे

जगदलपुर में 17 अक्टूबर को 210 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया था। 153 हथियार भी सौंपे गए थे। इनमें बस्तर में सरेंडर करने वाले 140 और कांकेर में पहले आत्मसमर्पण कर चुके 60 से ज्यादा नक्सली शामिल थे। इनमें महिला नक्सलियों की संख्या पुरुषों से अधिक रही।

सीएम विष्णुदेव साय ने बताया था कि सरेंडर करने वालों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत मकान, जमीन और तीन साल तक आर्थिक सहायता दी जाएगी। पुलिस लाइन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभी नक्सलियों को भारतीय संविधान की किताब और एक गुलाब भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

झीरम हत्याकांड की पूरी कहानी?

दरअसल, 2013 के आखिर में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने थे। पिछले 2 चुनाव भाजपा ने बहुमत से जीते थे। रमन सिंह मुख्यमंत्री थे। 10 साल से विपक्ष में बैठी कांग्रेस जीत के लिए जोर लगा रही थी। पार्टी पूरे राज्य में परिवर्तन यात्रा शुरू करने वाली थी। 25 मई को सुकमा में परिवर्तन रैली की गई।

रैली के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। इसमें करीब 25 गाड़ियां थीं। इन गाड़ियों में 200 नेता-कार्यकर्ता थे।

सबसे आगे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कवासी लखमा थे। उनके पीछे महेंद्र कर्मा और मलकीत सिंह गैदू की गाड़ी थी।

उनके पीछे बस्तर के कांग्रेस प्रभारी उदय मुदलियार चल रहे थे। यानी छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूरी टॉप लीडरशिप इस काफिले में थी। दोपहर करीब 3:40 बजे काफिला झीरम घाटी में पहुंचा। यहीं नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया। गाड़ियां रुकते ही 200 से ज्यादा नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। हमले में नंदकुमार पटेल और उनके बेटे दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक फायरिंग होती रही। शाम करीब 5:30 बजे नक्सली पहाड़ों से उतरकर नीचे आए और एक-एक गाड़ी चेक की।

एक गाड़ी में उन्हें सलवा जुडूम आंदोलन शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा मिल गए। आंदोलन की वजह से नक्सली महेंद्र कर्मा को दुश्मन समझते थे। उन्होंने बेरहमी से महेंद्र कर्मा की हत्या कर दी। उन्हें करीब 100 गोलियां मारी गईं।

चश्मदीदों के मुताबिक, नक्सलियों ने कुछ नेताओं को नाम लेकर पहचाना और उन्हें गोली मारी। हमला पूरी योजना के साथ किया गया। नक्सलियों ने जगह का चुनाव, बम लगाने और भागने तक की पूरी तैयारी कर रखी थी। खुफिया एजेंसियों को हमले की कोई भनक नहीं थी।

नाबालिग लड़की ने 3 को कार से कुचला, मौत

प्रत्यक्षदर्शी बोली-टक्कर से महिला उछलकर सड़क पर गिरी, गाड़ी छोड़कर भागे आरोपी, अब बेटी-पिता गिरफ्तार

रायगढ़, 3 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 15 साल की लड़की ने तेज रफ्तार कार से 3 लोगों को कुचल दिया, जिससे तीनों की मौके पर मौत हो गई। लड़की ने पहले पैदल चल रही महिला को, फिर 2 बाइक सवारों को कुचला है। कार पर 2 युवक भी सवार थे। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतकों में ललिता मिंज (35), मोहन पटेल (33) और अमित किंडो (26) शामिल हैं। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कार तेज रफ्तार में कुचलते नजर आ रही है। पुलिस ने नाबालिग लड़की और उसके पिता को अरेस्ट किया है।

दरअसल, 30 अक्टूबर को एक सफेद कलर की कार तेज रफ्तार में आ रही थी। कार धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खम्हा के चाल्हा चौक के पास पहुंची, तभी पहले पैदल चल रही महिला को, फिर बाइक पर सवार 2 लोगों को कुचल दिया। हादसे के बाद मौके से भाग निकले।

कार से कुचलने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो

में दिख रहा है कि बेकाबू कार क्रमांक सीजी बीई 1285 रॉन्ग साइड से आ रही है। टक्कर मारने के बाद कार से लड़की उतरी, फिर 2 युवक उतरे थे।कार को नाबालिग लड़की चला रही थी।

पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान रामपुर की रहने वाली ललिता मिंज, बाइक सवार परसदा निवासी फकीर मोहन पटेल (33) और मैनपाट निवासी अमित किंडो (26) के रूप में हुई है। बाइक सवार किसी काम से कापू की ओर जा रहे थे, तभी हादसे का शिकार हो गए।

टक्कर से सड़क पर गिरे, सिर फटा

प्रत्यक्षदर्शी प्रभा तिर्की ने बताया कि कार की टक्कर इतनी भयंकर थी कि महिला उछलकर सड़क पर गिर पड़ी। दोनों बाइक सवार में से एक सड़क पर और दूसरा सड़क किनारे फेंका गया। सड़क पर टकराने से युवक का सिर फट गया है। वहीं दूसरे युवक को गंभीर चोट आई। दोनों के शव मौके पर पड़े हुए थे।

हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। जहां तत्काल डॉयल 112 टीम की टीम मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल पहुंचाया। मैनपाट का रहने वाला अमित किंडो जेसीबी चालक था। वहीं फकीरचंद सारंगढ़ के गोबरसिंघा का रहने वाला था। दोनों किसी ठेकेदार के अंडर काम कर रहे थे।

वहीं, पुलिस की जांच में यह तथ्य सामने आया कि, हादसे के समय कार चला रही लड़की नाबालिग थी। पुलिस ने लड़की को अभिरक्षा में लिया है। जबकि पिता घनश्याम महिलाने (47) निवासी मिरीगुड़ा को भी आरोपी बनाया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

तालाब में डूबने से 2 भाइयों की मौत

कांकेर में खेलते-खेलते तालाब पहुंचे, नहाने के दौरान गहराई में जाने से हुआ हादसा

कांकेर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार को तालाब में डूबने से 2 बच्चों की मौत हो गई। ग्रामीणों दोनों को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम लीलेझर की है।

मृतकों की पहचान चंद्रहास कोरेटी (7) और सूर्यकांत परतेती (9) के रूप में हुई है। दोनों ममेरे भाई थे। तालाब में नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में समा गए। जब तक ग्रामीण उन्हें बाहर निकालते दोनों की मौत हो चुकी थी।

दरअसल, सूर्यकांत के पिता दुर्योधन परतेती पेशे से किसान हैं। जबकि चंद्रहास कोरेटी मूल रूप से बालोद जिले के ग्राम जिलेवाही का रहने वाला था। वह अपने मामा के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। दोनों रिश्ते में भाई लगते थे।

रविवार दोपहर दोनों घर के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते दोनों गांव के तालाब तक पहुंच गए और नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए।

उसी समय तालाब में मौजूद एक महिला ने बच्चों को डूबते देखा और मदद के लिए शोर मचाया।

ग्रामीणों ने मशक्कत के बाद दोनों को निकाला बाहर

महिला की आवाज सुनकर खेतों में काम कर रहे ग्रामीण तुरंत तालाब पर पहुंचे। ग्रामीणों ने किसी तरह दोनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला और फौरन चारामा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम कराकर शवों को परिजनों को सौंपा

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिजन और पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि सूचना पर टीम अस्पताल पहुंची थी। जहां डूबने से मौत की जानकारी मिली। दोनों बच्चों के शवों का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

साइबर अपराध पर बड़ी कार्रवाई

तीन अपराधी गिरफ्तार, मोबाइल सिम और एटीएम बरामद

गिरिडीह, 3 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांडेय थाना क्षेत्र से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड और दो एटीएम कार्ड जब्त किए गए हैं।

एसपी डॉ. बिमल कुमार को प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से सूचना मिली थी कि गिरिडीह-गांडेय रोड किनारे बैरगी गांव के पास कुछ युवक मोबाइल फोन के जरिए ठगी कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर, पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम) आबिद खों के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैरगी गांव के पास छापेमारी कर तीन साइबर अपराधियों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

हाईकोर्ट का धर्मांतरण रोकने वाले होर्डिंग्स हटाने से इनकार

कहा- धर्म परिवर्तन रोकने का पोस्टर लगाना असंवैधानिक नहीं, गांव में पादरी एंट्री-बैन पर पीआईएल खारिज

बिलासपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कांकेर जिले के कई गांवों में पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर बैन के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि प्रलोभन या गुमराह कर जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए होर्डिंग्स लगाना असंवैधानिक नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि ये होर्डिंग्स संबंधित ग्राम सभाओं ने स्थानीय जनजातियों और सांस्कृतिक विरासत के हितों की रक्षा के लिए एक एहतियाती उपाय के रूप में लगाए हैं। डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ताओं को पेसा नियम 2022 के तहत ग्राम सभा और संबंधित अधिकारी के पास जाने का निर्देश दिया है।

दरअसल, कांकेर के रहने वाले दिग्बल टांडी और जगदलपुर के रहने वाले नरेंद्र भवानी ने हाईकोर्ट में अलग-अलग जनहित याचिकाएं लगाई थी। जिसमें बताया गया कि जिले के कुदाल, परवी, बांसला, घोटा, घोटिया, मुसुरपुट्टा और सुलंगी जैसे गांवों में ग्राम पंचायतों ने पेसा एक्ट का हवाला देकर होर्डिंग्स लगाए हैं।

होर्डिंग्स में लिखा है कि गांव पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में आता है और ग्राम सभा संस्कृति की रक्षा के लिए पादरियों और धर्मांतरितों को धार्मिक कार्यक्रम या धर्मांतरण के लिए प्रवेश की अनुमति नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि ग्राम पंचायतों ने पेसा एक्ट का हवाला देकर होर्डिंग्स लगाए हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) और 25 का उल्लंघन हैं। उनका यह भी आरोप है कि राज्य सरकार के 14 अगस्त 2025 के सर्कुलर से प्रेरित होकर ये होर्डिंग्स लगाए गए हैं।

वहीं, राज्य सरकार ने अपने जवाब में तर्क दिया कि याचिकाएं सिर्फ आशंका पर आधारित हैं। राज्य सरकार के सर्कुलर में कहीं भी धार्मिक नफरत फैलाने या होर्डिंग्स लगाने का निर्देश नहीं है।

यह सर्कुलर केवल अनुसूचित जनजातियों की पारंपरिक संस्कृति की रक्षा के लिए है। बस्तर संभाग में स्थानीय आदिवासियों और धर्मांतरित ईसाइयों के बीच विवादों के कारण एफआईआर भी दर्ज हुई हैं। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि होर्डिंग्स जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए हैं, यह सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है।

लुगुबाबा की जयघोष से गूंजा धोरोमगढ़

तीन दिवसीय महोत्सव की शुरुआत, पहले ही दिन 10 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। प्रकृति की गोद में बसे जिले के गोमिया प्रखंड के ललपनिया के पवित्र स्थल लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ में सोमवार को राजकीय महोत्सव 2025 का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान और भक्तिपूर्ण माहौल में हुआ। पूरे क्षेत्र में जय लुगुबाबा के जयघोष और मांदर की थापों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

डीसी अजय नाथ झा, एसपी हरविंदर सिंह, नायके बाबा और आयोजन समिति अध्यक्ष बबली सोरेन व अन्य सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर तीन दिवसीय महोत्सव की शुरुआत की। पहले ही दिन श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा। दस हजार से अधिक श्रद्धालु लुगु पहाड़ पर चढ़कर लुगुबाबा के दर्शन के लिए पहुंचे।

सूर्योदय के साथ ही श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में गीत-संगीत गाते हुए आस्था की राह पर आगे बढ़ते दिखाई दिए। भक्तों ने कहा कि लुगुबाबा हमारे पुरखों की आत्मा हैं, हमारी धरती और हमारे धर्म के रक्षक। यहां आकर मन को शांति और आत्मा को शक्ति मिलती है।

डीसी अजय नाथ झा ने पूजा-अर्चना कर महोत्सव की सफलता और जिले की सांस्कृतिक एकता, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि लुगुबुरू महोत्सव हमारी मिट्टी की खुशबू, हमारी संस्कृति की आत्मा और हमारी परंपरा की पहचान है। यह पर्व झारखंड की लोकआस्था को विश्व पटल पर स्थापित करता है।

चाईबासा एचआईवी रक्त कांड धनबाद में भाजपा का धरना

धनबाद, 3 नवंबर (एजेंसियां)। चाइबासा में एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की घटना के विरोध में धनबाद जिला भाजपा (शहरी एवं ग्रामीण) इकाई ने सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री की तत्काल बर्खास्तगी की मांग की।

धरना कार्यक्रम का नेतृत्व धनबाद महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने किया। उन्होंने बताया कि यह आंदोलन प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर राज्य सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के खिलाफ आयोजित किया गया है।

श्रवण राय ने आरोप लगाया कि झारखंड में स्वास्थ्य विभाग की स्थिति पूरी तरह चरमरा चुकी है। उन्होंने कहा कि आए दिन घोटाले और लापरवाहियां सामने आ रही हैं, जिससे आम जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उनके अनुसार, वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री के कार्यकाल में अस्पतालों में अव्यवस्था बढ़ी है और ठेकेदारों को कमीशन के आधार पर टेंडर दिए जा रहे हैं, जिसके कारण मरीजों को घटिया सामग्री और असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल से मांग की कि स्वास्थ्य मंत्री को तुरंत बर्खास्त कर किसी योग्य व्यक्ति को विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर लौट सके। इस धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए जनहित में ठोस कार्रवाई की मांग की।

3-दोस्तों ने श्मशान के पास साथी को चाकू से काट-डाला

शव को 400 मीटर दूर पेट्रोल डालकर जलाया कमीशन के पैसों को लेकर विवाद में हत्या

जशपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में 3 दोस्तों ने अपने साथी को चाकू से काटकर मार डाला, फिर श्मशान घाट के पास लाश को पेट्रोल डालकर जला दिया। आरोपियों ने कमीशन के पैसों को लेकर हत्या की है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम सीमित खाखा (28) है, जो जशपुर के सीटोंगा गांव का रहने वाला था। वह कुछ दिन पहले अपने साथियों के साथ झारखंड के हजारीबाग काम करने गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। मर्डर के आरोप में पुलिस ने 3 लोगों को अरेस्ट किया है। आरोपियों को वारदात वाली जगह ले जाकर सीन री-क्रिएशन करवाया गया। दरअसल, सीमित खाखा अपने 3 दोस्तों के साथ झारखंड काम करने गया था, जहां से काम के बाद घर लौट आए थे। इसी बीच 17 अक्टूबर की शाम चारों दोस्त बांकीटोली पुलिया के पास इकट्ठा हुए। चारों ने शराब पीने की प्लानिंग की। बांकीटोली पुलिया के पास श्मशान घाट में शराब पी रहे थे। इस दौरान झारखंड में काम के दौरान कमीशन के पैसों को लेकर बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि 3 दोस्तों ने मिलकर सीमित खाखा को पीटना शुरू कर दिया। इस बीच 3 दोस्तों ने मिलकर खाखा को लोहे के छड़ और चाकू से मारा। पुलिस के मुताबिक रामजीत राम (25) ने खाखा के सीने में चाकू घोंपा। वहीं वीरेंद्र राम (24) ने लोहे की छड़ से मारा। वह मर्डर के लिए हथियार पहले से ही बैग में रखा था। रामजीत राम भी पहले से चाकू छिपाकर रखा था। वहीं साथ में नाबालिग भी था, जिसने मर्डर में साथ दिया। जशपुर एएसपी अनिल सोनी ने बताया कि मर्डर के बाद रामजीत राम, वीरेंद्र राम और नाबालिग आरोपी खाखा की लाश को मर्डर स्पॉट से 400 मीटर दूर लेकर गए। इस दौरान पहले से साजिश के तहत रखे गए पेट्रोल को खाखा की लाश पर डाला और जला दिया। मौके से आरोपी भाग गए। जशपुर एएसपी ने बताया कि 18 अक्टूबर को लाश मिलने की खबर सिटी कोतवाली पुलिस को मिली। बताया गया कि पुराना नगर के तुरीटोंगरी क्षेत्र में एक युवक की अधजली लाश मिली है।

धोखे से आईफोन लेकर फरार हुआ युवक

ओएलएक्स पर बेचने गए युवक से ठगी, लॉक खुलवा फोन लेकर हुआ फरार

कोडरमा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है, जहां एक युवक से आईफोन ठग लिया गया। यह घटना तिलैया थाना क्षेत्र के असनाबाद में हुई।

तिलैया थाना क्षेत्र के बेलाटांड़ निवासी दीपक कुमार (पिता विनोद साव) ने पुलिस को बताया कि उनके पास एक पुराना आईफोन था, जिसे वे बेचना चाहते थे। उन्होंने इसकी जानकारी ओएलएक्स पर पोस्ट की थी।

सोमवार को दीपक के फोन नंबर पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को डोमचांच निवासी बताया और आईफोन खरीदने की इच्छा जताई। इसके बाद ठग ने दीपक को असनाबाद स्थित जी-7 नामक एक फर्नीचर हाउस पर बुलाया।

दीपक जब फर्नीचर हाउस पहुंचे, तो ठग वहां पहले से मौजूद था। उसने खुद को फर्नीचर हाउस का मालिक बताया और कर्मचारियों को 8 से 10 हजार रुपए वेतन देने की बात कही। उसने दीपक को चाय-पानी भी ऑफर किया।

बातचीत के दौरान ठग ने दीपक से मोबाइल का लॉक खोलने को कहा। लॉक खुलने के बाद, उसने दीपक को वहीं बैठने को कहा और खुद फर्नीचर हाउस से बाहर चला गया।

स्टाफ ने कहा-वो खरीदारी करने आया था

काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटा, तो दीपक ने फर्नीचर हाउस के कर्मचारियों से उसके बारे में पूछा। कर्मचारियों ने बताया कि वे उसे नहीं जानते और वह वहां खरीदारी करने आया था।

ठगी का एहसास होने पर दीपक ने तुरंत तिलैया थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन दिया और मामले की जांच की मांग की।

सूचना मिलते ही तिलैया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने फर्नीचर हाउस में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें ठग की तस्वीरें कैद हो गई हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

झारखंड में दस्तक दे रही है सर्दी

हिमालय की ठंडी हवाओं ने प्रदेश में दी दस्तक बढ़ाई कनकनी, दो-तीन दिन में और गिरेगा पारा

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में अब ठंडी हवाओं ने दस्तक दे दी है। सुबह और शाम की ठंड में लगातार इजाफा हो रहा है, जिससे लोगों ने हल्की सर्दी का एहसास करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी।

वर्तमान में राज्य के कई जिलों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा चुका है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में झारखंड का अधिकतम तापमान लगभग 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

राजधानी रांची समेत कई जिलों में चल रही उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण दिन में भी हल्की ठंड महसूस की जा रही है।

मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना बनी रहेगी। वहीं दिन में आसमान मुख्यतः साफ और मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद के अनुसार, अगर अगले सप्ताह तक बादल नहीं बने, तो राज्य में सर्दी का असर और तेज हो जाएगा।

नवंबर के पहले सप्ताह में ठंड का असर दिखना सामान्य माना जाता है। अगले दो दिनों में तापमान और गिरकर न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। विभाग का अनुमान है कि आठ नवंबर तक राज्य में सुबह के समय कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है, जबकि दिन में खिली धूप देखने को मिलेगी। साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कमजोर पड़ने के बाद अब हिमालयी ठंडी हवाओं ने झारखंड में दस्तक दे दी है।

प्रिंस खान गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

भूईयाडीह में हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग कांड में थे शामिल, हथियार बरामद

जमशेदपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर पुलिस ने कुख्यात प्रिंस खान गिरोह के दो सक्रिय शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन शूटरों की गिरफ्तारी से भूईयाडीह में हरेराम सिंह के घर पर हुई फायरिंग की घटना का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राज सिंह कश्यप उर्फ कोदू और राजेश गिरि उर्फ दांतू के रूप में हुई है। पुलिस को 2 नवंबर की रात करीब 1 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि भूईयाडीह निवासी हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग करने वाले राज सिंह कश्यप और राजेश गिरि सफेद स्कूटी से मानगी बस स्टैंड की ओर जा रहे हैं। सूचना में उनके पास अवैध हथियार होने की भी जानकारी दी गई थी। इस सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस उपाधीक्षक प्रथम, पूर्वी सिंहभूम के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने रात्रि गश्ती दल और टाइगर मोबाइल के जवानों के सहयोग से इलाके की घेराबंदी की और पाण्डेय घाट के पास दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उनके पास से फायरिंग में इस्तेमाल किया गया देशी कट्टा, जिंदा कारतूस और स्कूटी बरामद की। दोनों आरोपियों ने कबूल किया कि वे गैंगस्टर प्रिंस खान के गिरोह के सदस्य हैं और हरेराम सिंह से रंगदारी न मिलने पर उनके घर पर गोलीबारी की थी।

ट्रम्प की लोकप्रियता 1 साल में ही 18% गिरी

यह ओबामा-बाइडेन से भी कम, आज न्यूयॉर्क चुनाव में अमेरिकी राष्ट्रपति का लिटमस टेस्ट होगा

वॉशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा चुने जाने को 5 नवंबर को एक साल पूरा होने जा रहा है। लेकिन उससे एक दिन पहले यानी 4 नवंबर 2025 को उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा लिटमस टेस्ट होने वाला है।

इस दिन न्यूयॉर्क सिटी अपने नए मेयर का चुनाव करेगी और साथ ही वर्जीनिया और न्यूजर्सी राज्य में गवर्नर और विधानसभा चुनाव होंगे।

पिछले एक साल में ट्रम्प की नेट अप्रूवल रेटिंग नवंबर की शुरुआत में 18% तक गिर चुकी है। जो ओबामा और बाइडेन दोनों के पहले वर्ष से काफी नीचे है। ओबामा के पहले वर्ष के अंत में यह 3% और बाइडेन के कार्यकाल में 7% की गिरावट आई थी।

वॉशिंगटन से लेकर वर्जीनिया और न्यूयॉर्क तक सभी की नजरें इस चुनाव पर टिकी हैं। यह चुनाव तय करेगा कि ट्रम्प का

दूसरा कार्यकाल जनता की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है या नहीं। रिपब्लिकन इसे नीतिगत मजबूती का सबूत मान रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट्स इसे 'मिनी रेफरेंडम' कह रहे हैं।

न्यूयॉर्क मेयर मुकाबले में भारतवंशी ममदानी 14 अंक आगे

न्यूयॉर्क मेयर के मुकाबले में भारतीय मूल के युवा नेता जोहरान ममदानी (33) बड़ा चेहरा बनकर उभरें हैं। वे न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य भी हैं। जोहरान युगांडा के लेखक महमूद ममदानी और फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे हैं।

वे डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट हैं और प्रोग्रेसिव वोटरों, युवा, अफ्रीकी-अमेरिकी और लैटिन समुदाय के मजबूत समर्थन में हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार में न सिर्फ शहर की बढ़ती रहने की लागत को मुद्दा बनाया है, बल्कि अमीरों पर टैक्स लगाकर गरीब तबकों के लिए आवास की योजनाएं देने का वादा किया है।

ममदानी 14 प्रतिशत के बड़े अंतर से आगे हैं। ट्रम्प ने ममदानी को लेकर चेतावनी दी है कि अगर वे मेयर बने तो न्यूयॉर्क की संघीय सहायता फंडिंग बंद कर देंगे।

ममदानी का मुकाबला 67 साल के कूमो से

न्यूयॉर्क मेयर के लिए ममदानी का मुकाबला 67 वर्षीय पूर्व गवर्नर एंड्रयू कूमो से है। कूमो 4 साल पहले यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण इस्तीफा दे चुके हैं। वे निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें रिपब्लिकन और सेंट्रिस्ट का समर्थन मिल रहा है।

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपनी पार्टी के बजाय कूमो का समर्थन किया क्योंकि वे ममदानी को रोकना चाहते हैं। न्यूयॉर्क डेमोक्रेट का गढ़ है। उनका दबदबा रहा है। ट्रम्प ने कूमो को सामरिक और अनुभव संपन्न बताया है, कूमो पर भ्रष्टाचार और यौन उत्पीड़न के आरोप भी लगे रहे हैं।

कूमो का चुनावी वादा है कि वे शहर की सुरक्षा बढ़ाएंगे और स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को संभालेंगे। हालांकि चुनावी सर्वे में कूमो की लोकप्रियता ममदानी से कम है।

वर्जीनिया और न्यूजर्सी के गवर्नर चुनाव में डेमोक्रेट आगे

न्यूयॉर्क मेयर के साथ दो डेमोक्रेट राज्यों वर्जीनिया और न्यूजर्सी में गवर्नर के भी चुनाव हो रहे हैं। वर्जीनिया में डेमोक्रेट अबीगेल स्पैंबरगर 7 प्वाइंट से रिपब्लिकन विन्सम सीयर्स से आगे चल रही हैं।

सरकारी कामकाज बंद होने (शटडाउन) का असर यहां बड़ा मुद्दा है। वहीं, न्यूजर्सी में डेमोक्रेट मिक्की शेरिल 3 प्वाइंट की बढ़त के साथ रिपब्लिकन जैक सियाटरेली से आगे हैं।

चीन की कंपनियों ने रूसी तेल खरीदना कम किया

दावा- अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से फैसला लिया भारतीय कंपनियां भी खरीदारी कम कर रहीं

बीजिंग, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस की बड़ी तेल कंपनियों और उनके कुछ ग्राहकों पर पाबंदियां लगाई हैं, जिसके बाद अब चीन की तेल कंपनियां रूसी तेल खरीदने से पीछे हट रही हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की सरकारी कंपनियां जैसे सिनोपेक और पेट्रोचाइना ने हाल ही में रूस से तेल की कई खेपें रद्द कर दी हैं। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अमेरिका ने पिछले महीने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रॉसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए थे।

चीन की कुछ निजी छोटी रिफाइनरियां, जिन्हें टीपॉट्स कहा जाता है, भी रूसी तेल खरीदने से डर रही हैं। उन्हें डर है कि अगर उन्होंने रूस से सौदा किया तो उन पर भी वैसी ही सजा लग सकती है जैसी ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने हाल ही में शानडोंग युलोंग पेट्रोकेमिकल कंपनी पर लगाई थी। इससे पहले रॉयटर्स की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय रिफाइनिंग कंपनी रिलायंस

सरकार की गाइडलाइंस के हिसाब से अपनी रूसी तेल की खरीदारी एडजस्ट कर रही है। सरकारी कंपनियां भी शिपमेंट चेक कर रही है।

ब्लूमबर्ग ने रिस्टैड एनर्जी के हवाले से बताया है कि चीन में खरीदारों की हड़ताल के चलते रूस से चीन को होने वाले तेल निर्यात का करीब 45% हिस्सा प्रभावित हुआ है। इसका सबसे ज्यादा असर ईएसपीओ क्रूड ऑयल पर पड़ा है। यह रूस का वो तेल मिश्रण है जो एशियाई देशों को सबसे ज्यादा बेचा जाता है। अब इसकी कीमतें गिर गई हैं, क्योंकि रूसी विक्रेताओं को खरीदारों को आकर्षित करने के लिए तेल सस्ता बेचना पड़ रहा है। पहले ईएसपीओ तेल की कीमत ब्रेंट क्रूड से 1 डॉलर ज्यादा थी, लेकिन अब यह सिर्फ 0.50 डॉलर ज्यादा रह गई है। नए अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से कई भारतीय रिफाइनरियों ने रूस से तेल खरीदना रोक दिया है।

(आईओसी) ने उन आपूर्तिकर्ताओं से यूराल क्रूड की खरीद फिर से शुरू की है, जो नए अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में नहीं आते। प्रतिबंधों का असर तुर्किये पर भी दिख रहा है। वहां की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी, जो पहले लगभग पूरी तरह रूसी तेल पर निर्भर थी, अब दिसंबर की डिलीवरी के लिए इराक और कजाखिस्तान से तेल खरीद रही है। एक और बड़ी कंपनी टुप्रास ने भी अपने एक रिफाइनरी प्लांट में रूसी तेल का इस्तेमाल बंद कर दिया है, ताकि वह अपने ईंधन निर्यात को यूरोपीय बाजारों में बेचने में दिक्कतों से बच सके।

रूस अब तक चीन का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ऐसा इसलिए संभव हुआ क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की वजह से उसका तेल बहुत सस्ता मिल रहा था।

जिनपिंग ने फोन गिफ्ट किया तो बोले कोरियाई राष्ट्रपति- चेक कर लो कहीं वायरस तो नहीं है

ग्योंगजू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया के ग्योंगजू शहर में शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और साउथ कोरियाई राष्ट्रपति ली जाए म्योंग की मुलाकात हुई। इस दौरान शी जिनपिंग ने ली और और उनकी पत्नी को श्याओमी कंपनी के 2 मोबाइल फोन भेंट किए।

यह गिफ्ट लेने के दौरान राष्ट्रपति म्योंग ने कोरियन भाषा में सिक्योरिटी स्टाफ से कहा, "देखना पहले अच्छी तरह से जांच कर लेना इसमें कोई वायरस तो नहीं है।" दरअसल, राष्ट्रपति ली भूल गए थे कि वहां पर ऑटोमेटिक ट्रांसलेटर लगा है, वे जो भी बोलेंगे तुरंत चाइनीस भाषा में ट्रांसलेट कर देगा।

जैसे ही ऑटोमेटिक ट्रांसलेटर में जब यह बात चाइनीज भाषा में ट्रांसलेट की तो यह सुनकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग हंस पड़े। उन्होंने कहा, "आप चाहें तो जांच सकते हैं कि इसमें कोई बैकडोर है या नहीं।"

बैकडोर यानी ऐसा सॉफ्टवेयर जिससे किसी डिवाइस की निगरानी की जा सके। दोनों नेता इस पर खुलकर हंसे।

दिल्ली-एनसीआर में पॉल्यूशन, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से रिपोर्ट मांगी

कहा- प्रदूषण रोकने के लिए क्या किया, दिवाली पर सिर्फ 9 एक्यूआई स्टेशन काम कर रहे थे

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते पॉल्यूशन मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच एमसी मेहता केस की सुनवाई कर रही थी।

सीनियर एडवोकेट और न्यायमित्र अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि दिवाली के दिन 37 में से सिर्फ 9 एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन ही लगातार काम कर रहे थे। उन्होंने कहा- अगर मॉनिटरिंग स्टेशन काम नहीं करेंगे तो कैसे पता चलेगा कि ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) कब लागू करना है? सीएक्यूएम को स्पष्ट डेटा और एक्शन प्लान पेश करने का निर्देश दिया जाए।

सीएक्यूएम के वकील ने कहा

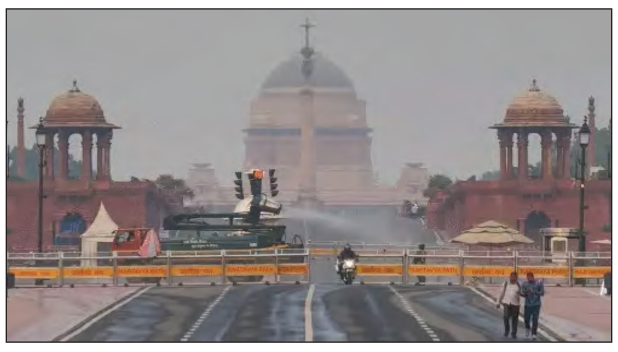

कि मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सीपीसीबी की है। इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने भरोसा दिलाया कि सभी एजेंसियां रिपोर्ट दाखिल करेंगी।

दिल्ली में दिवाली के बाद हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट हुई थी। सीपीसीबी के अनुसार, दिवाली के बाद दिल्ली की हवा में प्रदूषण के छोटे-छोटे कण (पीएम2.5) का लेवल पिछले पांच सालों में सबसे ज्यादा बढ़ गया है। दिवाली के बाद के 24 घंटों में हवा में पीएम2.5 लेवल 488 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुंच गया। त्योहार से पहले यह 156.6 माइक्रोग्राम था। वहीं, साल 2021 में दिवाली के बाद दिल्ली में पीएम2.5 लेवल 454.5 था। यह 2022 में 168, 2023 में 319.7 और 2024 में 220 दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर को दिवाली के दौरान दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की सीमित बिक्री और उपयोग की अनुमति दी थी। हालांकि कोर्ट के आदेश के खिलाफ, दिल्ली-एनसीआर में दिवाली में पूरी रात आतिशबाजी हुई।

इसके कारण दिवाली की अगल सुबह दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली हो गई थी। सीपीसीबी के मुताबिक, द्वारका में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 417 पहुंच गया था। अशोक विहार में 404, वजीरपुर में 423 और आनंद विहार में 404 एक्यूआई रहा।

एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) एक तरह का टूल है, जो यह मापता है कि हवा कितनी साफ और स्वच्छ है।

एयर-शो के लिए वायुसेना के स्पेशल जेट्स रायपुर पहुंचे

दिल्ली समेत 5 फ्लाइट्स की टाइमिंग बदली रिहर्सल-एयर शो के वक्त नहीं होंगे टेकऑफ-लैंडिंग

रायपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर राजधानी रायपुर में रोमांच और गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भारतीय वायु सेना के विशेष फाइटर जेट्स रायपुर पहुंच चुके हैं। ये जेट्स आगामी 5 नवंबर को नया रायपुर (अटल नगर) में होने वाले एयर शो में हिस्सा लेंगे।

जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम अपने दमदार करतबों से आसमान में अद्भुत नजारे पेश करेगी। हॉक जेट विमानों से लैस यह टीम अपने सटीक फॉर्मेशन और रोमांचक एरियल डिस्प्ले के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है।

वहीं एयरोबेटिक शो की वजह से 5 नवंबर को रायपुर एयरपोर्ट से 5 घरेलू उड़ानों की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक एयर शो के चलते विमानों का टेकऑफ और लैंडिंग रोकी जाएगी।

इस दौरान लखनऊ, भुवनेश्वर और हैदराबाद की एक-एक फ्लाइट और दिल्ली की 2 फ्लाइट का समय रीशेड्यूल किया गया है।

सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रही उड़ान की मंगोलिया में इमरजेंसी लैंडिंग

तकनीकी गड़बड़ी की आशंका

वॉशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। एअर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी का संदेह हुआ। पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए विमान को मंगोलिया की राजधानी उलानबातर में सुरक्षित उतारा। एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं तथा विमान की तकनीकी जांच की जा रही है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई174 ने दो नवंबर को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। विमान कोलकाता होते हुए दिल्ली पहुंचने वाला था, लेकिन रास्ते में तकनीकी समस्या की आशंका के चलते पायलट ने सावधानी बरतते हुए उसे मंगोलिया में उतारने का निर्णय लिया। एक फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार यह एक बोइंग 777 विमान था। एयरलाइन ने कहा कि जांच के लिए विमान को फिलहाल उलानबातर एयरपोर्ट पर रखा गया है।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान के लैंड करते ही सभी यात्रियों को पूरी सुरक्षा के साथ उतारा गया। एयरलाइन ने यात्रियों के भोजन और ठहरने की व्यवस्था की है। तकनीकी टीम मौके पर मौजूद है और विमान की विस्तृत जांच कर रही है ताकि समस्या का सटीक कारण पता लगाया जा सके। प्रवक्ता ने कहा

कि यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने की पूरी कोशिश की जा रही है।

एअर इंडिया ने अपने बयान में कहा कि एआई174 फ्लाइट के पायलटों ने उड़ान के दौरान संभावित तकनीकी मुद्दे की पहचान की और सुरक्षा के मद्देनजर मंगोलिया की राजधानी उलानबातर में लैंडिंग का निर्णय लिया। एयरलाइन ने यह भी जोड़ा कि इस दौरान किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। जांच पूरी होने के बाद विमान को दोबारा उड़ान भरने की अनुमति दी जाएगी।

हालांकि एयरलाइन ने यात्रियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन बताया गया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। विशेषज्ञ टीम विमान की प्रणाली की जांच में जुटी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सुरक्षा पर लगातार सवाल उठ रहे हैं और एयरलाइनों को सख्त तकनीकी मानकों का पालन करने की सलाह दी जा रही है।

असीम मुनीर की रिटायरमेंट से पहले शहबाज सरकार का बड़ा दांव

संविधान संशोधन की तैयारी, मिलेगा सेवा विस्तार

इस्लामाबाद, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार कथित तौर पर 27वां संविधान संशोधन पेश करने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के कार्यकाल और कानूनी स्थिति को लेकर अस्पष्टता को दूर करना है। मुनीर को इसी साल मई महीने में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हाथों हुई जबरदस्त पिटाई के बाद सांत्वना के रूप में फील्ड मार्शल का पद दिया गया था। मुनीर आधिकारिक रूप से 28 नवंबर 2025 को रिटायर होने वाले हैं। हालांकि, इस बात को लेकर शक बना हुआ है कि क्या उनका कार्यकाल 2027 तक बढ़ाया जाएगा या फिर उन्हें कानून में परिवर्तन कर सेवा विस्तार दिया जाएगा।

2024 में, पिछली सरकार के

तहत एक कानूनी सुधार के माध्यम से पाकिस्तान के सेना प्रमुखों का कार्यकाल तीन से बढ़ाकर पांच साल कर दिया गया था। फिर भी, फील्ड मार्शल का पद - जो काफी हद तक औपचारिक और ऐतिहासिक रूप से प्रतीकात्मक है - पाकिस्तान के संविधान में अपरिभाषित है। संविधान में फील्ड मार्शल के कार्यकाल, सेवानिवृत्ति या सेवा शर्तों का उल्लेख नहीं है, जिससे मुनीर का भविष्य अस्पष्ट है। रिपोर्टों के अनुसार, शहबाज सरकार अब संवैधानिक संशोधन के माध्यम से मुनीर के पद और अधिकार की रक्षा के लिए एक स्पष्ट कानूनी ढांचा प्रदान करने की योजना बना रही है। है।

सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री कार्यालय और जीएचक्यू रावलपिंडी (पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय) ने मुनीर की निर्धारित सेवानिवृत्ति तिथि के निकट आने पर संवैधानिक शून्यता से बचने के लिए गहन विचार-विमर्श किया है। हालांकि पाकिस्तान सेना अधिनियम और संविधान का अनुच्छेद 243 सशस्त्र बलों की कमान और नियंत्रण को परिभाषित करता है, लेकिन वे फील्ड मार्शल के पद को मान्यता या विनियमित नहीं करते हैं। परिणामस्वरूप, सरकार का प्रस्तावित 27वां संशोधन फील्ड मार्शल की स्थिति, शक्तियों और सेवा शर्तों को औपचारिक रूप देने के लिए अनुच्छेद 243 में संशोधन करना चाहता है, जिससे वर्तमान सेना प्रमुख के लिए निरंतरता और कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पाकिस्तान में यह संशोधन होते ही सेना प्रमुख की शक्तियां असीमित हो जाएंगी।

भारत ने पीओके लेने की कोशिश की तो परमाणु युद्ध?

पाकिस्तान जो छोटे परमाणु बम बना रहा, वो क्या होते हैं?

इस्लामाबाद/नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत जब पाकिस्तान के एयरबेस पर ब्रह्मोस मिसाइलें गिरा रहा था तब पाकिस्तान असहाय था। पाकिस्तान के कई नेताओं ने बाद में कबूल किया है कि भारत के ब्रह्मोस मिसाइल रोकने का वक्त पाकिस्तान के पास नहीं था। भारत ने पलक झपकते ही पाकिस्तान वायुसेना के 11 एयरबेस को तबाह कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर से साबित हो चुका है कि पाकिस्तान के पास पारंपरिक लड़ाई में भारत से लड़ने की क्षमता नहीं है। इसीलिए वो पिछले दो दशकों से भारत को परमाणु बम दिखाकर ब्लैकमेल करता रहा है, लेकिन अब भारत ने कहा है कि वो न्यूक्लियर ब्लैकमेल की धमकी बर्दाश्त नहीं करेगा।

लेकिन इन सबके बीच

पाकिस्तान सालों से छोटे-छोटे परमाणु बम बनाता रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि चीन, रूस, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान जैसे देश परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। इसीलिए सवाल ये उठता है कि पाकिस्तान किस तरह के परमाणु बमों को जमा कर रहा है? कई इंटरनेशनल रिपोर्ट्स में पिछले कई सालों से दावा किया जाता रहा है कि पाकिस्तान टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन्स बना रहा है। ये वो परमाणु बम होते हैं जो आकार और क्षमता में छोटे होते हैं और कई एक्सपर्ट्स कह चुके हैं कि अगर भारत, पीओके को लेने की कोशिश करता है तो ऐसे बमों के इस्तेमाल का डर पाकिस्तान दिखा सकता है। इसीलिए सवाल ये है कि टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन्स क्या होते हैं? आइये हम समझते हैं। डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाकिस्तान के पास छोटे सामरिक परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद भी पहले इन छोटे परमाणु बमों का जिक्र कर चुके हैं। इसलिए, यह समझना जरूरी हो जाता है कि ये बम क्या हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में सामरिक परमाणु हथियार विकसित किए हैं। इन्हें खास तौर पर भारत को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

पाकिस्तान ने टीएनडब्ल्यू इसलिए विकसित किए हैं क्योंकि वह जानता है कि पारंपरिक युद्ध में भारत से जीतने की उसकी क्षमता नहीं है। भारत की विशाल सैन्य क्षमता पाकिस्तान को आसानी से कुचल सकती है, इसीलिए उसने अपने तरकश में एक नया तीर जोड़ा है। इन्हें सामरिक परमाणु बम कहा जाता है।

4 फीट रास्ते के लिए पड़ोसी का मर्डर

पलामू, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में 27 अक्टूबर को वेल्डिंग दुकानदार जसीमुद्दीन अंसारी उर्फ नवाब की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। हत्या 4 फीट रास्ते के विवाद में की गई थी। पड़ोसी ने अपने पहचान के दो लोगों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। एसपी रीष्मा रमेशन ने सोमवार को बताया कि मृतक सतगावां गांव का रहने वाला था। उसकी हत्या पड़ोसी इरफान अंसारी ने कराई है। दोनों के बीच मकान बनाने के दौरान चार फीट रास्ता छोड़ने का समझौता हुआ था।

मगर इरफान ने इस समझौते को नहीं मानते हुए चार फीट रास्ता नहीं छोड़ा। जबकि जसीमुद्दीन अपना मकान बनाते वक्त चार फीट रास्ता पहले ही छोड़ चुका था।

रूसी हमलों के बीच यूक्रेन को मिला पैट्रियट डिफेंस सिस्टम

जेलेंस्की बोले- अब कई शहर होंगे सुरक्षित

कीव, 3 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन को अमेरिका निर्मित पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की नई खेप मिल गई है। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि ये सिस्टम देशभर में रूस के लगातार हो रहे हवाई हमलों से नागरिकों और अहम ढांचों की सुरक्षा में मदद करेंगे। रविवार देर रात जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की। यह डिफेंस सिस्टम रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के खिलाफ यूक्रेन की सबसे प्रभावी ढाल मानी जाती है।

पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम अमेरिका की सबसे आधुनिक मिसाइल रोधी तकनीक है, जो रूस के घातक हमलों को रोकने में सक्षम है। जेलेंस्की लंबे समय से पश्चिमी देशों से इस सिस्टम की मांग कर रहे थे, लेकिन उत्पादन सीमाओं और देशों की अपनी सैन्य जरूरतों के कारण इसकी आपूर्ति में देरी हो रही थी। अब इन सिस्टमों को तैनात कर दिया गया है ताकि प्रमुख शहरों और ऊर्जा संरचनाओं की सुरक्षा बढ़ाई जा सके। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जर्मनी और उसके चांसलर फ्रेडरिक मर्ज का धन्यवाद करते हुए कहा कि जर्मनी ने तीन महीने पहले यूक्रेन को दो अतिरिक्त पैट्रियट सिस्टम देने का वादा किया था, जिसे अब पूरा किया गया है। जर्मनी को अमेरिका से आश्वासन मिला है कि उसकी सैन्य जरूरतों के लिए नए पैट्रियट सिस्टम की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। यह डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से अमेरिका में ही निर्मित होते हैं। इस बीच, रूस ने रविवार से सोमवार की रात तक 12 मिसाइलें और 138 ड्रोन यूक्रेन पर दागे। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, कई मिसाइलें नष्ट की गईं, लेकिन कुछ ने तबाही मचाई। उत्तरपूर्वी सूमी क्षेत्र में एक घर पर रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसके परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह ग्रिगोरोव ने कहा कि रूस ने जानबूझकर रात में सो रहे लोगों को निशाना बनाया। मध्य यूक्रेन के डनिप्रो क्षेत्र में रूसी मिसाइल हमले से एक व्यापारिक प्रतिष्ठान में आग लग गई, जिससे एक व्यक्ति घायल हुआ। दक्षिणी माईकोलाइव क्षेत्र में भी रूसी ड्रोन ने ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचाया। नाटो लगातार यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई का समन्वय कर रहा है, जबकि यूरोपीय देश और कनाडा अमेरिकी हथियारों की खरीद कर मदद पहुंचा रहे हैं। मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन को हथियार न देने का फैसला किया है, जबकि पिछली बाइडन सरकार लगातार सैन्य सहायता देती रही थी।

सरकार ने रूफटॉप सोलर से बनने वाली बिजली की खरीद दर बढ़ा दी

बीकानेर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए घरेलू उपभोक्ताओं की ओर से लगाए जाने वाले रूफटॉप सोलर से बनने वाली बिजली की खरीद दर सरकार ने बढ़ा दी है। अभी उपभोक्ता के उपभोग बिजली को सोलर से उत्पादित बिजली यूनिट्स समायोजित कर शेष यूनिट्स का 2.71 रुपए प्रति की दर से भुगतान किया जा रहा है। अब इसकी दर में 55 पैसे प्रति यूनिट की बड़ी वृद्धि की गई है।

जोधपुर डिस्कॉम के एसई घनश्याम चौहान ने आदेश जारी कर कहा कि राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (आरईआरसी) के अधीन उपभोक्ता को नेट मीटर रीडिंग और नेट बिलिंग समायोजन की दरों में बदलाव किया गया है। इसके तहत अब घरेलू बिजली उपभोक्ता सोलर प्लांट से बिजली उत्पादित कर देगा तो उसे 3.26 रुपए प्रति यूनिट की दर से भुगतान दिया जाएगा।

सरकार 3.65 रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदेगी बिजली

अभी यह दर 2.76 रुपए प्रति यूनिट है। इसी तरह नेट बिलिंग यानि बड़ी मात्रा में रिन्यूबल एनर्जी उत्पादित करने वाले सोलर प्लांट्स से सरकार 3.65 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद करेगी।

सोलर को मिलेगा बढ़ावा

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग का यह कदम सराहनीय है। इससे घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर लगाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। अभी जिस दर से भुगतान मिल रहा था, उसमें 55 पैसे प्रति यूनिट्स की दर बढ़ाना उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद साबित होगा।

डंपर ड्राइवर ने सड़क पर बिछा दी 14 लाशें

17 गाड़ियों को कुचला, कार मालिक से भी हुई थी कहासुनी

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर के हरमाड़ा में ब्रेक फेल डंपर ने 300 मीटर तक कहर बरपाया, जिससे 14 लोगों की मौत और 15 घायल हुए। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। डंपर चालक हिरासत में, जांच जारी है।

राजधानी जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर एक भयावह सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। लोहा मंडी रोड नंबर 14 पर तेज रफ्तार डंपर ने 300 मीटर तक बेकाबू होकर 10 गाड़ियों को रौंद दिया, जिससे मौके पर 13 लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक घायल हो गए, जिनमें से आठ गंभीर हैं।

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद गाड़ियां परस्पर टकराकर क्षतिग्रस्त हो गईं और सड़क पर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ, जब डंपर खाली अवस्था में हाईवे पर चढ़ने की कोशिश में था। तभी अचानक उसका ब्रेक फेल हो गया और वह बेकाबू होकर सड़क पर चल रहे वाहनों और राहगीरों को कुचलता चला गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि डंपर लगभग 300 मीटर तक लोगों और गाड़ियों को रौंदता हुआ आगे बढ़ा, जब तक कि वह एक बड़े डिवाइडर से टकराकर रुका नहीं।

घटनास्थल पर मचा हाहाकार, स्थानीय लोगों ने बचाव में दिखाई तत्परता

टक्कर के बाद घटनास्थल पर चारों ओर अफरा-तफरी और दहशत का माहौल फैल गया। घायल लोग सड़क पर तड़प रहे थे और वाहन बुरी तरह मलबे में तब्दील हो गए थे। स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायलों को पास के कांवटिया अस्पताल भेजा गया, जहां से तीन गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। मृतकों के शवों को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्चरी में रखवाया गया है।

हरमाड़ा पुलिस ने संभाला मोर्चा, ट्रैफिक डायवर्ट कर कराया राहत कार्य

हादसे की सूचना मिलते ही हरमाड़ा थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने सड़क के दोनों ओर से यातायात को डायवर्ट कर दिया और डंपर को हटाने की कार्रवाई शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कई वाहनों के अंदर लोग फंसे हुए थे, जिन्हें कटिंग मशीनों की मदद से बाहर निकाला गया।

डिप्टी सीएम बैरवा बोले- बसों को मनमर्जी से मॉडिफाई करना गलत, यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

अजमेर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा अजमेर पहुंचे, जहां वे एक निजी होटल में आयोजित विवाह समारोह में शामिल हुए। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्राइवेट बस संचालकों को चेताया कि वे अपनी बसों को परिवहन विभाग के निर्धारित नियमों के अनुरूप ही संचालित करें। बैरवा ने कहा कि मनमर्जी से बसों को मॉडिफाई करना गलत है। सरकार यात्रियों की जान की परवाह करती है, इसलिए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कार्रवाई जारी है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अगर बस संचालक नियमों का पालन करेंगे, तो किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। यात्रियों की सुरक्षा और

सुरक्षित यात्रा सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि प्राइवेट बस मालिकों ने भले हड़ताल की हो लेकिन यदि वे तय मानकों का पालन करें तो हड़ताल जैसी स्थिति नहीं बनेगी।

बैरवा ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में मात्र 600 बसें संचालित थीं, जबकि वर्तमान सरकार के दौरान अब राज्य में 3200 बसें चल रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले रोडवेज की एक बस रोजाना कंडम हो जाती थी लेकिन अब नई बसें खरीदी गई हैं और आगे भी खरीद जारी रहेगी। सरकार ने गांवों को भी बस सेवा से जोड़ा है, जिससे रोडवेज संचालन से प्रतिदिन साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये का राजस्व बढ़ा है।

एसआईआर प्रणाली पर पूछे गए सवाल के जवाब में बैरवा ने कहा कि इससे सही मतदाता का ही वोट डाला जाएगा। उन्होंने इसे चुनाव आयोग का स्वागत योग्य कदम बताया, जो फर्जी वोटिंग पर रोक लगाएगा और सही मतदाता को ही बचाएगा।

राजनीतिक सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे तब भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, जो आज चौथे स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा बिना विजन के कोई काम नहीं करती जो कहती है, वह करती है। बैरवा ने विश्वास जताया कि अंता उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ही विजयी होगा।

हनुमान बेनीवाल ने पूछा- अवैध ढाबों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

प्रशासन की बड़ी गलती आई सामने

जोधपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारतमाला एक्सप्रेसवे पर फलोदी के पास भीषण सड़क हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रेलर अवैध ढाबे के सामने खड़ा होने के कारण श्रद्धालुओं से भरा टैंपो ट्रेवलर ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग काल का ग्रास बने हैं।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के मुखिया और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए स्थानीय प्रशासन, एनएचएआई और पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण राजमार्ग पर अवैध ढाबों और अतिक्रमण के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो हादसे का मुख्य कारण बना।

'अवैध ढाबे पर रुके ट्रेलर की वजह से हुआ हादसा'

सांसद बेनीवाल ने एक पोस्ट में कहा कि यह हादसा अवैध ढाबे पर रुके ट्रेलर की वजह से हुआ। एनएचएआई अधिकारियों को इसकी जानकारी थी, फिर भी उन्होंने ढाबों को बंद करने की कोई कोशिश नहीं की। उन्होंने केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मांग की कि भारतमाला परियोजना के तहत बने इस एक्सप्रेसवे पर अवैध ढाबों के संचालन के लिए जिम्मेदार एनएचएआई अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाए।

बेनीवाल ने हादसे की सूचना मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं को मौके पर भेजकर राहत कार्य शुरू करवाया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि भारतमाला सड़क पर हर नियत दूरी पर ट्रॉमा सेंटर अनिवार्य है। हादसे के स्थान से निकटतम ट्रॉमा सेंटर कितनी दूरी पर था और क्या वह ऑपरेशनल था? एनएचएआई को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। अगर सेंटर नहीं था या काम नहीं कर रहा था, तो विभागीय जिम्मेदारी तय हो।

प्रशासन की बड़ी गलती आई सामने

बता दें, हादसे की जड़ में अतिक्रमण और लापरवाही की बड़ी भूमिका सामने आई है। भारतमाला एक्सप्रेसवे पर वाहनों का रुकना पूरी तरह प्रतिबंधित है। पार्किंग या विश्राम के लिए सड़क किनारे अलग से व्यवस्था की गई है, लेकिन अवैध ढाबों के सामने ट्रक और ट्रेलर खड़े होने से खतरा बढ़ जाता है।

एक्शन मोड में किरोड़ीलाल

नकली घी-दूध बना रही फैक्ट्री पर छापा

हजारों लीटर मिलावटी उत्पाद नष्ट

दौसा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने जिले के महवा इलाके में एक मिल्क फूड प्रोसेसिंग फैक्ट्री पर छापा मारकर बड़े पैमाने पर नकली खाद्य उत्पाद बनाने का भंडाफोड़ किया। मौके पर भारी मात्रा में नकली घी, बटर, मिल्क पाउडर, रासायनिक पदार्थ और नामी कंपनियों के खाली पैकिंग रैपर मिले। फैक्ट्री में हजारों लीटर मिलावटी दूध नष्ट कर दिया गया। मंत्री मीणा ने खुद कार्रवाई का नेतृत्व करते हुए पूरी फैक्ट्री की बारीकी से जांच की।

दौसा-भरतपुर बॉर्डर स्थित इस फैक्ट्री में देर रात अचानक मंत्री के पहुंचने से वहां काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। दौसा सीएमएचओ डॉ. सीताराम मीणा और खाद्य निरीक्षकों की टीम के साथ मंत्री ने निरीक्षण किया, जहां नकली घी, बटर और मिल्क पाउडर बनाने का गोरखधंधा पकड़ा गया।

निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री के भीतर तूड़ी के ढेरों के बीच छिपाकर रखे गए केमिकल से भरे ड्रम मिले, जिनसे तीखी बदबू फैल गई। जांच में सामने आया कि उत्तरप्रदेश और बिहार से लाया गया दूध यहां रासायनिक पदार्थों के साथ मिलाकर नकली उत्पाद तैयार किए जा रहे थे। मंत्री मीणा ने मौके पर ही हजारों लीटर मिलावटी दूध नष्ट करने के आदेश दिए।

डॉ. मीणा ने कहा- यह एक तरह से विषाक्त कारोबार है। ऐसे उत्पाद लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं और यह मानव जीवन से खिलवाड़ है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सीएमएचओ को मौके पर मौजूद सभी सैंपल लेने और रिपोर्ट जल्द प्रयोगशाला भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने दौसा कलेक्टर और एसपी को फोन पर पूरे मामले की जानकारी देकर कानूनी कार्रवाई के आदेश भी दिए।

अंता विधानसभा उपचुनाव: चढ़ने लगा सियासी पारा

नेताओं की बयानबाजी और ग्रामीणों की नाराजगी बनी चर्चा का विषय

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव का रंग अब पूरी तरह चढ़ने लगा है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे राजनीति में बयानबाजी तेज और माहौल गरमाता नजर आ रहा है। एक ओर प्रत्याशी गांव-गांव जाकर मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं, तो दूसरी ओर कई स्थानों पर ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर नाराज भी दिखाई दे रहे हैं।

कांग्रेस से नाराज चल रहे नरेश मीणा एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। शनिवार को प्रेस वार्ता में उन्होंने पूर्व मंत्री अशोक चांदना को 'चांदनी' कहकर संबोधित किया, जिसके बाद गुर्जर समाज में गहरी नाराजगी फैल गई। समाज के लोगों ने इस टिप्पणी को अपमानजनक बताया और कहा कि नरेश पहले भी गुर्जर समुदाय को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। सोशल मीडिया पर गुर्जर

युवाओं ने विरोध दर्ज कराया है, वहीं कई स्थानों पर बैठकों में इस बयान की तीखी निंदा की जा रही है।

वहीं भाजपा उम्मीदवार मोरपाल सुमन को उनकी सरल और सादगीपूर्ण छवि का बड़ा फायदा मिलता दिख रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुमन की सादगी चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोग उन्हें अपना आदमी मानते हैं और विश्वास जता रहे हैं कि अगर वे जीतते हैं तो जनता की समस्याओं को सीधे और सरल तरीके से सरकार तक पहुंचा पाएंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि मोरपाल सुमन की ईमानदार छवि और जमीनी जुड़ाव भाजपा के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद जैन भाया को लेकर जनता में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। एक वर्ग मानता है कि भाया के अनुभव और प्रभाव से क्षेत्र में विकास की गति तेज हो सकती है, जबकि दूसरा वर्ग उनसे दूरी महसूस करता है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि भाया से मिलना आसान नहीं है, इसलिए आम जनता की समस्याएं सीधे उन तक नहीं पहुंच पातीं।

इन राजनीतिक समीकरणों के बीच बैगना (छापर) गांव के लोगों ने इस बार मतदान का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन ने 200 से अधिक परिवारों को जमीन खाली करने के नोटिस दिए हैं, जबकि वे पिछले 40 वर्षों से उसी जमीन पर रह रहे हैं। पट्टे पहले सरकार ने ही जारी किए थे, जिन्हें अब निरस्त कर दिया गया है। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि जब तक कलेक्टर स्वयं गांव आकर समाधान का भरोसा नहीं देते, वे वोट नहीं डालेंगे।

अंता उपचुनाव में जहां सादगी बनाम सियासी बयानबाजी की जंग जारी है, वहीं जनता की असल चिंताएं जमीन, योजनाओं का लाभ और संवाद की कमी, चुनाव का असली मुद्दा बनकर उभर रही हैं। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता विकास और सम्मान के बीच किसे प्राथमिकता देती है।

चलती ट्रेन में सेना के जवान का मर्डर

बीकानेर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। साबरमती एक्सप्रेस में चलती ट्रेन में सेना के जवान की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना लूणकरणसर और बीकानेर स्टेशन के बीच हुई। मृतक की पहचान सेना के जवान जिगर कुमार चौधरी के रूप में हुई है, जो फिरोजपुर (पंजाब) से साबरमती (गुजरात) जा रहा था। घटना के बाद बीकानेर रेलवे पुलिस ने कुछ ट्रेन अटेंडेंट्स को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

आरपीएफ थाना के थानाधिकारी आनंद कुमार के अनुसार साबरमती एक्सप्रेस के एसी कोच में यात्रा कर रहे जवान का कुछ युवकों के साथ विवाद हो गया था। बहस बढ़ते-बढ़ते हाथापाई में बदल गई और इसी दौरान युवकों ने चाकू से जवान पर कई वार कर दिए। हमले में जिगर कुमार बुरी तरह घायल हो गया।

ट्रेन जैसे ही बीकानेर स्टेशन पहुंची, तुरंत जवान को पीबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पोस्टमॉर्टम परिजनों के पहुंचने के बाद किया जाएगा।

घटना के बाद ट्रेन में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई। पुलिस ने तुरंत एसी कोच को सील कर दिया और यात्रियों को दूसरे डिब्बे में शिफ्ट कर दिया गया। बताया जा रहा है कि झगड़े में शामिल अन्य युवक मौके से फरार हो गए। हालांकि रेलवे पुलिस ने कुछ संविदा ट्रेन अटेंडेंट्स को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि झगड़ा अटेंडेंट्स के साथ ही हुआ था।

थानाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि चाकू किसने मारा, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। सभी संदिग्धों से लगातार पूछताछ की जा रही है। वारदात ट्रेन के अंदर होने के कारण अब चलती ट्रेन में एफएसएल जांच हो रही है। डिब्बे को सीज कर दिया गया है। उसमें सिर्फ एफएसएल की टीम है। साबरमती एक्सप्रेस को बीच रास्ते में नहीं रोका गया, बल्कि बीकानेर से एफएसएल टीम को उसी ट्रेन में भेजा गया है ताकि मौके का साक्ष्य सुरक्षित रखा जा सके।

चलती ट्रेन से फिसला नेशनल लेवल तीरंदाज

दर्दनाक मौत, सदमे में हैं साथी खिलाड़ी और कोच

कोटा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में नेशनल लेवल के तीरंदाजी के खिलाड़ी की चलती ट्रेन से गिरने पर मौत हो गई। मृतक खिलाड़ी की पहचान अर्जुन सोनावाने (20 वर्ष) निवासी नासिक, महाराष्ट्र के रूप में हुई है।जीआरपी डीएसपी शंकरलाल मीणा के अनुसार अर्जुन अपनी टीम और कोच के साथ शकूरबस्ती-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल ट्रेन से सफर कर रहा था। सभी भटिंडा से टूर्नामेंट में हिस्सा लेकर मुंबई लौट रहे थे। शनिवार रात करीब 8.30 बजे ट्रेन कोटा जंक्शन पर पहुंची।

जैसे ही ट्रेन कोटा जंक्शन पर जैसे धीमी हुई अर्जुन अपने साथियों के साथ गेट पर उतरने की तैयारी कर रहा था। तभी उसका पैर फिसल गया और वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। अर्जुन ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। मौके पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों ने उसे बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला।

गंभीर हालत में उसे एमबीएस अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हादसे की खबर सुनते ही उसके साथी खिलाड़ी और कोच सदमे में आ गए। पोस्टमार्टम के बाद शव को टीम और कोच को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टीम के कोच के अनुसार अर्जुन ग्रेजुएशन कर रहा था। पिछले 5 साल से तीरंदाजी कर रहा था। 8 बार नेशनल खेल चुका था। स्टेट और नेशनल टूर्नामेंट में 8 बार गोल्ड मेडल जीत चुका था। अर्जुन के पिता किसान हैं।

भीलवाड़ा में पोतों ने की दादा की निर्मम हत्या

शराब के नशे में कुल्हाड़ी से किए वार, आंख में मिर्ची डालकर घसीटा

भीलवाड़ा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। करेड़ा थाना क्षेत्र के चितांबा नागा का बाडिया गांव में तीन पोतों ने अपने दादा की कुल्हाड़ी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। मामले में करेड़ा पुलिस घटना स्थल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर करेड़ा चिकित्सालय ले गई।

जहां पर शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। करेड़ा पुलिस के मुताबिक, प्रेम पिता मोहनलाल बगरिया निवासी नागा का बाडिया ने रिपोर्ट दी, जिसमें बताया कि दो नवंबर 2025 रात करीब नौ बजे वह अपने घर पर खाना खा रहा था। इसी दौरान नागा का बाडिया निवासी श्रवण बागरिया, हीरु बागरिया और शारदा बागरिया (सभी प्रेम के बेटे हैं) तीनों एक साथ कुल्हाड़ी, लाठियां और मिर्ची पाउडर लेकर आए।

वहां पहुंचते ही प्रेम बगरिया के साथ मारपीट करने लग गए, जिससे प्रेम अचेत होकर गिर गया। बीच-बचाव में आए प्रेम के पिता मोहनलाल बगरिया के साथ भी मारपीट की। उसके बाद मोहनलाल को घसीट कर श्रवण बागरिया अपने घर ले गया। जहां पर उनकी आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर गंभीर रूप से मारपीट की। फिर सिर पर कुल्हाड़ी से दो से तीन वार किया। इससे मोहन बागरिया की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर करेड़ा चिकित्सालय की मोर्चरी में लेकर आए। जहां पर शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

कुएं पर नहाने गई दो सगी बहनों समेत तीन बच्चे पानी में डूबे

सलूंबर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र के धोलाकाकर गांव में दर्दनाक हादसे में नहाने के लिए घर से निकली दो सगी बहनों और उनके पड़ोसी के बेटे की कुएं में डूबने से मौत हो गई।

बरसात से लबालब भरे कुएं में यह तीनों बच्चे नहाने गए थे, लेकिन पैर फिसलने से तीनों गहराई में जा गिरे। अंधेरा होने के बाद भी जब वे घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। देर रात बच्चों के शव कुएं में तैरते मिले, जिसके बाद गांव में चीख-पुकार मच गई।

झल्लारा थानाधिकारी धर्मेंद्र सिंह वाघेला ने बताया कि ग्राम पंचायत घटेढ़ के धोलाकाकर गांव निवासी खुशबू मीणा (10) और माया मीणा (14) पुत्री चोखा मीणा तथा पड़ोसी लोकेश (13) पुत्र रूपलाल घर से नहाने जाने का कहकर निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। तलाश के दौरान जब वे कुएं के पास पहुंचे, तो पानी में तीनों के शव दिखाई दिए। सूचना मिलते ही पुलिस, पटवारी दीपेश पाटीदार और उप सरपंच दामोदरलाल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया।

ग्रामीणों का कहना है कि तीनों बच्चे अक्सर इसी कुएं में नहाने जाते थे। बारिश के कारण कुआं ऊपरी सतह तक पानी से भरा हुआ था। संभावना जताई जा रही है कि पहले किसी बच्चे का पैर फिसला और बाकी दो उसे बचाने के प्रयास में डूब गए। पुलिस ने शवों को सलूंबर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। हादसे के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

सीएम विशाल रसोईघर की आधारशिला रखेंगे

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के सरकारी स्कूलों के छात्रों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में एक बड़ी क्रांति आने वाली है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी 14 नवंबर को कोडंगल के पास एनकेपल्ली में 2 एकड़ के विशाल क्षेत्र में एक विशाल ग्रीन फील्ड किचन के निर्माण की आधारशिला रखेंगे। अक्षय पात्र फाउंडेशन इस रसोईघर का निर्माण कर रहा है, जो कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराएगा।

अक्षय पात्र फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने सोमवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें रसोईघर की आधारशिला रखने के लिए आमंत्रित किया। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र के रसोईघर में सरकारी स्कूलों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन पकाने और आपूर्ति करने के लिए प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। इस निर्वाचन क्षेत्र में दिसंबर से ही नाश्ता योजना शुरू की जा चुकी है और यह निर्वाचन क्षेत्र के 312 स्कूलों के 28,000 छात्रों को भोजन उपलब्ध करा रही है। वर्तमान में, राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना के लिए सरकार प्रति छात्र 7 रुपये का भुगतान कर रही है। अक्षय फाउंडेशन गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार करने और उपलब्ध कराने पर 25 रुपये तक खर्च कर रहा था। फाउंडेशन सरकार द्वारा दी जाने वाली राशि के अतिरिक्त अतिरिक्त खर्च वहन करेगा। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियों की सहायता से इस योजना के क्रियान्वयन की भी व्यवस्था की जा रही है। फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा कि नाश्ते की योजना को छात्रों और अभिभावकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और यह देश के लिए एक आदर्श स्थापित कर रही है।

कांग्रेस सरकार गिराने की साजिश रच रही है बीआरएस : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सोमवार को आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी कालेश्वरम परियोजना से कमीशन के ज़रिए कमाए गए पैसे का इस्तेमाल करके कांग्रेस सरकार गिराने की साजिश रच रही है। जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के रहमत नगर मंडल में पदयात्रा के दौरान, मंत्री ने बीआरएस पर कांग्रेस को हराने के लिए अपनी 'भ्रष्ट कमाई' राजनीति में खर्च करने का आरोप लगाया। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के इस दावे पर सवाल उठाया कि 500 दिनों के भीतर नई सरकार बन सकती है, और पूछा कि जब कांग्रेस सरकार ने अभी दो साल भी पूरे नहीं किए हैं, तो ऐसा कदम कैसे संभव है। पोंगुलेटी ने आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार अपना पूरा कार्यकाल सत्ता में रहेगी और गरीबों के कल्याण के लिए काम करती रहेगी।

धर्मपुरी मंदिर का व्यापक विकास किया जाएगा : मंत्री कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धमार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने सोमवार को घोषणा की कि जगतियाल जिले में स्थित धर्मपुरी श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर का सरकार द्वारा एक मास्टर प्लान के तहत व्यापक विकास किया जाएगा। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार, धर्मादा विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामअय्यर, निदेशक हरीश और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, सुरेखा ने निर्देश दिया कि सभी कार्य आगम शास्त्र और वैदिक विद्वानों, स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के सुझावों के अनुसार किए जाएं।

सुरेखा ने अधिकारियों को प्राचीन मंदिर की पवित्रता के संरक्षण को प्राथमिकता देने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी विकास कार्य इसके ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाएं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जुलाई 2027 में होने वाले अगले गोदावरी पुष्करम, जिसे "दक्षिण भारतीय कुंभ मेला" के रूप में जाना जाता है, की व्यवस्था स्थायी और वैज्ञानिक आधार पर की जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि धर्मपुरी में गोदावरी तट पर स्थित मुख्य मंदिरों का विकास 50 करोड़ रुपये के बजट से किया जाएगा, जिससे पुष्करम के दौरान आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित होंगी। अधिकारियों ने परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण का विवरण भी प्रस्तुत किया। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में स्थित मंदिर के विकास में विशेष रुचि लेने के लिए सुरेखा का आभार व्यक्त किया और भूमि अधिग्रहण तथा पुष्करम व्यवस्था में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मास्टर प्लान के तहत, प्रस्तावित कार्यों में मुख्य मंदिर का विस्तार, वैकुंठ द्वारम का निर्माण, कतार परिसर, व्रत मंडपम, कलाक्षेत्र मंडपम, प्रसादम काउंटर, नित्य कल्याण मंडपम, महाप्रकार, रथशाला और पेयजल सुविधाएं शामिल हैं। गोदावरी नदी तट पर, बड़े शयनगृह, महिलाओं के लिए वस्त्र परिवर्तन कक्ष, सुलभ परिसर, स्नानघर, जल आपूर्ति और नित्यानंद भवन का निर्माण किया जाएगा।

माओवादी पार्टी ने तेलंगाना में संघर्ष विराम को 6 महीने के लिए और बढ़ाया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने तेलंगाना में अपने संघर्ष विराम को छह महीने के लिए और बढ़ाने की घोषणा की है। यह निर्णय भाकपा (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति द्वारा जारी एक पत्र के माध्यम से व्यक्त किया गया।

पत्र में कहा गया है कि हाल के महीनों में तेलंगाना में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए कई बड़े आंदोलन हुए हैं और राज्य सरकार ने इन पहलों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इसमें याद दिलाया गया है कि इस साल मई में उसने छह महीने के संघर्ष विराम की घोषणा की थी और लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप, उसने इसे छह महीने के लिए और बढ़ाने का फैसला किया है। माकपा ने कहा, हम अगले छह महीनों के लिए संघर्ष विराम जारी रख रहे हैं। अप्रैल, मई और जून के दौरान, तेलंगाना में सभी दलों, जन संगठनों और सामाजिक समूहों ने शांति बनाए रखने के लिए व्यापक प्रयास किए।

राज्य सरकार ने भी तदनुसार प्रतिक्रिया दी। पिछले छह महीनों के दौरान, हमने शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में मदद के लिए अपने नियोजित उपायों को लागू किया। तेलंगाना समाज चाहता है कि यह माहौल बना रहे। इसलिए, जनता की इच्छा के अनुसार, हम संघर्ष विराम को अगले छह महीनों के लिए बढ़ा रहे हैं।

एनएमडीसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। इस आयोजन के दौरान इस वर्ष की थीम सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी प्रतिध्वनित होती रही, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक उत्कृष्टता के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रेरित करती है।

एनएमडीसी ने तीन माह का जागरूकता अभियान शुरू किया, जो 18 अगस्त को प्रारंभ हुआ और 17 नवंबर तक जारी रहेगा। अभियान के माध्यम से एनएमडीसी के अधिकारी सतर्कता प्रशासन के विभिन्न पहलुओं पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 1 नवंबर को समापन समारोह में मेजर जनरल अजय मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश उप क्षेत्र मुख्य वक्ता थे। उन्होंने कहा सत्यनिष्ठा केवल एक गुण नहीं है, जिसे हम तब प्रदर्शित करते हैं जब कोई देख रहा होता है, यह हमारे चरित्र का सार है, जो हमारे द्वारा लिए गए हर निर्णय में परिलक्षित होता है।

एनएमडीसी के वरिष्ठ नेतृत्व विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), जयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन), श्रीमती प्रियदर्शिनी, निदेशक (कार्मिक) और सी नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, के साथ-साथ एनएमडीसी के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का किया गया, जिसकी थीम थी सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी। यह अभियान, केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा शुरू किया गया, सार्वजनिक प्रशासन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने तथा जीवन के सभी क्षेत्रों से भ्रष्टाचार को समाप्त करने में सामूहिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।

उद्घाटन समारोह को सहायक निदेशक प्रभारी डॉ.जी.पी. प्रसाद के सक्षम मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अशफाक अहमद, रिसर्च ऑफिसर (यूनानी) ने किया, जिन्होंने सप्ताह के लिए निर्धारित विभिन्न गतिविधियों को सूक्ष्मता से आयोजित किया। उद्घाटन समारोह के बाद थीम पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता ने कर्मचारियों को संगठन के भीतर पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी की भूमिका पर अपने विचार और दृष्टिकोण व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।

सप्ताह भर कर्मचारियों ने निबंध लेखन, वाद-विवाद और क्विज प्रतियोगिताओं में उत्साह और समर्पण के साथ सक्रिय भाग लिया। समापन समारोह 3 नवंबर को आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। योग्य प्रतिभागियों को उनकी उपलब्धियों की मान्यता में प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्थान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया।

हिमायत सागर स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान मंदिर में श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल द्वारा अखंड हनुमान चालीसा पाठ एवं अन्नकूट महात्सव का आयोजन किया गया। अवसर पर उपस्थित मंदिर के पुजारी लाला शुक्ला, विनीत शुक्ला महाराज एवं अन्य।

सुदर्शन महा यज्ञ, श्रीराम पदाभिषेक एवं अन्नकूट महा प्रसाद आज

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अयोध्या रामा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आज मंगलवार को को अन्नकुट महाप्रसाद एवं सुदर्शन महायज्ञ श्रीराम पट्टाभिषेक का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां श्री अयोध्या रामा चरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया की मंगलवार को प्रातः 6.00 से 9.00 बजे श्रीराम पट्टाभिषेक, सुबह 9:30 से 1:30 बजे सुदर्शन महायज्ञ , बालभोग प्रसाद, शाम 5:00 से 7:00 बजे सुंदरकांड पारायण, शाम 7.15 बजे से अन्नकुट महाप्रसाद का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप मे व्यास आश्रम तिरुपति स्वामी परिपूर्णानंद गिरी महाराज, आनंदगिरिजी महाराज, लव फोर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के रिद्धिश जागीदार, श्री जैन संस्कार वाटिका के ट्रस्टी मुकेश जैन चौहान, इन्कमटैक्स एडिशनल कमिश्नर पवन कुमार आदि भाग लेंगे।

लव फोर काऊ फाउंडेशन चेयरमैन जसमत भाई पटेल, रिद्धिश जागीदार, भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी शशिकला मिश्रा, भाग्यनगर गुजराती ब्रह्म समाज के अध्यक्ष तरुणभाई मेहता, जगन्नाथ मठ पीठाधीश्वर स्वामी अच्युतानंद महाराज, वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड के संयोजक बींगी नरेंद्र गौड़ को जीवदया सनातन धर्म रक्षा अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा।

बिजनेस नेटवर्किंग समारोह आयोजित

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एच2एच बिज़नेस नेटवर्किंग ने सनातन हिंदू संघ के सभी सदस्यों के लिए एक पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया।

यह आयोजन रविवार 2 नवंबर को लोअर टैंकबंड स्थित शिवालयम मंदिर एवं गौशाला में किया गया। कार्तिकी एकादशी के इस पावन अवसर पर होम भी किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी गोपाल बलदवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और साथ ही कई अन्य हिंदू संगठन प्रमुख भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एच2एच के सभी शाखा अध्यक्ष अपूर्व, रतन कृष्णमूर्ति, श्रीमती सुजाता नांबियार और सदस्य उपस्थित थे। यह कार्यक्रम एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे के नेतृत्व में सनातन हिंदू संघ के अन्य सलाहकारों नंदीकोंडा रमेश और राजीव शाह के साथ आयोजित किया गया था।

नाचाराम में फैक्ट्री कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगरीय क्षेत्र नाचाराम में रविवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने एक फैक्ट्री कर्मचारी की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक की पहचान उप्पल के कल्याणपुरी कॉलोनी निवासी मुरली कृष्ण (45) के रूप में हुई है।

सोमवार तड़के स्थानीय लोगों ने नाचाराम औद्योगिक क्षेत्र में मुरली कृष्ण का शव चाकू के घावों के साथ पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया। मुरली कृष्ण की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह रविवार को किसी काम से घर से निकले थे और रात तक वापस नहीं लौटे।

जीवन विज्ञान है जीने की कला

हैदराबाद 3, नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । डॉ. गवेषणाश्री जी की प्रेरणा से निर्मला बैद ने जीवन विज्ञान दिवस पर वैशाली हाई स्कूल में कार्यक्रम किया । विद्यार्थियों को जीवन विज्ञान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन तरह के मस्तिष्क होते हैं। पूरा मस्तिष्क जागृत हो, भावनात्मक विकास हो इसके लिए जीवन विज्ञान के बारे में जानना और जीने की कला को पढकर उसे जीवन में उतारना। इससे व्यक्तित्व का पूर्ण विकास होता है।

जिन्दगी में सूर्य उगाना है तो पढाई के साथ कुछ प्रयोग भी करने चाहिए। अहिंसा सत्य और ईमानदारी व परिश्रम का जीवन जीना होगा। मन बहुत चंचल होता है। भूत और भविष्य में लगा रहता है। फालतू के विचारों की उघेड़ बुन में समय और एनर्जी लगाना व्यर्थ है। मेमोरी पावर बढाने व क्रोध कम करने के लिए प्रयोग करना चाहिए। विभिन्न उदाहरणों के द्वारा समझाया गया। गुरुजनों व माता-पिता बड़ों का सम्मान करना उनकी आज्ञा का पालन करना, आपस में भाईचारे व सौहार्द से रहना। कार्यक्रम में प्राध्यापिका, लावण्या , सरिता का सहयोग रहा। हनुमान जिनैन्द्र बैद की तरफ से जरूरत की सामग्री दी गयी।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/34/2025 ,दि.31-10-2025 PUB/1377

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-ई-40-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः कार्य का नामः एसडब्ल्यू-।- वैगन वर्कशाप कालोनी, रायनापाडु पर क्रिकेट स्टेडियम के प्रति बाउण्डरी वाल की मरम्मत। एसडब्ल्यू-।।- वैगन वर्कशाप कालोनी, रायनापाडु पर पिच के साथ रेलवे इंस्टिट्यूट क्रिकेट स्टेडियम ग्राउण्ड की मरम्मत। एसडब्ल्यू-।।।- आरवायपीएस-बेसिक ट्रेनिंग सेंटर हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर या संचरना सुविधाओं का प्रावधान। पूरा करने की अवधिः 06 (छह महिने), निविदा मूल्य रु.1,25,54,116.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,12,800.00, बंद करने की तिथिः 25-11-2025

क्रम सं.2, निविदा सं.-ई-41-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः कार्य का नामः। जीडीवी-बीवीआरएम सेक्शन में तत्संबंधित मिड-सेक्शन मानवजनित या मैनन्ड एलसी नं. 77 किमी 66/42-44, एलसी नं.83 किमी 73/@4745$44@एलसी नं.86 किमी 76/29-31, एलसी नं.95 किमी 87/8-10 का प्रस्तावित इन्टरलाकिंग कार्य। पूरा करने की अवधिः 06 (छह महिने), निविदा मूल्य रु.1,37,91,824.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,19,000.00, बंद करने की तिथिः 25-11-2025

क्रम सं.3, निविदा सं.-ई-32-सेंट्रल-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः कार्य का नामःबीजेडए डिवीजनः बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः डीइएन/सेंट्रल बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी सब-डिवीजन के एसएसइ/वर्क्स/बीपीपी सेक्शन में पीएफ 1-310 x8एम, पीएफ 2 व 3 -180x15एम तथा पीएफ 4 व 5- 350x15एम पर सीओपी शेल्टर्स का निर्माण कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.8,35,90,917.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.5,68,000.00, बंद करने की तिथिः 25-11-2025

क्रम सं.4, निविदा सं.-ई-42-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः कार्य का नामः एसडब्ल्यू।-जीडीवी-बीवीआरएम सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/केकेएलआर क्षेत्राधिकारः विविध यार्डों पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार व उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। एसडब्ल्यू।।-बीवीआरएम-एनडीडी सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/टीएनकेयु क्षेत्राधिकारः विविध यार्डों पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार व उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य।एसडब्ल्यू।।।-बीवीआरएम-एनएस सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/बीवीआरएम क्षेत्राधिकारः विविध यार्डों पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार व उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। एसडब्ल्यू।V-जीडीवी-एमटीएम सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एमटीएम क्षेत्राधिकारः विविध यार्डों पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार व उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.6,70,24,658.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,85,100.00, बंद करने की तिथिः 25-11-2025

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्यों का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदण्ड आदि उपलब्ध हैं।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के बदलावों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे-द.म.रे. विजयवाडा तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल आफिसों में स्थित नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.40-2025, दि.31-10-2025 PUB/1378

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 27-11-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.1, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1985, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः आरयु-जीवाय सेक्शनः बाक्स पुशिंग पध्दति द्वारा 1x6.00x5.00 एम आरसीसी बाक्स के रुप में एचएक्यू यार्ड स्टेशनों के बीच किमी 215/3-5 पर एलसी नं.110 के स्थान पर पुल के नीचे सडक या रोड अंडर ब्रिज (सबवे) का प्रस्तावित निर्माण कार्य (बॉक्स पहले ही कास्ट किया जा चुका है)। विज्ञापित मूल्य रु.7,72,70,276.22, बोली सुरक्षा रु.5,36,400.00

क्रम सं.2, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-1986, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः अदोनी, मंत्रालयम रोड, राजमपेटा, ताडीपत्री, गूटी, ढोने व पाकाला स्टेशनों पर लिफ्ट्स के प्रावधान हेतु सिविल वर्क्स या कार्य। मंत्रालयम रोड, ढोने व ताडीपत्री स्टेशनों पर 12एम एफओबी के प्रति एक्सेलेटर्स के प्रावधान हेतु सिविल कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.11,76,44,362.79, बोली सुरक्षा रु.7,38,200.00

कोई भी शुध्दिपत्र केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

निविदा सं.2x25 केवी-ओएचइ-जीटीएल-एचएक्स, दि.01-11-2025 PUB/1379

कृते भारत के राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं (आनलाइन) आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा संख्याः सं.2x25 केवी-ओएचइ-जीटीएल-एचएक्स, दि.01-11-2025, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे-द.म.रे. के तहत गुंटकल डिवीजन के गुंटकल (छोडकर)-कडप्पा (मिलाकर) सेक्शन में फीडर व एर्थिंग कार्यों सहित मौजूदा 1x25 केवी सिस्टम का 2x25 केवी एटी फीडिंग सिस्टम में ओएचइ उन्नयन या अपग्रेडेशन हेतु डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण तथा कमीशनींग कार्य। कुल 184 आरकेएम/ 368 टीकेएम। अनुमानित मूल्य रु.181,83,27,695.03, आनलाइन में जमा की जानेवाली पूधरा या पूर्व धरोहर राशि रु.92,41,600.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने (चौबीस महिने), निविदा खोलने का स्थानः सिकंदराबाद

ई-टेंडर (आनलाइन) के माध्यम से निविदा बंद करने की तिथि 24-12-2025 समयः15.00 बजे, ई-टेंडर (आनलाइन) के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि 24-12-2025 समयः15.30 बजे

तदनंतर यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदा को उसके अगले कार्य दिवस के निर्धारित समय पर खोला जायेगा।

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

टिप्पणीः निविदा दस्तावेजों/शुद्धिपत्रों/जोड के किसी भी संशोधन को, यदि आवश्यक होने पर, उसे उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।

A1747 मुख्य बिजली अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in याwww.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

विज्ञापन की ई-नीलामी

निविदा सूचीपत्र सं. CAT-ADVTD-009

(1) लॉट सं./श्रेणीः ADVT-WAT-VZM-OH-231-25-1 (विज्ञापन - Out of Home)

विवरणः कार्य में ई-नीलामी पॉलिसी CC-14 ऑफ 2020 तथा CC-14 ऑफ 2022 की संविदा की विशेष शर्तों के अनुसार विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु विजयनगरम (450 SQ. FT.) तथा श्रीकाकुलम (200 SQ. FT.) के नक्शे में किए गए वर्णन के अनुसार लोकेशनों पर वीडियो वॉल/स्क्रीनों की स्थापना एवं रखरखाव शामिल है।

(2) लॉट सं./श्रेणीः ADVT-WAT-RGDA-OH-232-25-1 (विज्ञापन - Out of Home)

विवरणः कार्य में ई-नीलामी पॉलिसी CC-14 ऑफ 2020 तथा CC-14 ऑफ 2022 की संविदा की विशेष शर्तों के अनुसार विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु रायगड़ा (350 SQ. FT.) तथा जगदलपुर (150 SQ. FT.) के नक्शे में किए गए वर्णन के अनुसार लोकेशनों पर वीडियो वॉल/स्क्रीनों की स्थापना एवं रखरखाव शामिल है।

(3) लॉट सं./श्रेणीः ADVT-LOCO-WAT-VSKP-225-25-1 (विज्ञापन-Loco Exterior)

विवरणः वाल्टियर (WAT) मंडल के इलेक्ट्रिक लोको शेड-विशाखापट्टणम की 10 संख्यक WAP-7 लोकोमोटिवों पर तीन वर्षों की अवधि के लिए विज्ञापन का प्रदर्शन।

लॉट के शुरू होने की तारीख एवं समयः 12.11.2025 को 1100 बजे (क्रम संख्या 1 से 3 के लिए)।

लॉट के बंद होने की तारीखः 12.11.2025 (क्रम संख्या 1 से 3 के लिए)। **बंद होने का समयः 1130 बजे** (क्रम संख्या 1 के लिए), **1140 बजे** (क्रम संख्या 2 के लिए) तथा **1150 बजे** (क्रम संख्या 3 के लिए)

दर इकाईः **वार्षिक लाइसेंस शुल्क** (क्रम संख्या 1 से 3 के लिए), ट्रिप/दिनः **1826** (सभी क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए) तथा **1096** (क्रम संख्या 3 के लिए)। न्यूनतम वृद्धि (%): **0.2** (क्रम संख्या 1 से 3 के लिए)। लॉट की स्थितिः **प्रकाशित सूचीपत्र में नया** (क्रम संख्या 1 से 3 के लिए)।

उपरोक्त ई-नीलामी सूचना की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

PR-755/Q/25-26 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मेगा मेडिकल कैंप संपन्न

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज रामनगर शाखा के सहयोग से 154वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप बंसीलालपेट स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल में संपन्न हुआ।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा प्रदान की गई जिसमें ऑर्थो डॉ. पूजिता, कार्डियो डॉ. मनदीप, नर्सिंग स्टाफ संगीता, भाग्य लक्ष्मी, मल्लेश्वरी, बीएमडी तकनीशियन मोहन, 2 डी इको अक्षिता, मार्केटिंग के उदय कुमार ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

अवसर पर एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क स्क्रीनिंग 187 लोगों की गई जिसमें 61 लोगों को निशुल्क चश्मे एवं 9 लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा के ट्रस्टी किशोर छाबरिया शिविर दल, अजित कश्यप, वरफान. सौमिक, पी. यदागिरि. और भास्कर ने अपना सहयोग प्रदान किया।

शिविर में सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ. अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा प्रदान की गई। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर के डॉ. मीता बजाज द्वारा दी गई। साथ ही श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा दो लोगों की सहायता की गई।

अग्रवाल सेवा दल एवं शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अग्रवाल सेवा दल के विनय सी अग्रवाल, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल, स्थानीय भागीदार अग्रवाल समाज रामनगर शाखा अध्यक्ष प्रशांत धन्नावत, मानद मंत्री दीपक गुप्ता, सदस्य अखिलेश केडिया, नितिन अग्रवाल. गवर्नमेंट हाई स्कूल बंसीलालपेट सिकंदराबाद विद्यालय प्राचार्य स्वप्न माला, स्वयंसेवक पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, बबीता अग्रवाल, सुनैना नारसरिया, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव. लावण्या, हाजिरा अदीब. अग्र महिला मंच दीपा गर्ग, अंजू गोयल, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया। शिविर का 254 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बस-ट्रक की टक्कर...

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दिए घायलों को बेहतर इलाज के निर्देश : तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि यह घटना बेहद दर्दनाक है। उन्होंने आरटीसी के एमडी नागी रेड्डी और रंगारेड्डी जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर घायलों को तुरंत उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी जरूरी इंतजाम किए जाएं और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद दी जाए।

केटीआर ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी : तेलंगाना के पूर्व मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने भी हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा चेवेल्ला मंडल में हुए इस हादसे ने सभी को झकझोर दिया है। 19 लोगों की मौत और कई के घायल होने की खबर बेहद दुखद है। केटीआर ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से आग्रह किया कि प्रभावित परिवारों को तुरंत आर्थिक सहायता दी जाए और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वर्ल्ड चैंपियन भारतीय महिला टीम के लिए बीसीसीआई ने खोला खजाना

आईसीसी से भी बड़ी प्राइज मनी किया ऐलान

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महिला वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने खजाना खोल दिया है। बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से 12 करोड़ रुपये ज्यादा की प्राइज मनी देने का ऐलान किया है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम को विजेता बनने पर आईसीसी से लगभग 39 करोड़ रुपये मिले। वहीं बीसीसीआई ने भारतीय टीम के खिलाडियों, कोचों और स्पोर्ट स्टाफ के लिए 51 करोड़ रुपये के नकद इनाम का ऐलान किया।

जो क्रिकेट को बताते थे मर्दों का खेल, डॉक्टर-इंजीनियर बनाने की देते थे सलाह, अब खुद को बताते हैं दीप्ति का पड़ोसी

समाचार एएनआई से बात करते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, "1983 में कपिल देव ने भारत को वर्ल्ड कप जिताकर क्रिकेट में एक नया दौर और हौसला लाया। वही जोश और हौसला आज महिलाओं ने दिखाया है। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने आज सिर्फ ट्रॉफी ही नहीं जीती, बल्कि सभी भारतीयों का दिल जीत लिया है। उन्होंने महिला क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए रास्ता बनाया है... महिला क्रिकेट पहले ही अपने नेकस्ट लेवल पर पहुंच गया था जब हमारी टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया...।"

51 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान

देवजीत सैकिया ने कहा, "जब जय शाह ने बीसीसीआई की कमान संभाली (2019 से 2024 तक बीसीसीआई के सचिव रहे) उन्होंने महिला क्रिकेट में कई बदलाव किए। मैच फीस बराबर कर दिया गया। पिछले महीने आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने महिलाओं की प्राइज मनी में 300% की बढ़ोतरी की। पहले प्राइज मनी 2.88 मिलियन डॉलर थी और अब इसे बढ़ाकर 14 मिलियन डॉलर कर दिया गया है। इन सभी कदमों से महिला क्रिकेट को बहुत बढ़ावा मिला है। बीसीसीआई ने पूरी टीम खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ के लिए 51 करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा की है।"

भारतीय टीम ने रचा इतिहास

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला वर्ल्ड कप का खिताब पहली बार जीता। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने 45.3 ओवर में 246 रन पर आउट हो गई। शैफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच और दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। सुंदरता नहीं, अब खेल से होगी महिला क्रिकेटरों की पहचान; विश्व विजेता बनने के बाद भारत में होगा वुमन्स क्रिकेट के नए युग का आगाज।

टी20 टीम से रिलीज किए गए कुलदीप यादव *ऑस्ट्रेलिया दौरा छोड़ स्वदेश लौटेंगे*

बीसीसीआई ने बताई वजह

होबार्ट , 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होबार्ट के बेलेरीव ओवल में खेले गए टी20 मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की. इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 187 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 18.3 ओवर्स में अचीव कर लिया. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है. सीरीज का चौथा मुकाबला 6 अक्टूबर को गोल्ड कोस्ट में खेला जाना है. वहीं आखिरी मुकाबला 8 अक्टूबर को ब्रिस्बेन में होना है.

अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है. चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को बाकी दो मैचों के लिए टी20 टीम से रिलीज कर दिया गया है. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इस बात की जानकारी दी है. भारतीय टीम मैनेजमेंट ने बीसीसीआई से अनुरोध किया था कि कुलदीप को रिलीज किया जाए.

टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला इसलिए लिया, ताकि कुलदीप यादव को रेड-बॉल क्रिकेट की तैयारी का मौका मिल सके. कुलदीप अब इंडिया-ए टीम की ओर से साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ दूसरे फर्स्ट क्लास मैच में हिस्सा लेंगे. यह मुकाबला बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में में 6 नवंबर से खेला जाना है. कुलदीप इस मैच के जरिए साउथ अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे.

कुलदीप यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में दो मैच खेले. कैनबरा में खेले गए टी20 मैच में कुलदीप गेंदबाजी नहीं कर पाए थे क्योंकि मुकाबला बारिश के चलते धुल गया था. फिर मेलबर्न में खेले गए टी20 मैच में कुलदीप ने 45 रन देकर दो विकेट झटके थे. कुलदीप होबार्ट टी20 मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन पाए थे. कुलदीप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे, जहां उन्हें सिडनी में खेले गए मुकाबले में भाग लेने का मौका मिला था.

साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए भारत-ए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, कुलदीप यादव

भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में बड़े बदलाव, हेड समेत 3 खिलाड़ी बाहर

सिडनी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में हराकर सीरीज 1-1 बराबर कर ली। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के स्क्वाड से 3 खिलाड़ी ट्रेविस हेड, सीन एबट और तनवीर संघा को रिलीज कर दिया गया। हेड और एबट को एशेज की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम से रिलीज किया गया। इसके अलावा संघा को वनडे कप मैच में खेलने के लिए रिलीज किया गया है। बेन ड्वारशुइस की चोट से उबरने के बाद वापसी हुई।

एशेज की तैयारियां शुरू करते हुए ट्रैविस हेड शेफील्ड शील्ड में साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए दिखेंगे। हेड अगले हफ्ते होबार्ट में तस्मानिया के खिलाफ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे, जो जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद उनका पहला फर्स्ट-क्लास मैच होगा। पिछले महीने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा नहीं रहा है। अगस्त में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 142 रन बनाने के बाद टी20 और वनडे की आठ पारियों में उनका टॉप स्कोर 31 रहा है।

जोश हेजलवुड की जगह भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में खेलने वाले सीन एबट को भी शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलने के लिए रिलीज कर दिया गया है। उन्हें एशेज में चोटिल कप्तान पैट कमिंस के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। हेजलवुड और एबट के साथ स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क और नाथ लियोन खेलते दिखेंगे। इनके खिलाफ स्कॉट बोलैंड खेलते दिखेंगे।

लेग स्पिनर तनवीर संघा को सोमवार (3 अक्टूबर) को सिडनी में क्वींसलैंड के खिलाफ वनडे कप मैच में न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में एडम जम्पा के कवर के तौर चुने गए हैं, जो अपने दूसरी बार पिता बनने वाले हैं।

सिर्फ 20 रन बनाकर भी हरमनप्रीत कौर के नाम हुआ वर्ल्ड रिकॉर्ड, बेलिंडा क्लार्क को छोड़ा पीछे

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया की भिड़ंत साउथ अफ्रीका के साथ हो रही है. टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है.

हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत कौर खिताबी मैच में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह सिर्फ 20 रन बनाकर आउट हुईं. मगर इंडियन कैप्टन ने अपनी इस छोटी इनिंग के साथ ही विश्व कप में वर्ल्ड रिकॉर्ड को अपने नाम कर डाला है. हरमन ने बेलिंडा क्लार्क के बड़े रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया है.

हरमनप्रीत ने किया कमाल

दरअसल, हरमनप्रीत कौर महिला वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर बन गई हैं. भारतीय कैप्टन ने इस मामले में बेलिंडा क्लार्क को पीछे छोड़ दिया है. वर्ल्ड कप नॉकआउट मैचों में हरमन ने 4 इनिंग्स में ही 331 रन ठोके हैं.

वहीं, क्लार्क के नाम 6 पारियों में 330 रन जड़ने का रिकॉर्ड दर्ज था. इस लिस्ट में एलिसा हीली 309 रनों के साथ तीसरे नंबर पर काबिज हैं. हरमनप्रीत ने 29 गेंदों की अपनी पारी में कुल 2 चौके जमाए और वह सेमीफाइनल वाले प्रदर्शन को खिताबी मैच में नहीं दोहरा सकीं.

शेफाली ने मचाया धमाल

टॉस गंवाने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने ताबड़तोड़ शुरुआत दी. पहले विकेट के लिए दोनों ने मिलकर 104 रन जोड़े. मंधाना 58 गेंदों में 45 रन बनाकर आउट हुईं. हालांकि, शेफाली ने एक छोर से लगातार अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी और 78 गेंदों पर 87 रनों की शानदार पारी खेली.

हालांकि, शेफाली अपने शतक से चूक गईं. सेमीफाइनल में बल्ले से धमाल मचाने वाली जेमिमा फाइनल में महज 24 रन ही बना सकीं. अमनजोत कौर भी 12 रन ही बना पाईं. खबर लिखे जाने तक दीप्ति शर्मा क्रीज पर टिकी हुई हैं और भारतीय टीम को बड़े टोटल की तरफ लेकर जा रही हैं.

कौन हैं भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले अमोल मजूमदार?

बनाए 11 हजार रन, फिर भी नहीं मिला टीम इंडिया में मौका

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने सालों के इंतजार के बाद आखिर वुमेंस वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली. फाइनल में उन्होंने साउथ अफ्रीकी महिला टीम को पराजित किया. टीम इंडिया पहली बार कोई ओईसीसी ट्रॉफी जीतने में सफल हुई थी. इसके बाद से ही भारतीय प्लेयर्स की जमकर तारीफ हो रही है. इसके अलावा भी एक व्यक्ति है, जो उतनी ही तारीफ के लायक है. हम भारत के हेड कोच अमोल मजूमदार के बारे में बात कर रहे हैं. कई सारे लोगों को शायद उनके बारे में पता नहीं होगा. आइए जानते हैं कि अमोल मजूमदार कौन हैं और उनका क्रिकेटर के तौर प्रदर्शन कैसा रहा है.

कौन हैं अमोल मजूमदार?

अमोल मजूमदार का जन्म 11 नवंबर 1974 को मुंबई में हुआ था. उन्होंने शुरुआत से ही क्रिकेट पर फोकस किया और वो अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए पसंद किए जाते थे. मात्र 19 साल की उम्र में मजूमदार ने रणजी ट्रॉफी डेब्यू में नाबाद 260 रन बनाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था और दो दशकों तक ये कीर्तिमान उनके नाम ही रहा. वो मुंबई क्रिकेट के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक थे. उन्होंने रणजी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 171 मैच खेले और 48.13 के शानदार औसत से बल्लेबाजी करते हुए 1167 रन बनाए. उन्होंने कुल 30 शतक भी जड़े. उनकी कप्तानी में मुंबई ने 37वां रणजी ट्रॉफी खिताब भी जीता. इतना सफल करियर होने के बावजूद उन्हें कभी टीम इंडिया के लिए खेलने का मौका नहीं मिल पाया. साफ तौर पर उनकी किस्मत खराब रही.

टीम इंडिया को बतौर कोच बनाया वर्ल्ड चैंपियन

मजूमदार ने 2014 में क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बाद कोचिंग करना शुरू किया. उन्होंने अंडर 19 और अंडर 23 टीम को मेंटर किया और वो तीन साल तक राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच भी रहे. उन्होंने बाद में रणजी ट्रॉफी में मुंबई के कोच के रूप में काम किया. बीसीसीआई ने अक्टूबर 2023 में उन्हें भारतीय महिला टीम का हेड कोच बनाया. उन्होंने टीम को नए सिरे से तैयार किया और आखिर उनकी मेहनत रंग लगाई. 2025 में उनके हेड कोच रहते महिला टीम पहली बार वर्ल्ड कप जीतने में सफल रहीं.

8 खिलाड़ियों का वर्ल्ड कप करियर खत्म?

हरमनप्रीत कौर भी हो सकती हैं बाहर

खेल डेस्क, 3 नवंबर (एजेंसियां)। महिला क्रिकेट में दुनिया को नया चैंपियन मिल गया है. 2 नवंबर की रात नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार इस मेगा टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया. हरमनप्रीत कौर की टीम ने इस वर्ल्ड कप में लगातार 3 मैच गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीतकर ही दम लिया. ये वर्ल्ड कप 8 खिलाड़ियों के आखिरी विश्व कप हो सकता है. इसमें हरमनप्रीत कौर का भी नाम सामने आ रहा है, लेकिन अभी तक इसी पुष्टि नहीं हुई है.

ये खिलाड़ी नहीं खेलेंगी अगला वर्ल्ड कप?

भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का ये आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है. 36 साल की हो चुकी ये खिलाड़ी शायद ही अगले वर्ल्ड कप में खेले, क्योंकि अगला वर्ल्ड कप 4 साल के बाद होगा. ऐसे में भारतीय कप्तान का अगले मेगा टूर्नामेंट में खेलना मुश्किल लग रहा है. हालांकि उन्होंने अभी तक इस पर कोई बयान नहीं दिया है. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी शायद अगला वर्ल्ड कप नहीं खेलेंगी.

सेमीफाइनल हारने के बाद 35 साल की इस खिलाड़ी ने कहा था कि मैं वहां नहीं रहूंगी. अगले चक्र की यही खूबसूरती है, हम इसे साकार होते देखेंगे. अगले साल के मध्य में T20I वर्ल्ड कप है, जो हमारी टीम के लिए वाकई रोमांचक है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारा वनडे क्रिकेट शायद फिर से थोड़ा बदल जाएगा. फाइनल मुकाबला जीतने के बाद टीम इंडिया की खिलाड़ियों ने साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप से गले मिलकर उनको सांत्वना दी. शायद कैप का भी ये आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है.इसके अलावा कई और स्टार खिलाड़ी का भी वनडे वर्ल्ड कप करियर खत्म हो सकता है.

इन खिलाड़ियों को भी खत्म हो सकता वर्ल्ड कप करियर

हरमनप्रीत कौर और एलीसा हीली के अलावा ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी एलिस पेरी, न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन, ऑलराउंडर सूजी बेट्स, श्रीलंका की इनोका राणावीरा और उदेशिका प्रबोधनी का भी वनडे वर्ल्ड करियर खत्म हो सकता है. हालांकि अभी तक किसी भी खिलाड़ी ने इस बात की पुष्टि नहीं की है.

ये तो बड़ा संयोग है, भारत के जीते 2 वनडे वर्ल्ड कप के बीच 14 साल का फासला, फिर भी 5 चीजें एक जैसी

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। 2011 में भारत ने जीता मेंस वनडे वर्ल्ड कप. और, 2025 में जीता महिला वनडे वर्ल्ड कप. दोनों के बीच 14 साल का फासला रहा. लेकिन, आप जानकर हैरान रह जाएंगे इन दोनों वर्ल्ड कप के फाइनल से जुड़ी 5 ऐसी चीजें जो बिल्कुल एक जैसी रही. भारत ने साल 2011 में 28 साल के लंबे इंतजार को खत्म कर 50 ओवर फॉर्मेट का अपना दूसरा वर्ल्ड कप महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था. वहीं साल 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में अपना पहला वनडे वर्ल्ड कप जीता.

2011 या 2025 का वर्ल्ड कप फाइनल, गवाह बना मुंबई

अब अगर 14 साल के अंतराल पर खेले दोनों वर्ल्ड कप की समानताओं पर बात करेंगे, तो पहली समानता तो यही है कि दोनों के फाइनल मुकाबलों का गवाह मुंबई शहर बना है. 2011 में मेंस वर्ल्ड कप का मुंबई के वानखेड़े मैदान पर खेला गया था तो वहीं 2025 में महिला वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया.

2 तारीख को दोनों वर्ल्ड कप फाइनल

दोनो वर्ल्ड कप फाइनल की तारीख एक हो या ना हो लेकिन उसका डिजीट एक है. मतलब 2011 में मेस वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल जहां 2 अप्रैल को खेला गया था. वहीं 2025 महिला वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल 2 नवंबर को हुआ.

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बना ऑलराउंडर

2011 में मेंस वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल हो या 2025 में महिला वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल, दोनों में ही प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट एक ऑलराउंडर बना. 2011 में युवराज सिंह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे. जबकि 2025 में दीप्ति शर्मा ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का ताज पहना.

कप्तान के हाथों हुआ मैच खत्म

कमाल की बात ये है कि 14 साल के अंतराल पर खेले गए दोनों वनडे वर्ल्ड कप में खेल चाहे जिसने भी शुरू किया हो लेकिन उसका अंत भारतीय कप्तान के हाथों ही हुआ. 2011 के मेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने छक्का मारकर भारत को जिताया था.

तो 2025 के मैच का दि एंड महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के लपके जबरदस्त कैच के साथ हुआ.

तीसरा फाइनल खेलते हुए जीता खिताब

2011 में भारत की मेंस टीम ने 1983 और 2003 के बाद अपना तीसरा वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला था. ठीक वैसे ही 2025 में महिला टीम ने भी अपना तीसरा वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला. इससे पहले 2005 और 2017 में भी वो वर्ल्ड कप फाइनल खेले थे.

सड़क हादसा लोगों को रुला गया, पूरे तेलंगाना में शोक की लहर

चेवेल्ला हादसे की वजह बनी ओवरलोड बस और ट्रक की टक्कर

पुलिस जांच में खुलासा, क्षमता से ज्यादा यात्री और माल ले जा रहे थे दोनों वाहन

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा में सोमवार को हुई भीषण सड़क दुर्घटना के पीछे ओवरलोड ट्रक और भीड़भाड़ वाली आरटीसी बस को मुख्य कारण माना जा रहा है। यह हादसा हाल के वर्षों की सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक बन गया, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, तंदूर बस डिपो से हैदराबाद जा रही आरटीसी बस में उसकी क्षमता से कहीं अधिक यात्री सवार थे, जबकि सामने से आ रहा ट्रक बजरी से ओवरलोड था। दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर के बाद ट्रक पलट गया और बजरी बस पर गिर गई, जिससे कई यात्री उसमें दब गए।

दुर्घटना स्थल से मिले दृश्य बेहद दर्दनाक हैं। एक वीडियो में एक महिला को बजरी के ढेर के नीचे फंसा हुआ देखा गया, जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस में लगभग 70 यात्री सवार थे, जबकि उसकी क्षमता 50 लोगों की थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि खराब सड़कों, ओवरलोडिंग और यात्रियों की बढ़ती संख्या के बावजूद पर्याप्त बसें न चलाना इस तरह की दुर्घटनाओं की बड़ी वजह है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या ट्रक को उस समय उस मार्ग पर चलने की अनुमति थी और उसकी जांच या निगरानी में लापरवाही हुई। चेवेल्ला पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों वाहनों की फिटनेस रिपोर्ट, लोडिंग स्थिति और चालक की जिम्मेदारी की भी जांच की जा रही है। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तीन सगी बहनों समेत बस और ट्रक के ड्राइवर की हुई मौत, मरने वालों में 10 माह की बच्ची भी

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवल्ला बस दुर्घटना ने पूर देश को हिलाकर रख दिया है। इस हादसे में टीएसआरटीसी बस के चालक और कंडक्टर और ट्रक के ड्राइवर समेत 17 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही दर्जनों लोग घायल हो गए। एक साथ तीन बहनों की मौत ने भी लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

तांडूर डिपो से बस संख्या टीएस- 34 टीए- 6354 को लेकर ड्राइवर दस्तगिरी (37 वर्ष), बस कंडक्टर राधा (35 वर्ष) सुबह 4:40 बजे करीब 70 यात्रियों को लेकर हैदराबाद आ रही थी। तांडूर से हैदराबाद जाते समय, बस को विपरीत दिशा से तेज़ गति से आ रहे एक ट्रक (टिपर) संख्या टीजी- 06- टी 3879 ने सीधी टक्कर मार दी। इस टक्कर में, दोनों चालकों (बस और टिपर) और लगभग 17 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस की पुष्टि के अनुसार, टिपर तेज गति से चल रहा था। कई वाहनों को ओवरटेक कर रहा था, और अचानक दाईं ओर मुड़ गया, जिससे विपरीत दिशा से आ रही आरटीसी बस से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टिपर में कंकड़ लदा होने के कारण भारी नुकसान हुआ और कई लोग हताहत हुए। घटना सोमवार को करीब सुबह लगभग 6:15 बजे, रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला के पास इंदिरारेड्डी नगर में हुई।

इस हादसे में मरने वालों में दस्यम नागमणि, पत्नी दत्तात्रेय रेड्डी, (55 वर्ष), निवासी बन्नूर (विशाल), सेदम (मध्य), गुलबर्गा (उत्तर), कर्नाटक, तारा बाई, पत्नी शंकर नाइक, (45 वर्ष), निवासी श्रीरामनगर तांडा, विकाराबाद, तबुस्साम जहां, पत्नी अब्दुल मजीद, (38 वर्ष), निवासी तांडूर, गुरला अखिला, पुत्री श्रीनिवास रेड्डी, (22 वर्ष), छात्र, निवासी लक्ष्मीनगरपुर गांव, यालाल (एम), तांडूर, पानुगुला कल्पना, पत्नी राजिरेड्डी, उम्र 45 वर्ष, निवासी बोराबोंडा, हैदराबाद, नल्लागंदला हनमंथु, पुत्र लक्ष्मप्पा, (35 वर्ष), निवासी दौलताबाद, गोगुला गुनाम्मा, पत्नी नरसिम्हा रेड्डी, (60 वर्ष), निवासी बोराबोंडा, हैदराबाद, शेख कलाद हुसैन, पुत्र जहांगीर,(76 वर्ष), निवासी तांडूर, तलिया बेगम, निवासी तांडूर, 10 महीने की बच्ची, नंदिनी, पुत्री येलैया गौड़, (18 वर्ष) छात्रा, निवासी तांडूर, साई प्रिया, पुत्री येलैया गौड़, एमबीए द्वितीय वर्ष छात्रा, निवासी तांडूर, तानुशा, पुत्री येलैया गौड़, डिग्री अंतिम वर्ष की छात्रा, निवासी तांडूर, मुस्कान, पुत्री चांद पाशा, निवासी तांडूर, बस ड्राइवर दस्तगिरी (बैज नंबर 6006), पुत्र अहमद, (35 वर्ष), निवासी मंथट्टी, बशीराबाद मंडल, विकाराबाद, टिपर चालक कमले आकाश, निवासी नांदेड़, महाराष्ट्र, कुड़ुगुंटा बंदप्पा, पुत्र शिवप्पा, (42 वर्ष), निवासी हाजीपुरा गांव, यालाल मंडल, विकाराबाद शामिल है।

घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है उपचार :

विकाराबाद अस्पताल में 10 घायल यात्रियों को उपचार के लिए भरती कराया गया है। घायलों में सुमाया (26) निवासी, एफ कृष्ण बाग, हैदराबाद, अब्दुल्ला (33) एम किशन बाग, हैदराबाद, अस्मा (20) किशन बाग, हैदराबाद, प्रवीना बी (36) एफ जलेसपल्ली, तांडूर, बी सपना (21) एफ कामारेड्डी, विकाराबाद, लक्ष्मण (30) अप्पाजीपल्ली, मुथूर मंडल, सोमय्या (51) ग्रीन सिटी, तांडूर, तसूरा (6) किशन बाग, हैदराबाद, अस्मा सैयद (31) किशन बाग, हैदराबाद, सफी (33) बहादुरपुरा, हैदराबाद शामिल है।

इसी तरह पीएमआर हॉस्पिटल में चकली श्री साई पत्नी भरत कुमार (27 वर्ष) तांडूर, विकाराबाद, कुम्मारि अनादुया पत्नी स्वर्गीय मल्लेशम (45 वर्ष) निवासी गोंगुपल्ली गांव, पुदुर मंडल, विकाराबाद, वेंकटेश, हेड कांस्टेबल, निवासी विकाराबाद, रेबारिबोनी नंदिनी पुत्री लक्ष्मीनारायण (21 वर्ष) छात्र निवासी दारूर, विकाराबाद, जगदीश पुत्र रामुलु (28 वर्ष) चालक निवासी वीरारेड्डीपल्ली गांव, तांडूर मंडल, विकाराबाद, बुज्जी भाई पत्नी आर रवि (36 वर्ष) निवासी राम नगर कॉलोनी, घनाराम टांडा, विकाराबाद, नागमणि पुत्र बलैया (50 वर्ष) निवासी भरूर, विकाराबाद, बसवराजू पुत्र अंजिलैया (39 वर्ष) ड्राइवर निवासी कोकट गांव, यालाल मंडल, विकाराबाद, बी. श्रीनिवास पुत्र बसवैया, (31 वर्ष) निवासी तंदूर, विकाराबाद, अब्दुल माजिद पुत्र अब्दुल वहाब (42 वर्ष) निवासी तंदूर, विकाराबाद, अखिल खान पुत्र रसूल खान (35 वर्ष) निवासी विकाराबाद, दयाकर पुत्र नरसीमुलु (25 वर्ष) एआरपीसी निवासी विकाराबाद, राधा पत्नी कुरुमैया (45 वर्ष) कंडक्टर निवासी तांडूर, वी एंड एम, विकाराबाद, अब्दुल रजाक पुत्र अब्दुल बासिथ (38 वर्ष) निवासी हसन नगर, शिवरामपल्ली रंगारेड्डी घायल है।

पुलिस ने जांच शुरू की

साइबराबाद पुलिस आयुक्त बोले - दोनों चालकों की मौत से जिम्मेदारी तय करना मुश्किल

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा गांव के पास सोमवार को हुई भीषण सड़क दुर्घटना में दो चालकों सहित 21 लोगों की मौत के बाद साइबराबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में कम से कम 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा कि दोनों चालकों की मौत हो जाने के कारण फिलहाल जिम्मेदारी तय करना जल्दबाजी होगी। मोहंती ने कहा कि टक्कर और उसके बाद ट्रक से गिरी बजरी की वजह से इतनी अधिक जनहानि हुई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हादसे के दौरान पाटनचेरू से विकाराबाद की ओर बजरी लेकर जा रहा एक टिपर ट्रक अचानक एक गड्ढे से बचने के प्रयास में सड़क से मुड़ा और सामने से आ रही हैदराबाद जा रही आरटीसी बस से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक पलट गया और उसमें भरी बजरी बस पर गिर गई, जिससे कई यात्री उसमें दबकर मारे गए।

ट्रक चालक की पहचान महाराष्ट्र निवासी आकाश कांबले के रूप में हुई है, जो महबूबनगर जिले के निवासी लछन्ना नायक के लिए काम करता था। हादसे में बस चालक दस्तगिरी बाबा की भी मौत हो गई। पीड़ितों के परिवारों के अनुरोध पर चेवेल्ला सरकारी अस्पताल में सभी मृतकों का पोस्टमार्टम किया गया। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

पुलिस ने कहा कि तकनीकी साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आगे की जांच जारी है और विस्तृत रिपोर्ट जल्द तैयार की जाएगी।

सीसीटीवी फुटेज से खुला पूरा घटनाक्रम

तेज रफ्तार और लापरवाही बनी बड़ी वजह, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा गांव के पास सोमवार को हुई भीषण आरटीसी बस दुर्घटना से जुड़े पूरे घटनाक्रम का खुलासा ताजा सीसीटीवी फुटेज से हुआ है। इस दर्दनाक हादसे में 20 यात्रियों की मौत हो गई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

फुटेज के मुताबिक, ताडूर डिपो की टीजीएसआरटीसी बस सुबह लगभग 5 बजे रवाना हुई और विकाराबाद में यात्रियों को लेने के बाद करीब 6 बजे चेवेल्ला बस स्टैंड पहुंची। वहां से बस हैदराबाद की ओर बढ़ी, लेकिन कुछ ही देर बाद, सुबह करीब 6:15 से 6:20 के बीच मिर्जागुडा गांव के पास बजरी से लदे एक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री मौके पर ही मारे गए।

दुर्घटना के समय बस में लगभग 60 यात्री सवार थे। हादसे के बाद पुलिस और आपातकालीन टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मलबा हटाने के लिए जेसीबी मशीनों की मदद ली गई और घायलों को चेवेल्ला सरकारी अस्पताल भेजा गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने दुर्घटना से संबंधित पूरी रिपोर्ट जल्द तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

चेवेल्ला बस हादसे के बाद मिर्जागुडा में तनाव

विधायक के दौरे पर लोगों ने किया विरोध, सरकार पर लापरवाही का आरोप

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा गांव के पास सोमवार को हुई भीषण आरटीसी बस और ट्रक टक्कर में 20 लोगों की मौत के बाद मंगलवार को वहां तनावपूर्ण माहौल बन गया। स्थानीय विधायक के. यादया जब घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे, तो आक्रोशित ग्रामीणों और मृतकों के परिजनों ने सड़क सुरक्षा में लापरवाही और भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

लोगों ने विधायक के सामने ही दुर्घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की और कहा कि क्षेत्र में लंबे समय से सड़क की मरम्मत और ट्रैफिक नियंत्रण की अनदेखी की जा रही है। भीड़ ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ भी नारे लगाए और बेहतर आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था की मांग की।

स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को शांत करने के लिए अतिरिक्त बल बुलाया गया। पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने देर रात तक राहत और बचाव कार्य जारी रखा। अधिकारियों के अनुसार, कई घायल यात्रियों का इलाज उस्मानिया अस्पताल और चेवेल्ला जिला अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि कुछ की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता और घायलों के उपचार के लिए विशेष इंतजाम करने का आश्वासन दिया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने सड़क दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया

पिछली सरकार की लापरवाही के कारण सड़क चौड़ीकरण का काम नहीं हो पाया : गड्डम प्रसाद

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानसभा अध्यक्ष और विकाराबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक गड्डम प्रसाद कुमार ने आज सुबह चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुड़ा में हुई भीषण सड़क दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। तेलंगाना सरकार के मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर गौड़, विधान परिषद के मुख्य सचेतक पटनम महेंद्र रेड्डी, विधायक काले यदय्या, राममोहन रेड्डी, मनोहर रेड्डी आदि ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया, जहां बस एक टिपर लॉरी से टकरा गई थी और अधिकारियों से दुर्घटना के विवरण के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रसाद कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज सुबह मिर्जागुड़ा में एक बस और टिपर लॉरी की टक्कर में हुई दुर्घटना में बड़ी संख्या में यात्रियों की जान चली गई। कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सरकार और अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और घायलों को अस्पतालों में और गंभीर रूप से घायलों को हैदराबाद स्थानांतरित किया।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर गौड़ और राज्य उद्योग एवं जिला प्रभारी मंत्री श्रीधर बाबू ने क्षेत्रीय स्तर पर राहत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और आरटीसी ने मृतकों के लिए 7 लाख रुपये और घायलों के लिए 2 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। केंद्र सरकार ने पुलिस अकादमी से मन्नागुडा तक राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण की अनुमति दे दी थी (जो हैदराबाद-बीजापुर राजमार्ग का हिस्सा है) और निविदा प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी थी, लेकिन पिछली सरकार की लापरवाही के कारण दस साल तक सड़क चौड़ीकरण का काम नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि मैं केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने दो बार दिल्ली गया और इस सड़क का काम शुरू करने के लिए ज्ञापन सौंपा। कुछ प्रकृति प्रेमियों ने सड़क चौड़ीकरण को लेकर ग्रीन ट्रिब्यूनल में मामला दायर किया था। इसी वजह से काम में देरी हुई। राज्य सरकार के प्रयासों से ग्रीन ट्रिब्यूनल में मामला सुलझ गया है। पिछले तीन दिनों में काम शुरू हो गया है। हम सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से पूरा करेंगे और अगर संभव हुआ तो एक साल के भीतर इसे उपलब्ध करा देंगे। उन्होंने कहा कि मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कुछ अधिकारी कांग्रेस सरकार को बदनाम करने की कोशिश में लगे हैं: जग्गा रेड्डी

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष टी. जग्गा रेड्डी ने सोमवार को कुछ हाइड्रा अधिकारियों के आचरण पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि वे कांग्रेस सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

जग्गा रेड्डी ने एक बयान में कहा कि कुछ अति-उत्साही अधिकारी जानबूझकर कांग्रेस सरकार की छवि खराब करने और बीआरएस पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों की हरकतों के कारण सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार फैलाया जा रहा है। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच कराने और संबंधित अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की। जग्गा रेड्डी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार वी. नवीन यादव को हराने के लिए हाइड्रा का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और टीपीसीसी नेतृत्व के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उठाएंगे ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

चेवेल्ला बस हादसे में चालक की हुई पहचान

हैदराबाद, 3 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा गांव के पास सोमवार सुबह हुई भीषण आरटीसी बस दुर्घटना में चालक की पहचान दस्तगिरी बाबा के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, मृतक दस्तगिरी बाबा उस टीजीएसआरटीसी बस को चला रहे थे जो निगम के लिए किराये पर ली गई थी।

Proforma 10-01

भारतीय रेलवे

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे लाइन व लाइन के समीप परिसर का प्रयोग करने वाले सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि दक्षिण मध्य रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर वर्तमान लाइनों को दर्शायी गई तारीख पर या उसके बाद 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज, एसी विद्युत द्वारा ऊर्जित कर दिया जाएगा। दर्शायी गई तारीख से ओवरहेड कर्षण तारों को हमेशा ऊर्जित माना जाए। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कथित लाइनों के नजदीक नहीं जाएगा और न ही उसके समीप कार्य करेगा।

अनुभाग	ऊर्जाकरण की तिथि	क्षेत्र
खंड के लिए गुंतकल डिवीजन के अंतर्गत धर्मावरम रेलवे स्टेशन (डीएमएम): किमी च से. 176/495.50 (ओएचई मस्त लोक नंबर: 176/23) से किमी च. 181/76.80 (ओएचई मास्ट लोक नंबर: 181/03) (एसबीसी से चेनेज)	02.12.2025	दक्षिण मध्य रेलवे

समूह महाप्रबंधक/राइट्स बैंगलोर

दक्षिण मध्य रेलवे के लिए एवं उसकी ओर से

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.